सफलतम 30 वर्ष
सच बेधड़क

दैनिक
विद्रोही तेवर

RNI.No.MPHIN/58880/95

● वर्ष-31 ● अंक- 156 भोपाल से प्रकाशित ● भोपाल, शनिवार 06 जून, 2026 ● मूल्य 1 रुपया ● पृष्ठ 8

संक्षिप्त समाचार

राज्यसभा चुनाव

पूरी हुई पवन खेड़ा की तपस्या, मिला टिकट

● हिमंत से भिड़ने का पार्टी ने दिया बड़ा ईनाम

नई दिल्ली (एजेंसी)। कांग्रेस पार्टी ने पवन खेड़ा को राज्यसभा का टिकट दिया है। इस खबर को महज एक हार्ड न्यूज नहीं कहा जा सकता। वजह यह है कि इस टिकट के पीछे पवन खेड़ा की सालों की तपस्या है। वैसे तो पार्टी की प्रेस कॉन्फ्रेंस और न्यूज चैनलों पर वे सालों से पार्टी का पुरजोर तरीके से पक्ष रखते आ रहे हैं, लेकिन हाल के दिनों में उनकी मानो एक फायरब्रैंड कांग्रेसी के रूप में छवि बन गई है। अब राज्यसभा टिकट के रूप में उन्हें पार्टी आलाकमान से बड़ा ईनाम मिला है। गौरतलब है कि कांग्रेस आलाकमान ने 18 जून को होने वाले राज्यसभा चुनाव के लिए जारी अपनी 7 उम्मीदवारों की सूची में पवन खेड़ा का नाम शामिल किया है। उन्हें कर्नाटक से मैदान में उतारा गया है। इसके साथ ही पवन खेड़ा अपने संसदीय पारी की शुरुआत भी करने जा रहे हैं। उन्हें राज्यसभा टिकट मिलते ही राजनीतिक गलियारों में एक वाक्य खूब प्रसिद्ध हो रहा है-पवन खेड़ा की तपस्या पूरी हुई। कांग्रेस के सबसे मुखर चेहरों में शामिल पवन खेड़ा पिछले कई मौकों पर राज्यसभा टिकट की रेस में बेहद आगे रहे थे, लेकिन चुनावी और क्षेत्रीय समीकरणों के चलते हर बार उनका नाम ऐन वक्त पर कट जाता था। 2022 के राज्यसभा चुनावों में भी खेड़ा को टिकट मिलने की चर्चा थी। हालांकि जब कांग्रेस ने उम्मीदवारों की घोषणा की थी तब उसमें पवन खेड़ा का नाम शामिल नहीं था। इसके तुरंत बाद ही उन्होंने सोशल मीडिया पर एक बेहद भावुक पोस्ट की थी। पोस्ट में लिखा था, शायद मेरी तपस्या में कुछ कमी रह गई। उन्होंने अपनी इस पोस्ट में सीधे तौर पर राज्यसभा टिकट का जिक्र नहीं किया। लेकिन तब उनके पोस्ट ने खूब सुर्खियां बटोरीं। अब जब पवन खेड़ा को राज्यसभा में एंट्री का मौका मिला है तब एक बार यह पोस्ट वायरल हो रहा है।

हिमंत से ली थी सीधी टक्कर

पिछले कुछ महीनों में असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा के साथ तीखे राजनीतिक और कानूनी विवादों का सामना करने के बावजूद खेड़ा फ्रंटफुट पर रहकर पार्टी का पक्ष रखते रहे। उनपर गिरफ्तारी की तलवार भी अटकी। पिछले महीने जब हिमंत की पत्नी से जुड़े मानहानि और जालसाजी के एक मामले में सुप्रीम कोर्ट ने उन्हें अग्रिम जमानत दे दी, तब दिल्ली पहुंचने पर उनका भव्य स्वागत हुआ था। इस दौरान 'शेर आया, शेर आया' के नारे भी लगे। पूरे घटनाक्रम से उनकी जुझारू नेता के रूप में छवि और मजबूत हुई। अब लोग राज्यसभा टिकट को हिमंत बिस्वा से सीधी टक्कर का ईनाम भी कह रहे हैं। कर्नाटक से टिकट मिला है।

हमने नल लगवाए, कोई टोटी चोरी कर रहा है

● ये कहकर मुस्कुराने लगे योगी, पानी बचाने का दिया संदेश

लखनऊ (एजेंसी)। लखनऊ में सीएम योगी ने कहा कि हमें पानी बचाने के लिए काम करना होगा। इसलिए हमने हर घर नल की योजना को बढ़ाया। पता चला कि कोई टोटी चोरी कर रहा है। कोई अन्य तरह से उसका नुकसान कर रहा है। खुला है तो खुला हुआ है। यह कहते हुए सीएम मुस्कुराने लगे। उन्होंने कहा- अगर कोई नल खुला छोड़कर जाए तो उसे टोकना चाहिए। समाज के लोगों का दायित्व है कि वे सरकारी संपत्तियों का नुकसान करने वालों को रोकें। योगी इंदिरा गांधी प्रतिष्ठान में शुक्रवार को पर्यावरण दिवस पर आयोजित कार्यक्रम में संबोधित कर रहे थे। सियासी गलियारे में लोग इस बयान को सपा मुखिया अखिलेश यादव से जोड़कर देख रहे हैं। दरअसल, टोटी चोरी का मामला 2017 में सपा के यूपी की सत्ता से हटने के बाद सामने आया था। बतौर सीएम अखिलेश को 4-विक्रमादित्य मार्ग पर आवास आवंटित था।

सीएम योगी ने स्कूली बच्चों को 3 सीख दी

योगी ने कहा- कोई भी प्लास्टिक वेस्ट किसी सार्वजनिक स्थान पर न फेंकें। जलस्रोत, वाटिका, जंगल, किसी उपवन में न फेंकें। जल संरक्षण का प्रयत्न करें। हमारे घर में बरसात का पानी आता है। उस पानी का एक-एक बूंद संरक्षित करें। जो भी खाली जगह है, वहां एक पौधा रोपें। किसी पेड़ को क्षति न पहुंचाएं और महत्वपूर्ण कार्यक्रम में 1 पौधा लगाएं। सीएम योगी ने कहा- सिंथेटिक केमिकल मौसम को प्रभावित कर रहे हैं। सिंथेटिक केमिकल है और समय के साथ डि-कंपोज न होने के कारण ऐसी चीजें पर्यावरण में गल नहीं रही हैं, जो पर्यावरण के लिए नुकसानदायक हैं। इससे वर्षा का चक्र ही बदल गया है। अनियमित वर्षा हो रही है।

दोषी है तो फांसी दे दो, सड़क पर तमाशा क्यों?

● कमर में रस्सी बांधकर घुमाने पर हाईकोर्ट सख्त ● वेस्ट बंगाल की बीजेपी सरकार को लगाई फटकार

कोलकाता (एजेंसी)। अदालत ने यह भी स्पष्ट किया कि अपराधी होने का आरोप किसी व्यक्ति के मौलिक अधिकारों को समाप्त नहीं करता। इसलिए पुलिस को कानून के दायरे में रहकर कार्रवाई करनी चाहिए और किसी आरोपी को सार्वजनिक रूप से अपमानित नहीं किया जा सकता। पश्चिम बंगाल में भाजपा सरकार के सत्ता में आने के बाद अपराध पर लगाम लगाने के लिए पुलिस की सख्त कार्रवाई को लेकर पूरे राज्य में चर्चा रही है। हालांकि, पुलिस की इस कथित 'अतिसक्रियता' या 'सड़क पर न्याय' (स्ट्रीट जस्टिस) की प्रवृत्ति अब एक बड़े कानूनी और संवैधानिक सवाल के घेरे में आ गई है।

पुलिस किसी का सम्मान नहीं छीन सकती

सुनवाई के दौरान हाईकोर्ट ने कानूनी कार्रवाई और सार्वजनिक अपमान के बीच स्पष्ट अंतर रेखांकित किया। अदालत ने माना कि अपराधियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई करना प्रशासन का अधिकार है, लेकिन इसके नाम पर किसी व्यक्ति की गरिमा और मानवाधिकारों का उल्लंघन नहीं किया जा सकता। जस्टिस जॉय सेनगुप्ता ने पुलिस के इस रवैये की कड़ी आलोचना करते हुए कहा, पुलिस आरोपियों को गिरफ्तार कर सकती है और उनके खिलाफ कानूनी कार्रवाई कर सकती है। अगर वे दोषी पाए जाते हैं तो अदालत उन्हें फांसी तक की सजा दे सकती है लेकिन गिरफ्तारी के नाम पर पुलिस किसी व्यक्ति के आत्मसम्मान और मानवाधिकारों को जानबूझकर नष्ट नहीं कर सकती। अदालत ने राज्य सरकार को निर्देश दिया है कि वह अगले 21 दिनों के भीतर एक एफिडेविट दाखिल करे।

भाजपा सरकार बनने के बाद बदला पुलिस का तरीका

मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी के नेतृत्व में भाजपा सरकार के गठन और तृणमूल शासन के अंत के बाद राज्य में कानून-व्यवस्था की स्थिति सुधारने की प्रक्रिया शुरू हुई है। सरकार का दावा है कि रंगदारी, भ्रष्टाचार और सिंडिकेट राज से जुड़े असामाजिक तत्वों के खिलाफ राज्य पुलिस ने 'जीरो टॉलरेंस' की नीति अपनाई है। हालांकि, हाईकोर्ट में दायर याचिकाओं में आरोप लगाया गया है कि अपराध के खिलाफ कार्रवाई के नाम पर कुछ मामलों में पुलिस ने कानूनी प्रक्रिया की सीमाओं को पार किया है। इसी संदर्भ में अदालत ने आरोपियों को रस्सी बांधकर सार्वजनिक रूप से घुमाने की घटनाओं पर राज्य सरकार से जवाब मांगा है और स्पष्ट किया है कि कानून का पालन करते हुए ही अपराधियों के खिलाफ कार्रवाई की जानी चाहिए।

तमिलनाडु में भाजपा छोड़ते ही अन्नामलाई ने बनाई नई पार्टी

● अगला चुनाव लड़ने का ऐलान; कहा- मतभेद थे

● आलाकमान ने चुनाव तक रुकने को कहा था

चेन्नई (एजेंसी)। तमिलनाडु बीजेपी के पूर्व प्रदेश अध्यक्ष के अन्नामलाई ने शुक्रवार को नई पार्टी बनाने का ऐलान किया। सोशल मीडिया पर एक वीडियो मैसेज में अन्नामलाई ने कहा कि आज हम एक आंदोलन शुरू करने जा रहे हैं। हमारी राजनीतिक पार्टी तमिलनाडु में 2031 में अगला विधानसभा चुनाव लड़ेगी। मेरे लिए यह तय करना बहुत मुश्किल था कि मैं बीजेपी का सदस्य रहूं या तमिल लोगों से जुड़ा रहूं। मैंने 4 दिसंबर 2025 को पार्टी को बताया कि मैं इस्तीफा देने जा रहा हूं। पार्टी ने मुझसे कहा कि पहले चुनाव हो जाने दें, फिर जाएं। अन्नामलाई ने 2 जून को भाजपा से इस्तीफा दिया था। लेटर शुक्रवार को सामने आया।

मणिपुर फिर से दहला! तीन ग्रामीणों की हत्या

● भारी हथियारों के साथ आए उग्रवादी, 7 घर फूंके

कांगपोकपी (एजेंसी)। मणिपुर में जातीय तनाव और हिंसा का दौर थमने का नाम नहीं ले रहा है। शुक्रवार तड़के राज्य के कांगपोकपी जिले में एक बड़ा संदिग्ध उग्रवादी हमला हुआ है। इस खौफनाक वारदात में तीन लोगों की मौत हो गई, जबकि 7 घरों को आग के हवाले कर दिया गया। राज्य में कुकी जनजातियों के शीर्ष निकाय कुकी इनपी मणिपुर ने इस घटना की जानकारी दी है। एक प्रेस बयान के मुताबिक, शुक्रवार तड़के करीब 4 बजे भारी हथियारों से लैस उग्रवादियों ने लोइबोल खुल्लेन गांव पर हमला कर दिया। संगठन का आरोप है कि इस वारदात को उग्रवादियों ने अंजाम दिया है।

● **महिलाओं ने निकाला विरोध मार्च, राज्यपाल को सौंपा ज्ञापन-** इससे पहले 28 मई को ऑल मणिपुर नुपी मारुप नाम के संगठन ने बंधकों की रिहाई की मांग को लेकर इंफाल के इरावत भवन पर एक बड़ी विरोध रैली निकाली थी। प्रदर्शनकारियों ने हाथों में बैनर और तख्तियां लेकर अपहरण की घटनाओं को रोकने की अपील की। संगठन इस पर ऐक्टिव है।

हमले में जान गंवाने वालों की पहचान

कुकी स्टूडेंट्स ऑर्गनाइजेशन, साउथ वेस्ट सदर हिल्स की ओर से जारी एक अन्य बयान में मृतकों की उम्र और पहचान की पुष्टि की गई है। इस हमले में जान गंवाने वाले सभी लोग लोइबोल खुल्लेन गांव के ही निवासी थे, जिनकी पहचान इस प्रकार है। गौरतलब है कि मणिपुर में पिछले तीन साल से अधिक समय से जातीय तनाव और हिंसा का माहौल है।

6 नागा बंधकों की रिहाई की मांग तेज

मणिपुर में जारी संकट के बीच अब 6 नागा नागरिकों के अपहरण का मुद्दा गरमा गया है। इन बंधकों की सुरक्षित वापसी के लिए राज्य में लगातार विरोध-प्रदर्शन हो रहे हैं और सरकार पर दबाव बनाया जा रहा है। ऑल नागा स्टूडेंट्स एसोसिएशन, मणिपुर ने शुक्रवार को राज्य सरकार से मांग की है कि वह सभी छह नागा बंधकों को तुरंत रिहा कराए और उन्हें उनके परिवारों को सौंपे।

बरहामपुर से चुनाव लड़ना चाहती हैं ममता बनर्जी!

मांगा यूसुफ से इस्तीफा, पूर्व क्रिकेटर का इनकार

कोलकाता (एजेंसी)। पश्चिम बंगाल चुनावों में करारी हार और विधायकों में विधायकों के बागी गुट बना लेने के बाद ममता बनर्जी अपने सियासी जीवन में सबसे मुश्किल वक्त से गुजर रही हैं। अटकलें लग रही है कि विधायकों की तरह ही सांसदों में भी बगावत हो सकती है। इसकी अटकलें कोलकाता से दिल्ली तक लग रही हैं। संभावना जताई रही है कि मानसूत्र सत्र से पहले खेला हो सकता है। इस सब के बीच बंगाल की राजनीति में यह चर्चा है कि ममता लोकसभा पहुंचना चाहती हैं।

● **यूसुफ पठान सीट खाली करने को नहीं तैयार-** मीडिया रिपोर्ट्स की मानें तो ममता बनर्जी भले ही बहरामपुर से लड़ना चाहती हैं लेकिन गुजरात के वडोदरा के रहने वाले यूसुफ पठान इसके लिए तैयार नहीं हैं। उन्होंने इस्तीफा देने की संभावना से इनकार कर दिया है। 2024 लोकसभा चुनावों में यूसुफ पठान ने ममता बनर्जी के बल पर ही बरहरामपुर से जीत हासिल की थी। तब उन्होंने कांग्रेस के कद्दावर नेता अधीर रंजन चौधरी को हराया था। बहरामपुर सीट 70 फीसदी मुस्लिम बहुल है। यूसुफ पठान को अधीर रंजन चौधरी के सामने 524,516 वोट मिले थे। वह 85 हजार वोटों से चुनाव जीतकर लोकसभा पहुंचे थे।

सम्राट सरकार ने लालू-राबड़ी की जेड+ सुरक्षा खत्म की

● तेजप्रताप को मिलेगा अब एक बॉडीगार्ड बंगला विवाद के बीच घटी सिक्योरिटी

पटना (एजेंसी)। सम्राट सरकार की तरफ से राबड़ी आवास को खाली करने का नोटिस दिया गया है। इस बीच लालू परिवार की सुरक्षा घटा दी गई है। आरजेडी के सुप्रीमो लालू प्रसाद यादव और उनकी पत्नी और पूर्व सीएम राबड़ी देवी की जेड प्लस सिक्योरिटी खत्म कर दी गई है। दोनों को अब बिहार पुलिस की विशेष सुरक्षा व्यवस्था दी गई है, जिसमें एस्कॉर्ट, बुलेट प्रूफ कार और 8 से 16 गार्ड शामिल हैं। लालू यादव के बेटे और जनशक्ति जनता दल के राष्ट्रीय अध्यक्ष तेज प्रताप यादव की भी जेड कैटेगरी की सुरक्षा खत्म कर दी गई है। सरकार ने अब उन्हें सिर्फ एक बॉडीगार्ड दिया है। **तेजस्वी की सुरक्षा में कोई बदलाव नहीं-** बिहार विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव, उनकी पत्नी राजश्री और बहन मीसा भारती की सुरक्षा में कोई बदलाव नहीं किया गया है। तेजस्वी पहले की तरह वाई प्लस श्रेणी की सिक्योरिटी में रहेंगे।

प्रदेश में हरित विकास को दिया जा रहा बढ़ावा

● मुख्यमंत्री बोले-सड़क एवं परिवहन नेटवर्क निर्माण के साथ पर्यावरण पर भी हो रहा काम

सड़क निर्माण में पर्यावरण संरक्षण के लिए 7,871 वृक्षों के स्थान पर 80 हजार पौधे लगेंगे

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि मध्यप्रदेश में अधोसंरचना विकास को पर्यावर्णीय संवेदनशीलता और दीर्घकालिक सतत विकास की अवधारणा के साथ आगे बढ़ाया जा रहा है। प्रदेश सरकार की प्राथमिकता आधुनिक सड़क एवं परिवहन नेटवर्क के निर्माण के साथ प्राकृतिक संसाधनों के संरक्षण और हरित विकास को बढ़ावा देना है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि अयोध्या बायपास परियोजना इस सोच का उदाहरण है, जहां विकास और पर्यावरण संरक्षण को समान महत्व दिया गया है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि परियोजना के दौरान 7,871 वृक्षों की कटाई की प्रतिपूर्ति के लिये लगभग 10 गुना अधिक अर्थात 80 हजार पौधों का रोपण किया जाएगा। अयोध्या बायपास के दोनों ओर लगभग 10 हजार पौधे लगाकर इसे एक हरित कॉरिडोर के रूप में विकसित किया जाएगा। उन्होंने कहा कि यह पहल पर्यावर्णीय संतुलन को सुदृढ़ करने के साथ क्षेत्र की प्राकृतिक सुंदरता को भी नया आयाम प्रदान करेगी। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि राज्य सरकार का लक्ष्य केवल बेहतर सड़क अधोसंरचना का निर्माण करना नहीं है, बल्कि ऐसी विकास परियोजनाओं को बढ़ावा देना है जो आर्थिक प्रगति के साथ पर्यावरण संरक्षण के लिए जरूरी हैं।

विकास के साथ पर्यावरण संरक्षण का संतुलित मॉडल

मुख्यमंत्री डॉ. यादव के विजन को मूर्त रूप देते हुए अयोध्या बायपास परियोजना के अंतर्गत व्यापक पौधरोपण एवं हरित विकास योजना तैयार की गई है। परियोजना के दौरान 7,871 वृक्षों की कटाई की प्रतिपूर्ति के लिये लगभग 10 गुना अधिक अर्थात 80 हजार पौधों का रोपण किया जाएगा। इनमें से लगभग 10 हजार पौधे अयोध्या बायपास के दोनों ओर लगाए जाएंगे, जिससे यह मार्ग भविष्य में एक आकर्षक और पर्यावरण-अनुकूल ग्रीन कॉरिडोर के रूप में विकसित होगा। इसके अतिरिक्त झिरनिया एवं झगरिया खुर्द क्षेत्रों में लगभग 70 हजार पौधों के रोपण की तैयारी पूर्ण कर ली गई है। आगामी मानसून में प्रस्तावित यह व्यापक पौधरोपण अभियान भोपाल क्षेत्र से शुरू होगा।

नागरिक सुविधाओं को प्राथमिकता

मुख्य सचिव श्री जैन ने अयोध्या बायपास परियोजना में भोपाल की पेयजल आपूर्ति व्यवस्था को निर्बाध बनाए रखने के लिए की जा रही तैयारियों की भी समीक्षा की। मुख्य सचिव श्री जैन को अवगत कराया गया कि एनएचएआई और भोपाल नगर निगम के बीच निरंतर समन्वय स्थापित कर कार्य योजना तैयार की गई है। इसमें पाइप लाइन शिफ्टिंग सहित सभी तकनीकी कार्य चरणबद्ध तरीके से किए जाएंगे। नगर निगम के तकनीकी अधिकारियों की निगरानी में कार्य संपादित किए जाने से यह सुनिश्चित किया जाएगा कि परियोजना के क्रियान्वयन के दौरान नागरिकों को पेयजल आपूर्ति संबंधी किसी प्रकार की असुविधा का सामना न करना पड़े।

रायसेन में दो बस टकराईं, राष्ट्रीय कवि समेत 3 की मौत

एक शख्स का सिर दो हिस्सों में बंटा, 15 घायलों को 10 एम्बुलेंस से पहुंचाया अस्पताल

भोपाल। मध्यप्रदेश के रायसेन में दो बसों की आमने-सामने टक्कर हो गई। हादसे में 3 यात्रियों की मौत हो गई, जबकि 27 लोग घायल हो गए। हादसा इतना भीषण था कि एक यात्री का सिर फटकर दो हिस्सों में बंट गया। कई घायलों के सिर, चेहरे और हाथ-पैर में गंभीर चोटें आई हैं। घायलों को 10 एम्बुलेंस की मदद से जिला अस्पताल रायसेन, भोपाल के हमीदिया अस्पताल, नागपुर अस्पताल और लक्ष्मी स्पेशलिटी अस्पताल पहुंचाया गया। घटना शुक्रवार सुबह करीब 11 बजे खरबई थाना चौकी क्षेत्र के सेहतगंज टोल प्लाजा के पास हुई। मृतकों की पहचान नीतेश व्यास (28) पिता एसएन व्यास, निवासी पंडा टेकापार, सुल्तानगंज, माखन लोधी (29) पिता रामबाबू लोधी, निवासी पचीपुरा, बेगमगंज और दीपेश अहिरवार (19) निवासी सुल्तानगंज के रूप में हुई है। नीतेश व्यास राष्ट्रीय स्तर के कवि थे और बेगमगंज से भोपाल जा रहे थे। वहीं दीपेश मजदूरी के लिए भोपाल जा रहा था। शुरुआती दौर में 5 लोगों की मौत की सूचना सामने आई थी, लेकिन बाद में प्रशासन ने 3 मौतों की पुष्टि की।

एसपी बोले- भोपाल-सागर रूट पर चलती हैं दोनों बस- एसपी आशुतोष गुप्ता ने बताया कि कल्पना ट्रैवल्स की बस क्रमांक एमपी 33 जेडसी 7770 और शक्ति ट्रैवल्स की बस क्रमांक एमपी 04 पीए 3820 के बीच टक्कर हुई। दोनों बसें भोपाल-सागर रूट पर संचालित होती हैं।

नीतेश व्यास, मृतक

कर्नाटक में डीके शिवकुमार की सरकार बनते ही कलह, विभाग बंटवारे से नाराज मंत्री रामलिंगा रेड्डी का इस्तीफा

बेंगलुरु, एजेंसी। कर्नाटक में विभागों के आवंटन से नाराज होकर राज्य सरकार के मंत्री रामलिंगा रेड्डी ने कैबिनेट से अपना इस्तीफा देने की घोषणा कर दी है। रामलिंगा रेड्डी का कहना है कि सरकार गठन और विभागों के बंटवारे के समय उनसे बेंगलुरु विकास विभाग सौंपने का वादा किया गया था। यह जिम्मेदारी न मिलने के कारण वे अपनी ही सरकार के फैसले से नाखुश थे, जिसके चलते उन्होंने कैबिनेट छोड़ने का यह बड़ा कदम उठाया। बेंगलुरु में अपने फैसले की जानकारी देते हुए और अपना रुख स्पष्ट करते हुए रेड्डी ने कहा कि मैं अपनी अंतरात्मा के खिलाफ जाकर काम नहीं कर सकता। यही कारण है कि मैं मंत्री पद से अपना इस्तीफा दे रहा हूं। मंत्री पद से इस्तीफा देने के बावजूद रामलिंगा रेड्डी ने स्पष्ट किया है कि वे कांग्रेस पार्टी का साथ नहीं छोड़ रहे हैं। उन्होंने साफ तौर पर कहा कि वे विधायक के रूप में अपने क्षेत्र और जनता के लिए काम करना जारी रखेंगे और कांग्रेस पार्टी से इस्तीफा नहीं देंगे। यह इस्तीफा मुख्यमंत्री डीके शिवकुमार द्वारा गुरुवार रात विभागों के बंटवारे के बाद आया है। यह शिवकुमार सरकार के लिए एक बड़ा झटका था, जो बुधवार को सत्ता में आई थी। प्रेस कॉन्फ्रेंस के बीच कांग्रेस नेतृत्व ने नाराज मंत्री को मनाने की आखिरी कोशिश की, लेकिन वे अपने फैसले पर अडिग रहे। उन्होंने पार्टी नेतृत्व का संदेश लेकर आए नेताओं से कहा कि अब किसी भी सुझाव पर ध्यान देने का समय निकल चुका है।

फरीदाबाद हादसा: आंधी-बारिश से बचने के लिए पोर्टा केबिन में घुसे थे श्रमिक, हादसे से तुरंत पहले क्या हुआ था?

फरीदाबाद, एजेंसी। आंधी और वर्षा से बचने के लिए पोर्टा केबिन में घुसे श्रमिकों को अंदाजा नहीं था कि क्रेन फिसलकर इतनी दूर आ जाएगी। वे खुद को सुरक्षित करने के लिए ही उसमें घुसे थे। उनका यही कदम जानलेवा साबित हुआ। क्रेन पोर्टा केबिन से करीब 200 मीटर की दूरी पर पटरी पर खड़ी थी। वर्षा के कारण पटरी पर कीचड़ और फिसलन हो गई। आंधी से क्रेन पोर्टा केबिन की ओर फिसलने लगी और पास जाकर ठीक उसके ऊपर पलट गई। मौके पर मौजूद अन्य श्रमिकों में चीख–पुकार मच गई। श्रमिक इधर–उधर भागने लगे। मौके पर अफरा–तफरी का माहौल बन गया। मौके पर मौजूद अन्य श्रमिकों ने पुलिस को सूचना दी। सूचना पर थोड़ी देर में ही आग की तरह फैल गई। कुछ देर में ही प्रशासनिक हमला मौके पर पहुंच गया। मौके पर काफी संख्या में भीड़ भी जमा हो गई। बचाव दल ने बताया कि फिसलन, कीचड़, अंधेरे और मौके पर जमा भीड़ के कारण बचाव कार्य में परेशानी आई। पुलिस ने पूरे घटनास्थल को चार जोन में बांटकर बचाव कार्य शुरू किया। कटर से पोर्टा केबिन को काटा गया। पहले जो श्रमिक बाहर आया, वह सुरक्षित था, इससे सभी को लगा कि बाकी श्रमिक भी सुरक्षित होंगे। क्रेन के नीचे खिसकने का डर लगातार बना हुआ था। इसलिए पोर्टा केबिन को काटने के बाद कांटा श्रमिकों के कपड़ों में फंसाकर उन्हें बाहर खींचा गया। बा उन्हें अस्पताल पहुंचाया गया। डॉक्टरों ने तीनों को मृत घोषित कर दिया। घटना बेहद दुखद है। मौके पर एलिवेटेड मार्ग के स्लैब उठाने के लिए पटरी बिछाई गई थी जिसके ऊपर क्रेन चलती थी। फिलहाल इस मामले में किसी की लापरवाही सामने नहीं आई है। बाकी मौके पर श्रमिकों की सुरक्षा के और पुख्ता इंतजाम किए जाएंगे । वर्षा के दौरान ग्रेटर फरीदाबाद के कई गांवों मे बिजली के खंभे गिर गए। मोहना, छांयसा, पन्हैड़ा तथा आसपास के क्षेत्र में 20 से अधिक खंभे गिरे। पन्हैड़ा में ट्रांसफार्मर गिरने से बिजली आपूर्ति प्रभावित रही। गांवों के अलावा शहरी क्षेत्र में भी थोड़ी देर के लिए बिजली गुल हो गई थी। वर्षा रुकने के बाद बिजली आपूर्ति चालू कर दी गई थी। अभियंता पंकज पंवार ने बताया कि बिजली आपूर्ति दुरुस्त करने को समय रहते मरम्मत कार्य चालू कर दिया गया था।

हाईकोर्ट ने उत्तर प्रदेश की कानून-व्यवस्था को लेकर अफसर को फटकार लगाई

योगी के करीबी अफसर संजय प्रसाद को हाईकोर्ट ने लगाई तगड़ी फटकार

इलाहाबाद , एजेंसी। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने हाल ही में एक मामले की सुनवाई के दौरान उत्तर प्रदेश में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के बेहद करीबी माने जाने वाले एक अफसर को तगड़ी फटकार लगाई है। हाईकोर्ट ने उत्तर प्रदेश की कानून-व्यवस्था को लेकर राज्य के अपर मुख्य सचिव (एसीएस - गृह) संजय प्रसाद के रवैये पर नाराजगी जताई। इस दौरान हाईकोर्ट ने उनके आचरण को लेकर भी बेहद तीखी टिप्पणियां की हैं। कोर्ट ने कहा कि राज्य में सुधार लाने के लिए अदालती स्तर पर जो भी कोशिशें की जा रही हैं, उन्हें प्रशासनिक स्तर पर सहयोग ही नहीं मिल रहा है। कोर्ट ने ये टिप्पणियां एक महिला द्वारा दायर याचिका पर की। बार एंड बेंच की एक रिपोर्ट के मुताबिक महिला की नाबालिग बेटी कई दिनों से लापता थी और पुलिस उसे तलाशने में नाकाम रही। कोर्ट ने पाया कि मामले के जांच अधिकारी ने निष्पक्ष और प्रभावी जांच नहीं की। जब जस्टिस विनोद दिवाकर की पीठ ने एसीएस (गृह) संजय प्रसाद से लगातार हो रही इस

अनदेखी की वजह पूछी, तो सरकार की तरफ से एक हलफनामा दाखिल किया गया। गृह सचिव द्वारा दाखिल इस हलफनामे में कहा गया कि राज्य सरकार ने 'सुभाष चंद्र' मामले के आदेश को सुप्रीम कोर्ट में चुनौती देने का फैसला किया है, इसलिए हाईकोर्ट को आगे कोई आदेश पारित करने से बचना चाहिए।

इस पर नाराजगी जताते हुए हाईकोर्ट ने सवाल उठाए कि प्रशासन एक साल तक क्यों बैठा रहा। कोर्ट ने नोट किया कि मई 2025 में आए आदेश को करीब एक साल तक चुनौती नहीं दी गई। जब कोर्ट ने एसीएस (गृह) से स्पष्टीकरण मांगा, तब जाकर इसे सुप्रीम कोर्ट में चुनौती देने का फैसला लिया गया। वहीं हाईकोर्ट ने इस मामले की सुनवाई को 3 महीने के लिए टाल दिया ताकि राज्य सरकार सुप्रीम कोर्ट से कोई निर्देश ला सके, इसके बावजूद सरकार सुप्रीम कोर्ट का कोई आदेश पेश नहीं कर पाई। इस मामले में हाईकोर्ट ने संजय प्रसाद के आचरण पर गंभीर टिप्पणी करते हुए कहा कि कोर्ट के निर्देशों का पालन करने में उनकी ओर से स्पष्ट अनिच्छा दिखाई देती है। अदालत ने कहा, 'अगर इस तरह के व्यवहार को अनदेखा किया गया तो जिद्दी प्रशासनिक अधिकारियों की वजह से संवैधानिक अदालतों के आदेश का कोई मतलब ही नहीं बचेगा। यह एक खतरनाक उदाहरण पेश करेगा। अदालत ऐसे आचरण पर चुप चाप नहीं बैठी सकती। इलाहाबाद हाई कोर्ट की सख्त टिप्पणी के बाद उत्तर प्रदेश के प्रशासनिक गलियारों में हड़कंप मच गया है। इसकी वजह यह है कि संजय प्रसाद राज्य की ब्यूरोक्रेसी का सबसे रसूखदार और ताकतवर चेहरा हैं। संजय प्रसाद को मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ का सबसे भरोसेमंद अधिकारी माना जाता है। संजय प्रसाद उत्तर प्रदेश कैडर के 1995 बैच के सीनियर आईएएस अधिकारी हैं। वर्तमान में वह राज्य के अपर मुख्य सचिव (एसीएस - गृह) के पद पर तैनात हैं। पूरे प्रदेश की कानून-व्यवस्था की कमान उन्हीं के हाथों में है। संजय प्रसाद को मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ का सबसे खास, भरोसेमंद और करीबी अफसर माना जाता है।

गाजियाबाद सूर्या हत्याकांड: हिंदू संगठनों की चेतावनी, जुमे की नमाज पर खोड़ा में पुलिस का कड़ा पहरा

साहिबाबाद (गाजियाबाद), एजेंसी। गाजियाबाद के खोड़ा थाना क्षेत्र में बकरीद के दिन हुए सूर्या हत्याकांड के बाद हिंदू संगठनों के पदाधिकारियों ने जुमे की नमाज न होने देने की चेतावनी को देखते हुए पुलिस अलर्ट है। शुक्रवार यानी आज होने वाली नमाज के लिए पुलिस अधिकारियों ने सुरक्षा की दृष्टि से खोड़ा में नमाज के समय एक हजार जवान तैनात करने के निर्देश दिए हैं। इस दौरान शांति भंग करने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई करने की बात कही है। बकरीद के दिन असद ने सूर्या चौहान को कुर्बानी दिखाने की बात कहते हुए उसकी चाकू मारकर हत्या कर दी थी। हत्या के बाद सूर्या के भाई यश ने असद, नवाब, फरहान, आतिफ और सारिक के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कराई थी। असद की पुलिस मुठभेड़ में मौत हो गई थी, जबकि अन्य आरोपियों को पुलिस ने गिरफ्तार कर जेल भेज दिया था। घटना के बाद कई राजनेता और हिंदू संगठन के पदाधिकारी मृतक के परिजनों से मिलने पहुंचे थे। घटना से गुस्साए हिंदू संगठन के पदाधिकारियों ने जुमे की नमाज न होने देने का दावा किया था। एसीपी इंदिरापुरम अभिषेक श्रीवास्तव ने बताया कि जुमे की नमाज को लेकर पुलिस अलर्ट है। खोड़ा में नमाज के समय आधा दर्जन से अधिक थानों के पुलिस फोर्स समेत आरपीएफ, आरएएफ, पीएसी के जवानों तैनात रहेंगे। खोड़ा में 19 मस्जिद हैं। सभी पर सुरक्षा की दृष्टि से पुलिस बल तैनात रहेगा।

आंधी, बारिश और ओले: तीन दिन मौसम मचाएगा तूफान, दिल्ली-यूपी समेत 19 राज्यों में अलर्ट

लखनऊ, नई दिल्ली, एजेंसी। भीषण गर्मी से जूझ रहे लोगों के लिए राहत अपने साथ कुछ मुसीबतें भी लेकर आई है। 4 जून को केरल में मानसून की एंट्री के साथ ही देश के कई हिस्सों में झमाझम बारिश का दौर शुरू हो गया है। बीते दिन दिल्ली-एनसीआर समेत कई राज्यों में आई तेज आंधी और बारिश ने जहां तापमान में भारी गिरावट ला दी, वहीं पेड़ और बिजली के खंभे गिरने से जलभराव और नुकसान जैसी परेशानियां भी देखने को मिलीं। मौसम विभाग की मानें तो आज यानी 5 जून को भी मौसम का यह रौद्र रूप जारी रहेगा। आइए आसान भाषा में जानते हैं कि आज आपके राज्य और शहर में मौसम कैसा रहने वाला है।

मौसम विभाग ने आज देश के 19 राज्यों में तेज बारिश और आंधी का अलर्ट जारी किया है। इस दौरान 70 से 80 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से तूफानी हवाएं चल सकती हैं।

पूर्वोत्तर भारत में तो अगले 5-6 दिनों तक भारी बारिश की संभावना जताई गई है। इसके अलावा उत्तर-पश्चिम, मध्य और पूर्वी भारत में भी आज मौसम खराब रह सकता है। देश के 19 राज्यों दिल्ली, यूपी, हरियाणा, पंजाब, राजस्थान, मध्य प्रदेश, बिहार, झारखंड, छत्तीसगढ़, पश्चिम बंगाल, उत्तराखंड, हिमाचल, जम्मू-कश्मीर, केरल, ओडिशा, तमिलनाडु, आंध्र प्रदेश, कर्नाटक और असम में झामाझम बारिश की अलर्ट जारी की गई हैं।

दिल्ली-हृष्टक्र में कैसा रहेगा मौसम? दिल्ली और एनसीआर के लोगों को आज भी गर्मी से राहत मिलेगी। आसमान में दिनभर बादल छाए रहेंगे। मौसम विभाग के मुताबिक, दोपहर तक 60 किमी/घंटा की रफ्तार से हवाएं चलने के साथ-साथ बारिश और

बिजली कड़कने के आसार हैं। यह सुहाना मौसम 6 जून को भी बना रह सकता है। आज दिल्ली का अधिकतम तापमान 37 डिग्री और न्यूनतम तापमान 29 डिग्री सेल्सियस के आसपास रहने की उम्मीद है। उत्तर प्रदेश के 38 जिलों में आंधी-बारिश का अलर्ट यूपी में आज मौसम काफी आक्रामक रह सकता है। राज्य के 38 जिलों के लिए चेतावनी जारी की गई है। इस दौरान 70-80 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से हवाएं चलेंगी। यूपी के 21 जिले प्रयागराज, वाराणसी, आगरा, झांसी, बांदा, चित्रकूट, कौशांबी, फतेहपुर, प्रतापगढ़, सोनभद्र, मिर्जापुर, चंदौली, गाजीपुर, फिरोजाबाद, इटावा, जालौन, हमीरपुर, महोबा, ललितपुर और आस-पास के इलाके ऑरेंज अलर्ट । येलो अलर्ट (17 जिले): कानपुर नगर, कानपुर देहात, रायबरेली, सुल्तानपुर, आजमगढ़, मऊ, बलिया, अमेठी, सहारनपुर, शामली, मुजफ्फरनगर, मथुरा, हाथरस, एटा, मैनपुरी, औरैया और बिजनौर। बिहार और पड़ोसी राज्य झारखंड में भी तूफानी हवाओं के साथ बारिश की पूरी संभावना है। कुछ जगहों पर ओले भी गिर सकते हैं। झारखंड के रांची, धनबाद, बोकारो, जामताड़ा, दुमका, साहेबगंज, गिरिडीह, सरायकेला और पलामू जैसे इलाकों में 60-70 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से हवाएं चलने और तेज बारिश का अनुमान है।

बंगाल में जांच एजेंसियों की कार्रवाई तेज, नौकरी घोटाला, हथियार मामले और राशन घोटाले में टीएमसी के चार नेता गिरफ्तार

कोलकाता, एजेंसी। बंगाल में विभिन्न भ्रष्टाचार और अनियमितताओं से जुड़े मामलों में जांच एजेंसियों ने गुरुवार को कार्रवाई तेज कर दी। अलग-अलग मामलों में तृणमूल कांग्रेस के चार नेताओं को गिरफ्तार किया गया, जिससे पार्टी की मुश्किलें और बढ़ गई हैं। पुलिस ने कोलकाता नगर निगम के तृणमूल पार्षद महेश कुमार शर्मा को गिरफ्तार किया है। उसके खिलाफ वसूली, धमकी, आपराधिक साजिश और सरकारी कर्मचारी के कार्य में बाधा पहुंचाने समेत कई गंभीर आरोप हैं। पूर्व मेदिनीपुर के हल्दिया में नौकरी घोटाले के मामले में तृणमूल नेता तिलक कुमार चक्रवर्ती को गिरफ्तार किया गया। वहीं, कोलकाता के सुरेन्द्रनाथ कालेज से हथियार बरामदगी मामले में तृणमूल नेता परितोष दत्त को बर्धमान से गिरफ्तार किया गया। एक अन्य मामले में बीरभूम से पंचायत अधिकारी और तृणमूल नेता राजीव बनर्जी को सरकारी राशन के चावल की अवैध बिक्री के आरोप में गिरफ्तार किया गया। दूसरी ओर बिधाननगर की मेयर कृष्णा चक्रवर्ती ने गुरुवार को अपने पद से इस्तीफा दे दिया। मेसी के भारत दौरे के आयोजक शतद्रु दत्ता की शिकायत के आधार पर

अरूप को समन जारी किया गया था। कोलकाता के साल्टलेक स्टेडियम में पिछले साल दिसंबर में मेसी के कार्यक्रम के दौरान ग्राउंड पर तत्कालीन खेल मंत्री, नेता और उनके करीबी लोगों ने उन्हें इस कदर घेर रखा था कि महंगे टिकट खरीदकर पहुंचे लोग दर्शक दीर्घा से अपने पसंदीदा फुटबालर को देख नहीं पाए। सुरक्षा कारणों से मेसी को तय समय से पहले ही स्टेडियम से ले जाया गया, जिसके बाद दर्शकों ने गुस्से में आकर स्टेडियम में तोड़फोड़ की थी। बंगाल विधानसभा में कथित जाली हस्ताक्षर मामले की जांच तेज हो गई है। इस सिलसिले में गुरुवार को सीआइडी की एक टीम कोलकाता के मेयर व विधायक फिरहाद हकीम के चेतला स्थित आवास पहुंची। जानकारी के अनुसार, जांचकर्ताओं ने इस मामले में उनसे हस्ताक्षर को लेकर पूछताछ की।दूसरी ओर, सीआइडी ने अदालत के आदेश पर तृणमूल के तीन विधायकों के हस्तलेखन के नमूने भी एकत्र किए हैं। इनमें बहारुल इस्लाम, अरूप राय और शुभाशीष दास शामिल हैं। सीआइडी अब इन नमूनों का मिलान विधानसभा में विवादित हस्ताक्षरों से करेगी। बता दें कि विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष के रूप में शोभनदेव चट्टोपाध्याय के नाम के समर्थन में तृणमूल विधायक दल की ओर से जो पत्र सौंपा गया था, उसमें कई विधायकों के हस्ताक्षरों में कथित विसंगतियों का आरोप सामने आया था। राज्य सरकार ने इस मामले की जांच सीआइडी को सौंपी है। मामले को तूल तब मिला, जब तृणमूल विधायक ऋतब्रत बनर्जी और संदीपन साहा ने हस्ताक्षरों को लेकर विधानसभा अध्यक्ष के समक्ष शिकायत दर्ज कराई। शिकायत के आधार पर विधानसभा की ओर से कार्रवाई शुरू हुई। बाद में दोनों विधायकों को तृणमूल ने पार्टी से निष्कासित कर दिया।

नया गुरुग्राम में 7 घंटे तक जमकर गरजा बुलडोजर, 26-27 लेन से हटाए गए अवैध कब्जे; लोगों को मिलेगी राहत

नया गुरुग्राम, एजेंसी। नया गुरुग्राम में डीएलएफ फेज-3 के यू ब्लाक में लंबे समय से सार्वजनिक सड़कों और गलियों पर बढ़ रहे अतिक्रमण को लेकर टाउन एंड कंट्री प्लानिंग विभाग ने बृहस्पतिवार को बड़े स्तर पर अभियान चलाया। करीब साढ़े सात घंटे तक चली कार्रवाई में विभाग की चार टीमों ने यू ब्लाक की 26 से 27 लेन को कवर करते हुए सैकड़ों अवैध निर्माण और अतिक्रमण हटाए। दोपहर करीब 12 बजे शुरू हुआ अभियान शाम 7:30 बजे तक जारी रहा। कार्रवाई का नेतृत्व डीटीपीई अमित माधोलिया ने किया। अभियान के दौरान लगभग 800 से 900 मकानों के बाहर सार्वजनिक भूमि और सड़कों पर किए गए कब्जों को चिन्हित कर हटाया गया। विभागीय अधिकारियों के अनुसार, यू ब्लाक से पिछले कई महीनों से लगातार शिकायतें प्राप्त हो रही थीं। स्थानीय लोगों का कहना था कि घरों के

आगे बनाए गए रैंप, सीढ़ियां, एक्सटेंशन, ढाबा एवं फूड काउंटर, कियोस्क और अन्य अस्थायी ढांचों के कारण गलियां संकरी होती जा रही थीं।

इससे न केवल यातायात प्रभावित हो रहा था बल्कि आपातकालीन परिस्थितियों में वाहनों की आवाजाही भी मुश्किल हो रही थी। हाल ही में पुलिस प्रशासन ने भी क्षेत्र में ट्रैफिक बाधित होने और सार्वजनिक रास्तों पर अतिक्रमण बढ़ने संबंधी जानकारी टाउन प्लानिंग विभाग को दी थी। अभियान के दौरान अवैध रैंप, सीढ़ियां, ग्रिल, एक्सटेंशन, ढाबा एवं फूड काउंटर, रहड़ियां, कियोस्क, पान-बीड़ी के खोखे, लोहे के पोल, अवैध साइन बोर्ड और घरों के बाहर बनाए गए बैठने के प्लेटफॉर्म हटाए गए।

ग्रेटर नोएडा की सोसायटियों में अब अनिवार्य होंगे सोलर प्लांट, पीएम सूर्यघर योजना से मिलेगी सब्सिडी

ग्रेटर नोएडा, एजेंसी। अब हाइराइज सोसायटियों में भी बिजली का खर्च सूरज उठाएगा। शासन ने पांच हजार वर्गमीटर से बड़े सभी भवनों में सोलर प्लांट लगाना जरूरी कर दिया है। नए नियम के बाद सेक्टर व सोसायटियों में आरडब्ल्यूए व एओए के साथ ऊंची इमारतों, दफ्तरों और माल की छतों पर सोलर पैनल लगेंगे। यूपी नेडा के अधिकारी लवेश कुमार सिसौदिया ने बताया कि पीएम सूर्यघर योजना के तहत सरकार अब सेक्टर व सोसायटियों में भी सब्सिडी देगा। 500 किलोवाट तक के प्लांट पर 18 हजार रुपये प्रति किलोवाट के हिसाब से पैसा मिलेगा। पांच हजार वर्ग मीटर भूखंड में बनी सोसायटी में 500 किलोवाट सोलर प्लांट लगवाने पर 90 लाख रुपये की सब्सिडी दी जाएगी।

सोलर से उत्पन्न बिजली का उपयोग सोसायटियों के सार्वजनिक स्थानों के लिए किया जाएगा। इससे सोसायटी की स्ट्रीट लाइट, पानी के पंप, आफिस, ईवी चार्जिंग स्टेशन आदि शामिल होंगे। इससे निवासियों का न केवल बिजली का बिल घटेगा बल्कि मेंटेनेंस शुल्क में भी राहत मिलेगी। 500 किलोवाट का प्लांट रोज 2000 यूनिट बिजली का उत्पादन करेगा। साल में करीब 60 लाख रुपये की बचत होने का अनुमान है।

बता दें कि दैनिक जागरण ने 11 मई के संस्करण में सोलर पैनल लगाने को हाइराइज सोसायटी निवासियों की राह में रोड़ा बना पीएम सूर्य घर योजना का नियम खबर प्रकाशन कर हाइराइज सोसायटियों के लिए अलग पालिसी बनाए जाने का विचार सुझाया था। जिसमें एओए या आरडब्ल्यूए के जरिए पूरी सोसायटी के लिए कामन सोलर प्लांट लगाने की मंजूरी व बिजली का उपयोग सार्वजनिक क्षेत्र में लाइन व्यवस्था, लिफ्ट संचालन या पंप आदि के इस्तेमाल के लिए करने का सुझाव दिया गया था।

खबर का संज्ञान लेते हुए शासन ने मंजूरी दे दी है। अब नए नक्शे पास कराने के लिए सोलर प्लान जरूरी होगा। पुरानी सोसाइटियों को दो साल का समय मिला है। यूपी नेडा सेक्टर व सोसायटियों में जागरूकता शिविर लगाकर इसकी जानकारी भी देगा। बैंक लोन और तकनीकी मदद के लिए हेल्पडेस्क भी बनेगी। सोसायटी के लोगों ने नए नियम को स्वागत योग्य बताया है। प्रधानमंत्री सूर्य घर निश्शुल्क बिजली योजना हाइराइज सोसायटी में रहने वाले लोगों की राह में रोड़ा बनी हुई थी।

अरुणाचल प्रदेश: ईटानगर में अवैध बस्तियों के खिलाफ सरकार का एक्शन, 15 मस्जिदें सील

ईटानगर, एजेंसी। अरुणाचल प्रदेश सरकार ने ईटानगर राजधानी क्षेत्र में बिना अनुमति के बने मस्जिदों के खिलाफ कार्रवाई शुरू कर दी है। स्थानीय आदिवासी समूहों द्वारा अवैध बस्तियों और आबादी के संतुलन में बदलाव पर चिंता जताए जाने के बाद, प्रशासन ने पहचान की गई सभी 15 मस्जिदों को सील कर दिया है।यह कदम अरुणाचल प्रदेश इंडिजिनस यूथ ऑर्गनाइजेशन के बढ़ते दबाव के बाद उठाया गया है। यह संगठन अवैध कब्जों और बिना अनुमति के बने धार्मिक ढांचों के खिलाफ अभियान चला रहा है। इस संगठन ने पहले राजधानी क्षेत्र में 24 घंटे का बंद भी आयोजित किया था, और चेतावनी दी है कि यदि उनकी मांगें पूरी नहीं हुईं तो वे आगे भी विरोध प्रदर्शन करेंगे।

गुरुवार को मीडिया को संबोधित करते हुए राज्य सरकार के प्रवक्ता और शिक्षा मंत्री पी.डी. सोना ने बताया कि यह मुद्दा पहली बार इस साल जनवरी में मुख्यमंत्री पेमा खांडू और प्रतिनिधियों के बीच हुई बैठक के दौरान सरकार के संज्ञान में आया था। इस बैठक के बाद, सरकार ने जिला अधिकारियों को उन ढांचों की पहचान करने का निर्देश दिया जो कथित तौर पर आवश्यक अनुमति के बिना बनाए गए थे। एक आधिकारिक सर्वेक्षण के बाद राजधानी परिसर क्षेत्र के भीतर 15 अनधिकृत मस्जिद ढांचों की पहचान की गई थी। कानूनी प्रक्रिया के तहत सील किए गए ढांचे पीडी सोना के अनुसार, जिला अधिकारियों ने चिन्हित ढांचों में से 12 को सील या खाली कराने से पहले सभी आवश्यक कानूनी प्रक्रियाएं पूरी की थीं। वहीं, शेष तीन मामलों की समीक्षा 1

जून को मुख्यमंत्री और नेताओं के बीच हुई एक और बैठक के दौरान की गई, जिसके बाद उन तीन स्थलों पर भी कार्रवाई पूरी की गई। सरकारी प्रवक्ता ने कहा कि जिन चिंताओं के कारण बंद का प्रस्ताव रखा गया था, उन्हें कानूनी और प्रशासनिक उपायों के माध्यम से पहले ही सुलझा लिया गया है। उन्होंने उम्मीद जताई कि संगठन जनता की सुविधा को ध्यान में रखते हुए किसी भी आगामी बंद के आह्वान पर पुनर्विचार करेगा। इस मामले ने अरुणाचल प्रदेश में अवैध अप्रवासन, जनसांख्यिकीय बदलाव और स्वदेशी आदिवासी समुदायों के संरक्षण को लेकर एक व्यापक बहस को जन्म दे दिया है। राज्य के अधिकारियों ने भी स्वीकार किया है कि अंतर-राज्यीय और अंतरराष्ट्रीय सीमाओं का असुरक्षित होना एक बड़ी चुनौती बना हुआ है, जिसके लिए निरंतर और कड़ी निगरानी की आवश्यकता है। यह विवाद मई में मुख्यमंत्री पेमा खांडू द्वारा बुलाई गई एक उच्च स्तरीय परामर्श बैठक के बाद और गहराया है। उस बैठक में छात्र संगठनों, आदिवासी निकायों, नागरिक समाज समूहों, कानूनी विशेषज्ञों और राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों ने स्वदेशी अधिकारों, जनसांख्यिकीय चिंताओं और इनर लाइन परमिट प्रणाली के नियमन से जुड़े मुद्दों पर विस्तार से चर्चा की थी। बैठक के दौरान, मुख्यमंत्री ने अवैध अप्रवासन और जनसांख्यिकीय परिवर्तनों की चिंताओं को दूर करते हुए स्वदेशी समुदायों के हितों की रक्षा के लिए सरकार की प्रतिबद्धता दोहराई थी। ऐसी चुनौतियां केवल अरुणाचल प्रदेश तक सीमित नहीं हैं, बल्कि यह सीमा प्रबंधन, सांस्कृतिक संरक्षण और आंतरिक सुरक्षा से जुड़ी व्यापक राष्ट्रीय चिंताओं को दर्शाती हैं। राज्य सरकार ने हितधारकों द्वारा उठाई गई कई प्रमुख मांगों को सैद्धांतिक रूप से स्वीकार कर लिया है।

संक्षिप्त समाचार

मावा एवं पनीर के सैंपल सहित कुल 6 नमूने जप्त किये

शाजापुर (निप्र)। आमजन को गुणवत्ता पूर्ण सामग्री की उपलब्धता सुनिश्चित करने के लिए कलेक्टर सुश्री ऋजु बाफना के निर्देश पर जारी अभियान के तहत स्थानीय शिकायतकर्ताओं की सूचना एवं जानकारी पर अनुविभागीय अधिकारी शुजालपुर श्री राजकुमार हलदर के मार्गदर्शन में संयुक्त दल द्वारा गत दिवस शुजालपुर में औचक निरीक्षण एवं छापामार कार्यवाही करते हुए अग्रवाल मिल्क एवं मिल्क प्रोडक्ट से मावा एवं पनीर तथा फैमिली होटल से समोसा बारीक सेव, नमक शक्कर की चासनी के सैंपल सहित कुल 6 नमूने संग्रहित किए गए। जिन्हें जांच के लिए खाद्य विश्लेषक राज्य खाद्य परीक्षण प्रयोगशाला भोपाल भेजा दिया है। जांच रिपोर्ट अनुसार कार्यवाही प्रस्तावित की जाएगी। इस दौरान गुणवत्तापूर्ण एवं मानक स्तर की ही सामग्री के भंडारण विक्रय के निर्देश दिए। पैक खाद्य सामग्री पर लेबलिंग डिटेल, पैकिंग/ निर्माण, आवासन तिथि की जांच करके ही क्रय विक्रय करने तथा सेवन के सुझाव ग्राहकों दिए। फर्स्ट इन फर्स्ट आउट नियम का पालन सुनिश्चित करने अवधि व्यतीत सामग्री तत्काल हटाने/नष्ट करने की व्यवस्था करने तथा वैध खाद्य लाइसेंस/पंजीयन के साथ फूड सेफ्टी डिस्प्ले बोर्ड भी दुकान पर चस्पा करने की हिदायत दी गई। बेस्ट बीफोर अवधि व्यतीत को प्रदर्शन में रखे नॉट फॉर सेल स्टोर ओनली फॉर रिप्लेसमेंट। कार्यवाही में अनुविभागीय अधिकारी शुजालपुर राजकुमार हलदर के मार्गदर्शन में खाद्य सुरक्षा अधिकारी श्री एमके वर्मा और श्री केएल कुम्भकार, कस्बा पटवारी रिक्की छाबड़ा एवं पुलिस बल शामिल था।

औद्योगिक इकाईयों और प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड द्वारा वृक्षारोपण किया गया

उज्जैन (निप्र)। क्षेत्रीय कार्यालय, मध्य प्रदेश प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड, उज्जैन के तत्वावधान में निम्न औद्योगिक इकाइयों के साथ संयुक्त रूप से 04 जून 2026 को विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर पर्यावरण संरक्षण एवं हरित आवरण संवर्धन के उद्देश्य से वृक्षारोपण कार्यक्रम आयोजित किया गया।कार्यक्रम के अंतर्गत उद्योगपुरी, उज्जैन स्थित श्रीनिवास फार्माकेम में 20 पौधों, श्री मेडिकल डिवाइस में 50 पौधों एवम मक्सी रोड स्थित श्रीजी पॉलिमर इंडिया लिमिटेड में 50 पौधों का रोपण किया गया। इस प्रकार कुल 120 पौधों का रोपण किया गया। वृक्षा रोपण के दौरान जियो टैग युक्त फोटोग्राफ भी लिए गए साथ ही उक्त औद्योगिक इकाइयों द्वारा वर्षा ऋतु के दौरान अतिरिक्त 500 पौधों का वृक्षारोपण किया जाना सुनिश्चित किया गया।कार्यक्रम में मध्य प्रदेश प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के क्षेत्रीय अधिकारी श्री दीपक काले एवं उपरोक्त औद्योगिक इकाइयों के प्रबंध निदेशक श्री आनंद बांगर भी उपस्थित रहे एवं क्षेत्रीय कार्यालय से मुख्य रसायनज्ञ श्री आर.आर. भवर, वैज्ञानिक श्री एच.एस. शर्मा, जिला उद्योग केंद्र से श्रीमती श्रद्धा गोखले (प्रबंधक) एवं श्री कपिल (प्रबंधक) उपस्थित रहे। राष्ट्रीय स्वच्छ वायु कार्यक्रम की कंसल्टेंट सुश्री वर्षा जोशी तथा मध्य प्रदेश प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के अन्य अधिकारीगण एवं संबंधित औद्योगिक इकाइयों के प्रतिनिधि भी कार्यक्रम में उपस्थित रहे।

मिलावट से मुक्ति मुहिम के तहत शाजापुर के 2 प्रतिष्ठान से 5 सैंपल जप्त किये

शाजापुर (निप्र)। कलेक्टर सुश्री ऋजु बाफना के निर्देश पर जारी मिलावट से मुक्ति मुहिम के तहत स्थानीय शिकायतकर्ताओं की सूचना एवं जानकारी पर अनुविभागीय अधिकारी शाजापुर सुश्री मनीषा वास्कले के मार्गदर्शन एवं नेतृत्व में संयुक्त दल द्वारा आज शाजापुर में 04 जून को औचक निरीक्षण एवं छापामार कार्यवाही करते हुए कोठारी एवरफ्रेश से बेस्ट बीफोर अवधि व्यतीत नमकीन आकाश मस्ताना मिक्स स्पाइसी तथा शकील वारिस दायरा मोहल्ला से सोडियम बेंजोएट, ओरेंज रंग, शक्कर तथा पेप्सी के सैंपल सहित कुल 5 नमूने संग्रहित किए गए। जिन्हें जांच के लिए खाद्य विश्लेषक राज्य खाद्य परीक्षण प्रयोगशाला भोपाल भेजा दिया है। जांच रिपोर्ट अनुसार कार्यवाही प्रस्तावित की जाएगी। इस दौरान कारोबार के प्रकार, फूड कैटेगरी, प्राधिकृत परिसर एवं पत्र व्यवहार के पते में दस्तावेजों के अनुसार खाद्य लाइसेंस पंजीयन में सुधार करवाने और गुणवत्तापूर्ण एवं मानक स्तर की ही सामग्री के भंडारण विक्रय के निर्देश दिए। कोठारी एवर फ्रेश से लाजवाब मिक्स, मूंगदाल, मेयोनेज़ शेजवान को चटनी के 2-3 पैकेट अवधि व्यतीत हो जाने से जप्त कर नष्ट करवाये जिनका बाजार मूल्य 700 रुपए है। पैक खाद्य सामग्री पर लेबलिंग डिटेल, पैकिंग / निर्माण, आवासन तिथि की जांच करके ही क्रय विक्रय करने तथा सेवन के सुझाव ग्राहकों दिए। फर्स्ट इन फर्स्ट आउट नियम का पालन सुनिश्चित करने अवधि व्यतीत सामग्री तत्काल हटाने / नष्ट करने की व्यवस्था करने तथा वैध खाद्य लाइसेंस / पंजीयन के साथ फूड सेफ्टी डिस्प्ले बोर्ड भी दुकान पर चस्पा करने की हिदायत दी गई।

समान नागरिक संहिता के अध्ययन एवं परीक्षण के लिए गठित उच्च स्तरीय समिति की बैठक आयोजित हुई

बैठक में विभिन्न सामाजिक, विधिक एवं प्रशासनिक पहलुओं पर चर्चा की गई

धार (निप्र)। समान नागरिक संहिता के अध्ययन एवं परीक्षण के लिए गठित उच्च स्तरीय समिति की बैठक धार के पीजी कॉलेज के ऑडिटोरियम हॉल में आयोजित की गई। बैठक में समिति के सदस्य डॉ गोपाल शर्मा द्वारा विभिन्न सामाजिक, विधिक एवं प्रशासनिक पहलुओं पर विस्तार से चर्चा की गई।

उन्होंने समान नागरिक संहिता के संभावित स्वरूप, विभिन्न राज्यों के अनुभव, सामाजिक समरसता तथा नागरिक अधिकारों से जुड़े विषयों पर अपने विचार रखे। बैठक में जनप्रतिनिधिगणों, सामाजिक संगठनों के प्रतिनिधि, शांति समिति के सदस्यगणों, पत्रकारगणों एवं प्रबुद्ध नागरिकों से सुझाव भी प्राप्त किए गये। समिति सदस्य डॉ गोपाल शर्मा ने पारिवारिक कानूनों, महिलाओं के अधिकार, सामाजिक न्याय एवं संवैधानिक प्रावधानों के संबंध में सुझावों पर चर्चा की। उन्होंने आगामी चरणों में नागरिकों से संवाद एवं सुझाव प्राप्त करने के लिए ucc.mp.gov.in पोर्टल की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि समान नागरिक संहिता के संबंध में सुझाव ucc.mp.gov.in पोर्टल पर भेज सकते है। संविधान में समानता के लिए यूसीसी लाने का प्रस्ताव है। इसी के लिए आज विचार विमर्श हो रहा है। कुछ प्रदेशो में पूर्व में यूसीसी लागू हो गया है। प्रदेश सरकार चाहती है कि यूसीसी लागू करने से पूर्व नागरिकों के सुझाव लिये जाये। यूसीसी का केन्द्र बिन्दु परिवार है। डॉ गोपाल शर्मा ने कहा कि पारिवारिक संबंधो से ताल्लुकात रखने वाले जो कानून है, वो समान नागरिक संहिता के परिधि में आते है।

मिसाल के तौर पर विवाह, विवाह विच्छेद, भरण पोषण, उत्तराधिकार, लिविंग है। हम सभी जानते है कि परंपरागत रूप से हमारे देश में विभिन्न प्रकार के धर्म समुदायों के लिए विभिन्न प्रकार के पारिवारिक लॉ लागू है। आजादी के बाद इनमें से कुछ कानूनों को सुधार करने की कोशिश की गई, लेकिन अभी भी बहुत से विषय ऐसे है जिनको सुधार नहीं किया गया है, जो परंपरागत रीति रिवाजों से चलते है।समिति सदस्य श्रीमती शोभा पैठणकर ने यूसीसी के संबंध में जानकारी देते हुए कहा कि कोई भी कार्य सरकार अकेले नहीं कर सकती। उन्होंने कहा कि अनेकता में एकता हमारी पहचान है, सभी को मिलकर कार्य करना होगा। समिति सभी जिलों में जाकर सुझाव ले रही हैं। सुझावों के आधार पर ड्राफ्ट तैयार होगा। बैठक में कलेक्टर श्री राजीव रंजन मीना, पुलिस अधीक्षक श्री सचिन शर्मा, मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत श्री अभिषेक चौधरी, प्रशासनिक अधिकारीगण, सामाजिक संगठनों के प्रतिनिधि, शांति समिति के सदस्यगण, पत्रकारगण, प्रबुद्ध नागरिक उपस्थित रहे।

ब्रिक्स सम्मेलन की तैयारियों का कृषि सचिव वरवड़े ने लिया जायजा

इन्दौर (निप्र)। इंदौर में 9 जून से प्रारंभ होने वाले अंतरराष्ट्रीय महत्व के ब्रिक्स सम्मेलन की तैयारियां अंतिम चरण में पहुंच गई हैं। सम्मेलन के सफल आयोजन को लेकर विभिन्न स्तरों पर व्यापक तैयारियां की जा रही हैं। इसी क्रम में मध्यप्रदेश शासन के कृषि विभाग के सचिव श्री निशांत वरवड़े गुरुवार को इंदौर पहुंचे और आयोजन से जुड़े विभिन्न स्थलों का निरीक्षण कर व्यवस्थाओं की समीक्षा की।

निरीक्षण के दौरान श्री वरवड़े ने सम्मेलन से संबंधित तैयारियों का अवलोकन करते हुए अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। उन्होंने आयोजन स्थलों पर अतिथियों के स्वागत, आवास, परिवहन, सुरक्षा एवं अन्य व्यवस्थाओं की जानकारी ली तथा सभी व्यवस्थाएं समय पर और उच्च गुणवत्ता के साथ सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। इस अवसर पर एमडी मंडी श्री कुमार पुरुषोत्तम, एमडी पर्यटन श्री दिलीप यादव, संभागायुक्त डॉ. सुदाम खाड़े, कलेक्टर श्री शिवम वर्मा, नगर निगम आयुक्त श्री क्षितिज सिंघल, जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्री सिद्धार्थ जैन, स्मार्ट सिटी के सीईओ श्री अर्थ जैन, कृषि विभाग के उप सचिव श्री रोहित सिसोनिया, संयुक्त संचालक कृषि श्री आलोक मीणा, उप संचालक कृषि श्री सी.एल. केवड़ा सहित अन्य वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे। श्री निशांत वरवड़े ने होटल शेरेटन, मैरियट होटल तथा ग्रामीण हाट बाजार सहित अन्य महत्वपूर्ण स्थलों का निरीक्षण कर वहां की व्यवस्थाओं का जायजा लिया। उन्होंने अधिकारियों से सम्मेलन के दौरान आने वाले राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय प्रतिनिधियों को बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराने के लिए सभी तैयारियां समयबद्ध ढंग से पूर्ण करने को कहा। उल्लेखनीय है कि ब्रिक्स सम्मेलन के आयोजन से इंदौर को वैश्विक स्तर पर अपनी कृषि, नवाचार एवं विकास उपलब्धियों को प्रदर्शित करने का महत्वपूर्ण अवसर प्राप्त होगा। सम्मेलन में विभिन्न देशों के प्रतिनिधि भाग लेंगे, जिससे कृषि एवं ग्रामीण विकास के क्षेत्र में ज्ञान और अनुभवों का आदान-प्रदान भी होगा।

विश्व साइकिल दिवस पर साइकिल रैली संपन्न

खण्डवा (निप्र)। 'मेरा युवा भारत' खंडवा द्वारा विश्व साइकिल दिवस के अवसर पर साइकिल रैली आयोजित की गई। जिला युवा अधिकारी सुश्री पल्लवी दुबे ने बताया कि उनकी टीम के नेतृत्व में 'साइकिल की ओर बढ़ेगा खंडवा, स्वास्थ्य और पर्यावरण से जुड़ेगा खंडवा' की थीम पर खंडवा साइकिल क्लब के संचालक श्री आलोक सेठी एवं उनकी टीम के से सहयोग यह आयोजन किया। साइकिल रैली का शुभारंभ श्री गुरु गोबिंद सिंह स्टेडियम से हुआ। इस अवसर पर श्री आलोक सेठी, श्रीमती हेमलता पालीवाल एवं जिला खेल अधिकारी श्री रूप सिंह कलेश सहित अन्य गणमान्य नागरिक भी मौजूद थे।

विश्व पर्यावरण दिवस पर नर्मदांचल पत्रकार संघ ने किया पौधारोपण, दिया संदेश

धरती रहे हरी भरी तो चलेंगी हमारी सांसें

नर्मदापुरम /बढ़ते तापमान की तपिश सूखते जलस्त्रोत और बेपटरी होते मौसम के मिजाज के बीच दुनिया भर में 'विश्व पर्यावरण दिवस' मनाया गया । धरती को एक बार फिर हरा-भरा बनाने और प्रकृति के साथ तालमेल बिठाने के महासंकल्प के साथ नर्मदा पुरम में नर्मदांचल पत्रकार संघ ने पौधारोपण किया। संघ के अध्यक्ष प्रफुल्ल तिवारी के मार्गदर्शन में सदर बाजार के देवा माई रामजी बाबा समाधि और टेलीफोन एक्सचेंज के सामने पार्क में पौधारोपण कार्यक्रम हुआ। इस दौरान पौधे लगाकर उन्हें सींचा गया। इसके साथ ही संघ के अध्यक्ष श्री तिवारी ने कहा कि धरती हरी भरी रहेगी तो हमारी सांसे चलती रहेंगी। उन्होंने पौधे लगाकर उनकी रक्षा करने और देखभाल करने का भी आव्हान किया । उन्होंने कहा कि हर एक व्यक्ति को पौधा लगाना चाहिए और उसकी देखभाल का संकल्प लेना चाहिए। इस मौके पर दयाराम फौजदार , प्रदीप गुप्ता, मनोज सोनी, इंद्र कुमार सोनी, पुरुषोत्तम मालवीय, अभिषेक मालवीय ,रुद्र प्रताप सिंह, मनोज ठाकुर, मनोज चौरे, मनोज सोलंकी, राजेश रैकवार, हेमंत राजपूत, गोलू अवस्थी के अलावा अन्य पत्रकार भी मौजूद थे। इसके साथ ही नगर पालिका उपाध्यक्ष अभय वर्मा , भारतीय जनता पार्टी के उपाध्यक्ष लोकेश तिवारी, सपाक्स के अध्यक्ष केएन त्रिपाठी, डॉ मयंक तोमर , दिनेश शर्मा सहित अनेक लोग मौजूद थे। सभी ने पर्यावरण दिवस पर पौधे लगाने का संकल्प लिया और पर्यावरण सुरक्षा का की बात कही।

बढ़ती महंगाई के खिलाफ भगवा पार्टी का जनआक्रोश प्रदर्शन, पुतला दहन कर जताया विरोध

भोपाल। लगातार बढ़ती महंगाई, रसोई गैस, पेट्रोल-डीजल एवं खाद्य सामग्री के दामों में हो रही वृद्धि के विरोध में भारतीय गण वार्ता पार्टी (भगवा पार्टी) महिला मोर्चा द्वारा शुक्रवार को प्लेटिनम प्लाजा स्थित अटल पथ के समीप जनआक्रोश प्रदर्शन किया गया। इस दौरान महंगाई का प्रतीकात्मक पुतला दहन कर सरकार के खिलाफ विरोध दर्ज कराया गया।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए प्रदेश संगठन मंत्री सविता चौहान ने कहा कि बढ़ती महंगाई ने गरीब, मध्यमवर्गीय एवं श्रमिक परिवारों का जीवन कठिन बना दिया है। रसोई गैस, खाद्य सामग्री और दैनिक उपयोग की वस्तुओं के बढ़ते दामों से घरेलू बजट पूरी तरह प्रभावित हुआ है। उन्होंने सरकार से महंगाई पर नियंत्रण के लिए प्रभावी कदम उठाने की मांग की।

विधि प्रकोष्ठ अध्यक्ष भारती शास्त्री ने कहा कि महंगाई, बेरोजगारी और भ्रष्टाचार जैसी समस्याओं से आम जनता त्रस्त है। पेट्रोल-डीजल, रसोई गैस तथा आवश्यक वस्तुओं की कीमतों में लगातार वृद्धि से लोगों की आर्थिक स्थिति प्रभावित हो रही है। उन्होंने आरोप लगाया कि सरकार जनसरोकारों के मुद्दों पर गंभीरता नहीं दिखा रही है।

कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रही प्रदेश अध्यक्ष मंजू गुप्ता ने कहा कि भगवा पार्टी जनहित के मुद्दों को लेकर लगातार संघर्ष करती रहेगी और महंगाई के खिलाफ जनता की आवाज को मजबूती से उठाएगी। उन्होंने चेतावनी दी कि यदि महंगाई पर प्रभावी नियंत्रण नहीं किया गया तो भविष्य में व्यापक जनआंदोलन किया जाएगा।

प्रदर्शन में महिला मोर्चा की मनमीत कौर, रूपाली जैन, रेखा राय (जिला अध्यक्ष, भोपाल) सहित पार्टी के राष्ट्रीय, प्रदेश एवं जिला स्तर के पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता बड़ी संख्या में उपस्थित रहे।

स्वास्थ्य शिविर में 'क्लब फुट' से पीड़ित बच्चों का उपचार किया गया

खण्डवा (निप्र)। विश्व क्लब फुट दिवस पर मेडिकल कॉलेज सह जिला चिकित्सालय खण्डवा में राष्ट्रीय बाल स्वास्थ्य कार्यक्रम के अंतर्गत अनुष्का फाउंडेशन द्वारा एक दिवसीय विशेष स्वास्थ्य शिविर लगाकर 'क्लब फुट' से ग्रसित बच्चों का उपचार किया गया। मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. ओ. पी. जुगतावत ने बताया कि इस स्वास्थ्य शिविर में 2 बच्चों का प्लास्टर उपचार किया गया तथा 4 अन्य बच्चों को विशेष प्रकार के जूते प्रदान किए गए। कार्यक्रम में हड्डी रोग विशेषज्ञ डॉ. अर्जुन सस्तिया, जिला समन्वयक आरबीएसके श्री महेश पंवार, कास्टिंग टेक्निशियन मनोज वर्मा, राम ठाकुर, चेतन वर्मा एवं अनुष्का फाउंडेशन से मनोज यादव उपस्थित थे। डॉ. सस्तिया ने बताया 'क्लब फुट' एक जन्मजात विकृति है जिसमें नवजात के एक या दोनों पैर अंदर व नीचे की ओर मुड़े होते हैं।

समय पर उपचार न होने पर चलने-फिरने में कठिनाई हो सकती है। इसका उपचार पोंसेटी विधि से जन्म के तुरंत बाद शुरू करना सबसे प्रभावी है। इसमें क्रमिक प्लास्टर, आवश्यकता पर छोटी शल्य प्रक्रिया टेनोटॉमी एवं बाद में विशेष जूते 'ब्रेसेस' पहनाए जाते हैं।

रोजगार मेले में 265 आवेदकों का चयन हुआ

खण्डवा (निप्र)। शासकीय आई टी आई खण्डवा में गुरुवार को 'युवा संगम' रोजगार एवं स्वरोजगार मेले का आयोजन किया गया। जिला रोजगार अधिकारी लक्ष्मण सिंह सिलोटे ने बताया कि इस मेले में 6 कम्पनियों ने भाग लिया और कुल 265 आवेदकों का चयन कर उनको ऑफर लेटर प्रदान किए। उल्लेखनीय है कि इस मेले के लिए कुल 345 आवेदकों ने अपना पंजीयन कराया था। उन्होंने बताया कि रोजगार मेले में 40 आवेदकों का अप्रेंटिसशिप के लिए भी चयन किया गया। इसके साथ ही स्वास्थ्य विभाग द्वारा 22 युवक युवतियों का स्वास्थ्य परीक्षण भी किया गया।

विश्व पर्यावरण दिवस पर रिवर व्यू कल्चरल फाउंडेशन सोसाइटी के सदस्यों ने लगाए फल और छायादार पौधे

सभी ने कहा पर्यावरण की रक्षा, सुरक्षा और देखभाल हमारा कर्तव्य

नर्मदापुरम। विश्व पर्यावरण दिवस शहर में अनेक स्थानों पर पौधारोपण कार्यक्रम आयोजित किए गए। पर्यावरण की रक्षा सुरक्षा को लेकर हर जगह लोगों ने पौधे लगाए और पर्यावरण का संदेश दिया। इसी के चलते मालाखेड़ी स्थित रिवर रिव्यू कल्चरल फाऊंडेशन सोसाइटी द्वारा कॉलोनी के अंदर विभिन्न प्रकार के फलदार और छायादार पौधों का रोपण किया गया। इस मौके पर कॉलोनी के वरिष्ठ जन एवं मातृ शक्तियों द्वारा भारी संख्या में पौधे लगाए गए। कॉलोनीवासियों में एक स्वर में कहा कि पर्यावरण की रक्षा सुरक्षा के लिए पौधे बहुत आवश्यक हैं। वृक्ष हमारे पर्यावरण को शुद्ध रखते हैं। इस मौके पर अध्यक्ष प्रीती खरे, पूर्णिमा त्रिपाठी, छाया रबूदा, स्तुति रबूदा रमा रघुवंशी, प्रेम ठाकुर, कृष्णा रघुवंशी, अनुज मालवीय प्रिया श्रीवास्तव,सुनील गुर्जर, राकेश मालवीय लक्ष्मी नारायण परोनिया , अशोक पाठक , मधुसूदन यादव, सेवाराम मालवीय , कृष्ण कुरपा, राकेश मालवीय, सुधीर लुटारे, अंकुर बिलोर , सुनील गुजरवार, शंकर लाल रघुवंशी , सुरेश उइके, शिव शंकर पगारे , संतोष शर्मा , के एन त्रिपाठी , लोकेश साहू, सरिता लुटारे ,अनुज मालवीय , उज्जवला, राधे श्याम, अरमा, पुष्पा पाठक सहित अनेक विशिष्ट जन शामिल हुए।

सभी ने एक स्वर में कहा पर्यावरण की रक्षा के लिए पौधे लगाए और देखभाल का लें संकल्प -विश्व पर्यावरण दिवस पर हुए इस पौधरोपण कार्यक्रम में सुनील गुर्जर ने कहा कि पर्यावरण की रक्षा के लिए हमें पौधे लगाना चाहिए और उनकी देखभाल भी करना चाहिए। श्रीमती सरिता लुटारे ने कहा कि पेड़ हमारे लिए बहुत आवश्यक है। इसे हमें ऑक्सीजन तो मिलती है साथ में छाया और फल भी यह हमें देते हैं। इसके साथ ही पर्यावरण शुद्ध रहता है। वहीं पुष्पा पाठक ने कहा कि पर्यावरण को शुद्ध रखने के लिए हमें पौधे लगाना चाहिए । हर व्यक्ति को एक पौधा अवश्य लगाना चाहिए। वहीं शिव शंकर पगारे ने कहा कि शहर में सभी को पौधे लगाना चाहिए। इससे हमारा शहर हरा-भरा तो होगा ही साथ में पर्यावरण भी शुद्ध रहेगा। उन्होंने कहा कि हमें इनकी रक्षा का भी संकल्प लेना चाहिए । लोगों को अपनी कॉलोनी , पार्क , मोहल्ले, नर्मदा नदी किनारे सहित आसपास भारी मात्रा में पौधे लगाने चाहिए जिससे हमारा वातावरण शुद्ध रहे और हमारी सांसे चलती रहे।

जिला स्तरीय मातृ एवं शिशु मृत्यु की समीक्षा बैठक सम्पन्न

उज्जैन (निप्र)। गुरुवार को जिला स्तरीय मातृ एवं शिशु मृत्यु की समीक्षा बैठक का आयोजन मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. अशोक कुमार पटेल की अध्यक्षता में कार्यालय मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी, जिला उज्जैन में किया गया। बैठक में जिला स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. जितेन्द्र राजपूत, जिला टीकाकरण अधिकारी डॉ. रवींद्र कुमार पाल, स्त्रीरोग विशेषज्ञ डॉ. रेणु दुबे, शिशुरोग विशेषज्ञ डॉ. अनिता भिलवार, समस्त खण्ड चिकित्सा अधिकारी, जिला कार्यक्रम प्रबंधक श्री मनीष भद्रावले, जिला कम्युनिटी मोबिलाईजर श्री अनस कुरैशी, सहायक कार्यकम प्रबंधक श्री दिलीप वसुनिया व बीपीएम, बीसीएम, इपाईगो से समन्वयक श्री इजराईल खान सहित विभिन्न अधिकारी, कर्मचारी उपस्थित हुए।

संपादकीय

बरकतुल्लाह यूनिवर्सिटी का नाम बदलना स्वतंत्रता आंदोलन का घोर अपमान

▶▶ शहीदों की चिताओं पर लगेंगे हर बरस मेले,वतन पर मरने वालों का यही बाकी निशां होगा

▶▶ प्रसिद्ध कवि जगदंबा प्रसाद मिश्र ने जब ये पंक्तियां लिखी होंगी तो उन्हें भारत के भविष्य में आने वाली राजनीतिक व्यवस्था का शायद एहसास नहीं होगा।

मारूफ अहमद खान /भोपाल की बरकतुल्लाह यूनिवर्सिटी का नाम बदलने की मांग समय-समय पर उठती रही है, लेकिन यह केवल किसी संस्थान का नाम बदलने का मामला नहीं है। यह उस स्वतंत्रता संग्राम की विरासत से जुड़ा प्रश्न है, जिसमें मौलाना बरकतुल्लाह भोपाली जैसे महान क्रांतिकारियों ने अपना जीवन समर्पित कर दिया था।

मौलाना बरकतुल्लाह भोपाली उन स्वतंत्रता सेनानियों में थे जिन्होंने अंग्रेजी हुकूमत के खिलाफ देश ही नहीं, बल्कि विदेशों में भी संघर्ष किया। वे गदर आंदोलन से जुड़े रहे, विदेशों में भारत की आजादी के लिए जनमत तैयार किया और ब्रिटिश साम्राज्य के खिलाफ लगातार आवाज उठाई। स्वतंत्र भारत में उनके सम्मान में विश्वविद्यालय का नाम रखा जाना केवल एक व्यक्ति का सम्मान नहीं, बल्कि पूरे स्वतंत्रता आंदोलन के प्रति आभार व्यक्त करने का प्रतीक था।

आज अगर उस विश्वविद्यालय का नाम बदला जाता है, तो यह सवाल उठना स्वाभाविक है कि आखिर एक स्वतंत्रता सेनानी की विरासत से समस्या क्या है? क्या देश की आजादी के लिए संघर्ष करने वाले लोगों का सम्मान अब राजनीतिक पसंद-नापसंद के आधार पर तय किया जाएगा?

यदि वाग्देवी, भोजपाल या किसी अन्य ऐतिहासिक-सांस्कृतिक नाम को सम्मान देना है, तो उसका स्वागत होना चाहिए। भोपाल जैसे बड़े शहर में नई यूनिवर्सिटी, शोध संस्थान, सांस्कृतिक केंद्र या अन्य शैक्षणिक संस्थान स्थापित कर उनका नाम रखा जा सकता है। लेकिन किसी स्वतंत्रता सेनानी के नाम पर स्थापित संस्था का नाम बदलकर किसी को सम्मान देने का औचित्य समझ से परे है।

इतिहास को जोड़कर आगे बढ़ाया जाता है, मिटाकर नहीं। राजा भोज इस क्षेत्र की गौरवशाली विरासत हैं, तो मौलाना बरकतुल्लाह भोपाली स्वतंत्रता संग्राम की अमूल्य धरोहर हैं। एक का सम्मान करने के लिए दूसरे को भुलाने की जरूरत नहीं है।

बरकतुल्लाह यूनिवर्सिटी का नाम बदलना केवल एक प्रशासनिक फैसला नहीं होगा, बल्कि यह उन तमाम स्वतंत्रता सेनानियों के योगदान को कमतर आंकने जैसा होगा जिन्होंने देश को आजाद देखने के लिए अपना सब कुछ दांव पर लगा दिया। इसलिए यह सिर्फ नाम परिवर्तन का मुद्दा नहीं, बल्कि इतिहास, स्मृति और स्वतंत्रता आंदोलन के सम्मान का प्रश्न है।

(लेखक बरकतुल्लाह यूनिवर्सिटी के इंजीनियरिंग डिपार्टमेंट के पूर्व छात्र एवं पत्रकार है)

आकाश पर राज करेगी भारतीय वायु सेना

दक्षिण एशिया में इसका सबसे गहरा असर पाकिस्तान पर पड़ेगा। पाकिस्तान पहले ही आर्थिक संकट और सैन्य निर्भरता से जूझ रहा है। ऐसे समय में भारत का 200 से अधिक राफेल विमानों की दिशा में बढ़ना पाकिस्तान की वायु शक्ति को पूरी तरह असंतुलित कर देगा। चीन भले ही पाकिस्तान को आधुनिक हथियार दे, लेकिन भारतीय वायुसेना का युद्ध अनुभव, प्रशिक्षण स्तर और तकनीकी समन्वय पाकिस्तान के लिए भय का कारण बना रहेगा। राफेल की मौजूदगी से भारत को दो मोर्चों पर युद्ध की स्थिति में भी निर्णायक बढ़त मिलने की संभावना मजबूत होगी। बहरहाल, स्पष्ट है कि यह समझौता भारत की नई सैन्य सोच का उद्घोष है। संदेश बिल्कुल साफ है कि भारत अब इंतजार नहीं करेगा, भारत अब जवाब देगा। भारतीय वायुसेना की गर्जना आने वाले वर्षों में और प्रचंड होने वाली है। राफेल के पंखों पर सवार होकर भारत केवल अपनी सीमाएं सुरक्षित नहीं करेगा, बल्कि पूरे एशिया में शक्ति संतुलन की नई कहानी लिखेगा।

नीरज कुमार दुबे

भारत ने एक बार फिर चीन और पाकिस्तान को साफ चेतावनी दे दी है कि अब नया भारत सिर्फ जवाब नहीं देता, बल्कि दुश्मन की रणनीति को जड़ से तोड़ने की ताकत रखता है। हम आपको बता दें कि भारतीय वायुसेना के लिए 114 राफेल युद्धक विमानों की खरीद का फैसला दक्षिण एशिया में ताकत का पूरा समीकरण बदलने वाली चाल है। करीब तीन लाख पच्चीस हजार करोड़ रुपये के इस महा समझौते ने बीजिंग और इस्लामाबाद दोनों की नींद उड़ा दी है। खास बात यह है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की फ्रांस यात्रा से ठीक पहले उठाया गया यह कदम दुनिया को साफ संदेश देता है कि भारत अपनी सैन्य ताकत को किसी भी कीमत पर कमजोर नहीं पड़ने देगा।

देखा जाये तो भारतीय वायुसेना इस समय अपने इतिहास के सबसे कठिन दौर में खड़ी है। स्वीकृत 42.5 पांच स्क्वॉड्रन के मुकाबले उसके पास केवल 29 स्क्वॉड्रन बचे हैं। दूसरी ओर चीन तेजी से अपने पांचवीं और छठी पीढ़ी के युद्धक विमानों का जाल खड़ा कर रहा है। चीन के पास पहले से जे-20 और जे-35 जैसे स्टेल्थ विमान सक्रिय हैं, जबकि वह जे-36 और जे-50 जैसे अगली पीढ़ी के विमानों का परीक्षण भी कर रहा है। पाकिस्तान भी चीन के सहयोग से जे-35 ए जैसे स्टेल्थ विमान हासिल करने की तैयारी में है। ऐसे माहौल में भारत का राफेल पर दांव केवल जरूरत नहीं, बल्कि राष्ट्रीय सुरक्षा का निर्णायक प्रश्न बन चुका है।

भारतीय वायुसेना ने पिछले वर्षों में जिस अदम्य साहस और पराक्रम का प्रदर्शन किया है, उसने दुनिया को भारत की नई सैन्य सोच का परिचय दिया है। बालाकोट से लेकर वास्तविक नियंत्रण रेखा तक भारतीय वायुसेना ने यह साबित किया कि वह दुश्मन के घर में घुसकर जवाब देने की क्षमता रखती है। अब वही वायुसेना राफेल जैसे घातक और आधुनिक युद्धक विमानों से और अधिक प्रचंड होने जा रही है। देखा जाये तो राफेल

केवल विमान नहीं, बल्कि हवा में भारत की दहाड़ है। इसकी मारक क्षमता, इलेक्ट्रॉनिक युद्ध प्रणाली, लंबी दूरी तक सटीक हमला करने की ताकत और दुश्मन की वायु रक्षा को ध्वस्त करने की क्षमता इसे बेहद घातक बनाती है। सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि इस समझौते के तहत अठारह विमान सीधे फ्रांस से आएंगे, जबकि 96 विमानों का निर्माण भारत में होगा। यह पहली बार होगा जब राफेल का निर्माण फ्रांस के बाहर किया जाएगा। लगभग पचास प्रतिशत स्वदेशीकरण के साथ यह कार्यक्रम भारत को केवल खरीदार नहीं, बल्कि रक्षा निर्माण शक्ति बनाने की दिशा में ऐतिहासिक कदम है। इससे भारत की रक्षा औद्योगिक क्षमता बढ़ेगी, हजारों रोजगार पैदा होंगे और भविष्य में स्वदेशी युद्धक विमान कार्यक्रमों को भी नई गति मिलेगी।

हालांकि यह भी सच है कि केवल राफेल से पूरी समस्या का समाधान नहीं होगा। मिग-29, मिराज-2000 और जगुआर जैसे पुराने विमान अगले दशक में सेवा से बाहर होने लगेंगे। दूसरी ओर तेजस मार्क-1 ए और तेजस मार्क-2 जैसी स्वदेशी परियोजनाएं देरी से जूझ रही हैं। ऐसे में भारतीय वायुसेना को संख्या और तकनीक दोनों स्तरों पर दबाव का सामना करना पड़ रहा है। लेकिन इस संकट के बीच भी भारत ने बहुस्तरीय रणनीति अपनाई है। एक ओर राफेल, दूसरी ओर उन्नत मध्यम युद्धक विमान कार्यक्रम और साथ ही मानव रहित युद्धक प्रणालियों पर निवेश, यह दिखाता है कि नई दिल्ली आने वाले बीस वर्षों की हवाई शक्ति संरचना तैयार कर रही है।

हम आपको यह भी बता दें कि दुनिया की दो बड़ी छठी पीढ़ी की परियोजनाएं भी इस समय संकट में हैं। ब्रिटेन, इटली और जापान का वैश्विक युद्धक विमान कार्यक्रम वित्तीय संकट और देरी का शिकार है, जबकि फ्रांस, जर्मनी और स्पेन की भविष्य वायु युद्ध प्रणाली आंतरिक टकराव में फंसी हुई है। भारत ने इन दोनों परियोजनाओं में रुचि दिखाई थी, लेकिन अब वहां अनिश्चितता बढ़ गई है। यही कारण है कि भारत ने तत्काल सामरिक मजबूती के लिए राफेल पर भरोसा बढ़ाया है।

इसके अलावा, रूस का सुखोई-57 भी चर्चा में है। रूस भारत को तकनीक हस्तांतरण, स्रोत कोड और भारत में निर्माण जैसे आकर्षक प्रस्ताव दे रहा है। कई पूर्व वायुसेना अधिकारियों का मानना है कि सीमित संख्या में सुखोई-57 विमानों की खरीद भारत के लिए अंतरिम समाधान हो सकती है। लेकिन भारत फिलहाल किसी एक देश पर पूरी तरह निर्भर होने की बजाय बहुध्रुवीय रक्षा रणनीति अपना रहा है। यही भारत की सबसे बड़ी ताकत है।

प्रधानमंत्री मोदी की आगामी फ्रांस यात्रा इस पूरे घटनाक्रम को और अधिक महत्वपूर्ण बना देती है। यह यात्रा भारत और फ्रांस के बीच उभरती सामरिक साझेदारी का निर्णायक चरण साबित हो सकती है। अमेरिका के साथ हाल के तनाव और पश्चिमी देशों की अनिश्चित नीतियों के बीच फ्रांस ऐसा साझेदार बनकर उभरा है जो भारत को तकनीक, उत्पादन और रणनीतिक सहयोग तीनों देने को तैयार दिख रहा है। चीन को घेरने की वैश्विक रणनीति में भारत और फ्रांस का यह गठजोड़ हिंद महासागर से लेकर प्रशांत क्षेत्र तक नई शक्ति संतुलन रचना कर सकता है।

दक्षिण एशिया में इसका सबसे गहरा असर पाकिस्तान पर पड़ेगा। पाकिस्तान पहले ही आर्थिक संकट और सैन्य निर्भरता से जूझ रहा है। ऐसे समय में भारत का 200 से अधिक राफेल विमानों की दिशा में बढ़ना पाकिस्तान की वायु शक्ति को पूरी तरह असंतुलित कर देगा। चीन भले ही पाकिस्तान को आधुनिक हथियार दे, लेकिन भारतीय वायुसेना का युद्ध अनुभव, प्रशिक्षण स्तर और तकनीकी समन्वय पाकिस्तान के लिए भय का कारण बना रहेगा। राफेल की मौजूदगी से भारत को दो मोर्चों पर युद्ध की स्थिति में भी निर्णायक बढ़त मिलने की संभावना मजबूत होगी। बहरहाल, स्पष्ट है कि यह समझौता भारत की नई सैन्य सोच का उद्घोष है। संदेश बिल्कुल साफ है कि भारत अब इंतजार नहीं करेगा, भारत अब जवाब देगा। भारतीय वायुसेना की गर्जना आने वाले वर्षों में और प्रचंड होने वाली है। राफेल के पंखों पर सवार होकर भारत केवल अपनी सीमाएं सुरक्षित नहीं करेगा, बल्कि पूरे एशिया में शक्ति संतुलन की नई कहानी लिखेगा।

अध्यात्म

जब गुस्सा आए, तब तुरंत प्रतिक्रिया देने से बचें

एक लोक कथा के अनुसार पुराने समय में एक शक्तिशाली राजा था। उसके पास धन-दौलत, विशाल राजमहल, सेवक, सुख-सुविधाएं और आज्ञाकारी प्रजा सब कुछ था। परिवार भी सुखी था और राज्य में किसी प्रकार की कमी नहीं थी। बाहर से देखने पर लगता था कि राजा सबसे खुश इंसान है, लेकिन वास्तविकता इससे बिल्कुल अलग थी। राजा का मन हमेशा अशांत रहता था। उसे रात में नींद नहीं आती थी और छोटी-छोटी बातों पर वह गुस्सा हो जाता था, परेशान हो जाता था। मन की बेचैनी ने उसकी खुशियां छीन ली थीं।

एक दिन राजा ने अपने नगर के प्रसिद्ध संत के बारे में सुना, जिनके पास लोग अपनी समस्याओं का समाधान पाने आते थे। राजा तुरंत संत के आश्रम पहुंचा। उसने संत को प्रणाम किया और विनम्रता से कहा, 'गुरुदेव, मेरे पास सब कुछ होते हुए भी मन में शांति नहीं है। कृपया ऐसा उपाय बताइए, जिससे मेरा मन शांत हो सके।' राजा की बात सुनकर संत तुरंत उठे और आश्रम के बाहर चले गए। राजा भी उनके पीछे-पीछे पहुंच गया। बाहर जाकर संत ने कुछ सूखी लकड़ियां इकट्ठी कीं और उन्हें जलाने लगे। थोड़ी-थोड़ी देर बाद आग जल गई, इसके बाद संत आग में एक-एक लकड़ी डालते जा रहे थे। धीरे-धीरे आग और तेज होती गई और उसकी लपटें ऊंची उठने लगीं। राजा यह सब ध्यान से देख रहा था, लेकिन उसे कुछ समझ नहीं आ रहा था कि संत क्या करना चाहते हैं। कुछ देर बाद संत वापस अपनी जगह पर आकर बैठ गए। राजा ने फिर अपनी समस्या दोहराई। तब संत मुस्कुराए और बोले, 'महाराज, मैंने आपकी समस्या का समाधान अभी बाहर ही दे दिया था, लेकिन आप समझ नहीं पाए।' राजा आश्चर्यचकित होकर बोला, 'महाराज, मैं कुछ समझा नहीं।' संत ने शांत स्वर में कहा, 'हर व्यक्ति के भीतर एक आग होती है। यदि उसमें प्रेम, दया और सेवा की आहुति डाली जाए तो मन शांत और प्रसन्न रहता है। लेकिन जो लोग उस आग में क्रोध, लालच, मोह और अहंकार की लकड़ियां डालते हैं, उनके भीतर अशांति बढ़ती जाती है। मन की शांति पाने के लिए बुरी आदतों का त्याग करना जरूरी है। जब इंसान निस्वार्थ भाव से प्रेम करना सीख जाता है, तभी उसे सच्ची शांति मिलती है।' राजा संत की बात समझ चुका था। उसने उसी दिन से अपने स्वभाव में बदलाव लाने का संकल्प लिया। इसके बाद से राजा ने अपने गुस्से पर नियंत्रण किया और हर काम प्रेम, शांति और धैर्य के साथ करने लगा।

बुढ़ापा पैंशन से 'प्राण वायु देवता पैंशन' तक : अनोखी पहल

आमतौर पर पैंशन मनुष्यों को दी जाती है, लेकिन हरियाणा सरकार ने प्रकृति और पर्यावरण संरक्षण को बढ़ावा देने के लिए 75 वर्ष या उससे अधिक आयु के वृक्षों को भी सम्मान देने का निर्णय लिया। इस योजना के अंतर्गत ऐसे वृक्षों के संरक्षण और देखभाल के लिए उनके मालिकों को प्रतिवर्ष 2750 रुपए की पैंशन प्रदान की जाती है। योजना की बढ़ती लोकप्रियता और जनभागीदारी को देखते हुए सरकार ने अब इस राशि को बढ़ाकर 3000 रुपए प्रतिवर्ष कर दिया है। योजना शुरू होने के समय लगभग 3810 वृक्ष इसके अंतर्गत पंजीकृत थे, जिन्हें वार्षिक पैंशन का लाभ दिया जा रहा था। आज इन वृक्षों की संख्या बढ़कर लगभग 5000 तक पहुंच चुकी है। यह केवल एक सरकारी आंकड़ा नहीं है, बल्कि इस बात का प्रमाण है कि लोग पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरुक हो रहे हैं और वृक्षों को केवल लकड़ी या भूमि उपयोग के साधन के रूप में नहीं बल्कि जीवनदाता के रूप में देखने लगे हैं।

दीपक कुमार शर्मा

हरियाणा की पहचान केवल कृषि, खेल और सैनिक परंपरा तक सीमित नहीं है, बल्कि सामाजिक सुरक्षा की अनेक जनहितकारी योजनाओं के कारण भी राज्य ने पूरे देश में अपनी अलग पहचान बनाई है। जब भी वृद्धावस्था पैंशन की बात होती है तो लोगों को सबसे पहले चौधरी देवीलाल का नाम याद आता है। हरियाणा देश का पहला राज्य माना जाता है जिसने बुजुर्गों के सम्मान और सामाजिक सुरक्षा के लिए बुढ़ापा पैंशन जैसी योजना को लागू किया।

यही कारण है कि आज भी करोड़ों लोग चौधरी देवीलाल को श्रद्धा और सम्मान के साथ याद करते हैं। समय के साथ हरियाणा की विभिन्न सरकारों ने सामाजिक सुरक्षा की इस परंपरा को आगे बढ़ाया और इसे नई सोच के साथ विस्तारित किया। इसी क्रम में तत्कालीन मुख्यमंत्री मनोहर लाल ने 26 अक्तूबर 2023 को एक ऐसी अनोखी योजना शुरू की, जिसने न केवल देश बल्कि दुनिया का ध्यान भी आकर्षित किया। इस योजना का नाम है प्राण वायु देवता पैंशन योजना।

आमतौर पर पैंशन मनुष्यों को दी जाती है, लेकिन हरियाणा सरकार ने प्रकृति और पर्यावरण संरक्षण को बढ़ावा देने के लिए 75 वर्ष या उससे अधिक आयु के वृक्षों को भी सम्मान देने का निर्णय लिया। इस योजना के अंतर्गत ऐसे वृक्षों के संरक्षण और देखभाल के लिए उनके मालिकों को प्रतिवर्ष 2750 रुपए की पैंशन प्रदान की जाती है। योजना की बढ़ती लोकप्रियता और जनभागीदारी को देखते हुए सरकार ने अब इस राशि को बढ़ाकर 3000 रुपए प्रतिवर्ष कर दिया है। योजना शुरू होने के समय लगभग 3810 वृक्ष इसके अंतर्गत पंजीकृत थे, जिन्हें वार्षिक पैंशन का लाभ दिया जा रहा था। आज इन वृक्षों की संख्या बढ़कर लगभग 5000 तक पहुंच चुकी है। यह केवल एक सरकारी आंकड़ा नहीं है, बल्कि इस बात का प्रमाण है कि लोग पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरुक हो रहे हैं और वृक्षों को केवल लकड़ी या भूमि उपयोग के साधन के रूप में नहीं बल्कि जीवनदाता के रूप में देखने लगे हैं। वास्तव में वृक्ष मानव जीवन के सबसे बड़े संरक्षक हैं। वे हमें ऑक्सीजन प्रदान करते हैं, वातावरण को शुद्ध बनाते हैं, भूजल संरक्षण में मदद करते हैं, तापमान को नियंत्रित करते हैं और जैव विविधता को सुरक्षित रखते हैं। बढ़ते शहरीकरण, औद्योगीकरण और जनसंख्या दबाव के कारण दुनिया भर में जंगलों का क्षेत्र लगातार घट रहा है। इसका सीधा प्रभाव जलवायु परिवर्तन, ग्लोबल वार्मिंग, अनियमित वर्षा, सूखा और बाढ़ जैसी समस्याओं के रूप में सामने आ रहा है। ऐसे समय में यदि किसी राज्य की सरकार वृक्षों को सम्मान देने और उनके संरक्षण के लिए आर्थिक प्रोत्साहन प्रदान करती है तो यह निश्चित रूप से एक दूरदर्शी और अनुकरणीय पहल कही जाएगी। पर्यावरण संरक्षण की दिशा में इसी सोच को राष्ट्रीय स्तर पर आगे बढ़ाते हुए देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 5 जून 2024 को विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर 'एक पेड़ मां के

नाम' अभियान की शुरूआत की। यह अभियान केवल पौधारोपण कार्यक्रम नहीं था, बल्कि भावनाओं से जुड़ा एक जनआंदोलन बन गया।

इस अभियान के अंतर्गत पर्यावरण मंत्रालय द्वारा 80 करोड़ पौधे लगाने का रिकॉर्ड लक्ष्य सफलतापूर्वक प्राप्त किया गया। देश के विभिन्न राज्यों, शैक्षणिक संस्थानों, सरकारी कार्यालयों, पंचायतों, सामाजिक संगठनों और आम नागरिकों ने इसमें बढ़-चढ़कर भाग लिया। राष्ट्रीय राजमार्गों के किनारे भी लाखों पौधे लगाए गए, जिससे हरित आवरण बढ़ाने के साथ-साथ सड़क किनारे पर्यावरणीय संतुलन को मजबूत करने में सहायता मिली। यदि भारत के वन क्षेत्र की स्थिति पर नजर डालें तो यह स्पष्ट होता है कि अभी भी हमारे सामने बड़ी चुनौतियां मौजूद हैं। भारत का कुल वन क्षेत्र लगभग 6.78 लाख वर्ग किलोमीटर है जो देश के कुल भौगोलिक क्षेत्रफल का लगभग 20.64 प्रतिशत है। राष्ट्रीय वन नीति के अनुसार देश के कुल क्षेत्रफल का लगभग 33 प्रतिशत भाग वनाच्छादित होना चाहिए, अर्थात अभी भी हमें काफी दूरी तय करनी है। वन क्षेत्रफल की दृष्टि से भारत में सबसे अधिक जंगल मध्य प्रदेश में हैं। इसके बाद अरुणाचल प्रदेश, छत्तीसगढ़, ओडिशा और महाराष्ट्र का स्थान आता है। ये राज्य क्षेत्रफल के आधार पर सबसे अधिक वन संपदा रखते हैं।

दूसरी ओर कुछ राज्य ऐसे भी हैं जहां वन क्षेत्र अपेक्षाकृत बहुत कम है। हरियाणा, पंजाब, राजस्थान, बिहार और उत्तर प्रदेश इस श्रेणी में आते हैं। हरियाणा में वन क्षेत्र लगभग 3 से 4 प्रतिशत के आसपास है, जो राष्ट्रीय औसत से काफी कम है। सीमित वन क्षेत्र, बढ़ती आबादी, औद्योगिक विकास और कृषि आधारित अर्थव्यवस्था जैसी परिस्थितियां राज्य के सामने विशेष चुनौतियां प्रस्तुत करती हैं। यही कारण है कि हरियाणा में प्राण वायु देवता पैंशन योजना जैसी अभिनव पहल की आवश्यकता महसूस की गई। यह योजना केवल पुराने वृक्षों को बचाने का प्रयास नहीं है, बल्कि समाज में यह संदेश देने का माध्यम भी है कि वृक्ष हमारी प्राकृतिक धरोहर हैं और उनका संरक्षण प्रत्येक नागरिक की जिम्मेदारी है।

इन सभी प्रयासों का मूल उद्देश्य मानव जीवन को बेहतर बनाना, समाज को संवेदनशील बनाना और भविष्य को सुरक्षित करना है। यदि प्रत्येक नागरिक कम से कम एक पौधा लगाए, उसकी देखभाल करे और प्रकृति के प्रति अपनी जिम्मेदारी निभाए, तो वह दिन दूर नहीं जब भारत न केवल आर्थिक महाशक्ति बनेगा बल्कि पर्यावरण संरक्षण के क्षेत्र में भी दुनिया के लिए एक प्रेरणादायक उदाहरण प्रस्तुत करेगा।

आज का कार्टून

राशिफल

मेष
आर्थिक मामलों को लेकर भाग्यशाली रहेंगे। आपकी छवि लोगों के सामने अत्यन्त सशक्त व्यक्ति के रूप में हो सकती है। घर के कार्यों में व्यस्त रहेंगे।

वृषभ
कार्यक्षेत्र में आपको दूसरे लोगों पर बहुत भरोसा नहीं करना चाहिये। धार्मिक गतिविधियों में आप रुचि लेंगे। आप पिकनिक के लिये जा सकते हैं।

मिथुन
आज किसी से अपनी गुप्त बातें शेयर न करें। बेवजह की यात्रा करने से आपको बचना चाहिये। सोशल मीडिया पर आप काफी समय खर्च करेंगे।

कर्क
होटल व्यवसायियों की आय बढ़ सकती है। काफी दिनों से मेहनत के कारण जो थकान थी, वो आज दूर होगी। कारोबार में नये अनुबन्ध कर सकते हैं।

सिंह
यदि आप साझेदारी में काम करना चाहते हैं, तो आज का समय बहुत उत्तम है। खर्चों को लेकर सावधान रहना चाहिये। आपको मेहनत का सुखद परिणाम मिलेगा।

कन्या
करियर से सम्बन्धित सुनहरा मौका मिलेगा। आपके मित्रों की संख्या में बढ़ोत्तरी होगी। सहयोगियों की सलाह पर ध्यान दें।

तुला
कार्यक्षेत्र में आपको वाहवाही मिलेगी। जीवनसाथी के साथ घूमने जा सकते हैं। अपनी दिनचर्या में परिवर्तन कर सकते हैं। रुकी हुयी सैलरी की प्राप्ति हो सकती है।

वृश्चिक
व्यापार में सम्बन्धियों की सहायता मिलेगी। आपको कोई अच्छा विचार मिल सकता है, जो आपको कार्यक्षेत्र में काफी मदद करेगा। कार्यक्षेत्र की बाधा दूर होगी।

धनु
लोग आपकी विनम्रता की प्रशंसा करेंगे। सुख-सुविधाओं पर आप धन खर्च कर सकते हैं। आपकी आय बढ़ने से मन प्रसन्न होगा। अति आत्मविश्वास के कारण काम बिगड़ने की सम्भावना है।

मकर
व्यावसायिक रिश्तों में प्रगाढ़ता आयेगी। घर में मांगलिक कार्यक्रम का आयोजन हो सकता है। जीवनसाथी के साथ आपका तालमेल बहुत ही अच्छा रहेगा। माता के स्वास्थ्य की चिन्ता होगी।

कुंभ
व्यापारी वर्ग के मन में असन्तोष हो सकता है। दिल की अपेक्षा दिमाग से निर्णय लें। अत्यधिक बहसबाजी से आपको बचना चाहिये। अपनी सेहत का ध्यान रखें।

मीन
आपके व्यवहार से सभी लोग प्रसन्न रहेंगे। फाइनेन्स से जुड़ी गतिविधियों के लिये दिन उत्तम रहने वाला है। अविवाहित लोगों का विवाह तय हो सकता है।

एक्यूप्रेशर में त्रिधातु पेय की उपयोगिता

चांदी- चांदी पाचनक्रिया से सम्बंधित रोगों को ठीक करती है तथा यह जिगर, आमाशय, अंतड़ियों के बहुत सारे रोगों को भी ठीक करती है। मूत्रप्रणाली से सम्बंधित रोगों को भी चांदी ठीक करती है।

तांबा- तांबा जोड़ों के रोगों, पोलियो, कुष्ठरोग, रक्तचाप से सम्बंधित रोग, घुटने का दर्द, मानसिक तनाव, लकवा तथा पुराने रोगों को ठीक करता है। इन तीनों धातुओं का उपयोग स्त्री, पुरुष, बच्चे-जवान तथा बूढ़े सभी के लिए बहुत ही लाभदायक है। एक्यूप्रेशर चिकित्सा करने के साथ-साथ अगर इन धातुओं से पेय पदार्थ बनाकर इनका उपयोग किया जाए तो रोग जल्दी ही ठीक हो जाता है।

एक्यूप्रेशर चिकित्सा के द्वारा रोगों को जल्दी ठीक करने के लिए कुछ पेय पदार्थ लिए जाए तो रोग बहुत जल्दी ठीक हो जाते हैं। पुराने से पुराने रोगों को ठीक करने के लिए एक्यूप्रेशर चिकित्सा करने के साथ-साथ रोगी को प्रतिदिन त्रिधातु पेय पिलाया जाए तो रोग जल्दी ही ठीक हो जाता है तथा इस पेय पदार्थ का सेवन करने से व्यक्ति लम्बी आयु तक स्वस्थ रहता है।

पुराने जमाने में राजा महाराजा सोने-चांदी के बर्तनों में खाना खाते थे तथा वे मुरब्बों पर सोने तथा चांदी के वरक लगाकर उसको खाते थे। आज भी कई औषधियों तथा मिठाइयों पर सोने-चांदी के वरक लगाए जाते हैं। देखा जाए तो ये सोने और चांदी के वरक अमीरी के परिचालक हैं व स्वास्थ्य के दृष्टि से भी लाभदायक हैं। सभी धातुओं का स्वास्थ्य की दृष्टि से अपने अलग-अलग गुण होते हैं, जो इस प्रकार हैं-

सोना- सोना श्वास प्रणाली से सम्बंधित रोगों को ठीक करता है जैसे- दमा, फेफड़ों के रोग, सांस फूलना आदि। इसके अलावा यह हृदय तथा मस्तिष्क के रोगों को भी ठीक करता है।

सोना-चांदी-तांबे से पेय बनाने का तरीका

- लगभग एक तौला (10 ग्राम) सोने के सिक्के या गहने या कंगन आदि लें। गहना ऐसा लेना चाहिए, जिसमें कोई मोती या नग न हो जैसे गले की जंजीर।
- लगभग पांच तौला (50 ग्राम) शुद्ध चांदी के सिक्के या कोई चांदी का गहना, जिसमें मोती न लगा हो उसे ले लें।
- लगभग चार तौला (40 ग्राम) शुद्ध तांबे के सिक्के या तांबे का छोटा-सा बर्तन ले लें। यह ध्यान रहे कि बिजली के तार वाला तांबा पेय पदार्थ बनाने के लिए ठीक नहीं होता है।
- इन तीनों धातुओं को सुबह के समय में अच्छी तरह से साफ कर लें तथा किसी स्टील के बर्तन में लगभग 3 प्याले साफ पानी और तीनों धातुओं को डालकर आग पर रखकर उबालें। जब पानी उबलकर एक प्याले के बराबर की मात्रा में रह जाए तो उसे आग से उतार लें। फिर पानी से धातु की वस्तुओं को निकाल लें तथा इसके बाद पानी को साफ कपड़े से छान लें। अब यह पानी उपचार करने के लिए योग्य हो जाता है। इस पेय में रोगों को दूर करने के गुण समाहित हो जाते हैं।
- जब रोगी का उपचार एक्यूप्रेशर चिकित्सा के द्वारा कर रहे हों तथा इसके साथ त्रिधातु का पेय भी रोगी को पीने के लिए दे रहे हों तो इस बात का ध्यान रखना चाहिए कि खट्टे पदार्थ उस समय न खाएं जैसे नींबू का रस, इमली तथा आम आदि खट्टे पदार्थ। त्रिधातु पेशाब से सम्बंधित रोगों को ठीक करने के लिए काफी फायदेमंद है तथा यह रोगी व्यक्ति को स्वस्थ भी बनाता है। वैसे तो आंवले द्वारा बनाया गया पेय पदार्थ भी स्वास्थ्य के लिए काफी फायदेमंद होता है।

पाचन-शक्ति बढ़ाता है

वज्रासन

वज्रासन का अर्थ है बलवान स्थिति। पाचनशक्ति, वीर्यशक्ति तथा स्नायुशक्ति देने वाला होने से यह आसन वज्रासन कहलाता है। इसका ध्यान मूलाधार चक्र में होता है और और श्वास दीर्घ ग्रहण किया जाता है।

विधि : बिछे हुए आसन पर दोनों पैरों को घुटनों से मोड़कर एड़ियों पर बैठ जाएं। पैर के दोनों अंगूठे परस्पर लगे रहें। पैर के तलवों के ऊपर नितम्ब रहे। कमर और पीठ बिलकुल सीधी रहे, दोनों हाथ को कुहनियों से मोड़े बिना घुटनों पर रख दें। हथेलियां नीचे की ओर रहें। दृष्टि सामने स्थिर कर दें। पांच मिनट से लेकर आधे घंटे तक वज्रासन का अभ्यास कर सकते हैं। वज्रासन लगाकर भूमि पर लेट जाने से सुप्त वज्रासन होता है।

लाभ : वज्रासन के अभ्यास से शरीर का मध्यभाग सीधा रहता है। श्वास की गति मन्द पड़ने से वायु बढ़ती है। आंखों की ज्योति तेज होती है। वज्रनाड़ी अर्थात वीर्यधारा नाड़ी मजबूत बनती है। वीर्य की ऊर्ध्वगति होने से शरीर वज्र जैसा बनता है। लम्बे समय तक सरलता से यह आसन कर सकते हैं। इससे मन की चंचलता दूर होकर व्यक्ति स्थिर बुद्धिवाला बनता है। शरीर में रक्ताभिसरण ठीक से होकर शरीर निरोगी एवं सुन्दर बनता है। भोजन के बाद इस आसन से बैठने से पाचन शक्ति तेज होती है। कब्ज दूर होता है। भोजन जल्दी हजम होता है। पेट की वायु का नाश होता है। कब्ज दूर होकर पेट के तमाम रोग नष्ट होते हैं। पाण्डुरोग से मुक्ति मिलती है। रीढ़, कमर, जांघ, घुटने और पैरों में शक्ति बढ़ती है। कमर और पैर का वायु रोग दूर होता है। स्मरणशक्ति में वृद्धि होती है। स्त्रियों के मासिक धर्म की अनियमितता जैसे रोग दूर होते हैं। शुक्रदोष, वीर्यदोष, घुटनों का दर्द आदि का नाश होता है। स्नायु पुष्ट होते हैं। स्फूर्ति बढ़ाने के लिए एवं मानसिक निराशा दूर करने के लिए यह आसन उपयोगी है। ध्यान के लिए भी यह आसन उत्तम है। इसके अभ्यास से शारीरिक स्फूर्ति एवं मानसिक प्रसन्नता प्रकट होती है। दिन-प्रतिदिन शक्ति का संचय होता है, इसलिए शारीरिक बल में खूब वृद्धि होती है। काग का गिरना अर्थात गले के टांसिल्स, हड्डियों के पोल आदि स्थानों में उत्पन्न होने वाले श्वेतकण की संख्या में वृद्धि होने से आरोग्य का साम्राज्य स्थापित होता है। फिर व्यक्ति बुखार व सिरदर्द से, कब्ज और मंदाग्नि से या अजीर्ण जैसे छोटे-मोटे किसी भी रोग से पीड़ित नहीं रहता, क्योंकि रोग आरोग्य के साम्राज्य में प्रविष्ट होने का साहस ही नहीं कर पाते।

अति गुणकारी दालचीनी

दालचीनी का उपयोग रोजाना मसालों में सुगन्ध और स्वाद लाने के लिए किया जाता है। यह मुख शुध्दि और कंठ शुध्दि करती है।

- मोटी दालचीनी उष्ण, तीखी, रूक्ष और पित्तकारक है। यह कफ, वायु, खुजली तथा अरुचि का नाश करने वाली एवं हृदय रोग, अर्श, कृमि मिटाने वाली और वीर्यकारक है।
- पतली दालचीनी मधुर, कड़वी, तीखी, सुगंधित, वीर्यवर्धक, शरीर के रंग को निखारने वाली, वायु, पित्त, मुखशोष और तृषा मिटाने वाली है।
- दालचीनी का सेवन करने से अजीर्ण, उल्टी, लार, उदरशूल और अफरा मिटता है। यह स्त्रियों का ऋतुस्राव साफ लाती है और गर्भाशय का संकोचन करती है।
- दालचीनी पानी में पीसकर गर्म करके कनपटी पर लेप करने से अथवा अर्क लगाने से सर्दी के कारण होने वाला सिरदर्द मिटता है।
- दालचीनी, अदरक और काली मिर्च का काढ़ा पीने से जुकाम दूर होता है।
- दालचीनी का 2-3 बूंद तेल एक कप पानी में मिलाकर पीने से इन्फ्लूएंजा, गृहिणी, आंत्रशूल, हिचकी, उल्टी आदि में काम करता है।
- वैज्ञानिक मतानुसार यह अत्यंत उपयोगी सुगंधित औषधि है। यह उष्ण दीपन, पाचन, वातहर, स्तंभण, गर्भाशय उत्तेजक, गर्भाशय संकोचक एवं शरीर उत्तेजक है। यह जन्तुनाशक है और कालज्वर टाइफाइड तथा अन्य संक्रामक रोगों का नाश करती है एवं उबकाई, उल्टी व अतिसार को मिटाती है।

दालचीनी का तेल उत्तेजक है, अत : यह दांत का शूल, पेट का शूल, जीभ का रुक जाना, जुबान बन्द हो जाना आदि पर गुणकारी है। गरम प्रकृति वालों को दालचीनी का सेवन नहीं करना चाहिए। दालचीनी के दीर्घकाल तक सेवन करने से नपुंसकता आती है। इसका तेल भी अत्यधिक मात्रा में विषतुल्य है।

दर्द भगाने के कारगर उपाय

जिस तरह का जीवन हम जी रहे हैं, उसमें सिरदर्द होना एक आम बात है। लेकिन यह दर्द हमारी दिनचर्या में शामिल हो जाए तो हमारे लिए बहुत कष्टदायी हो जाता है। दर्द से छुटकारा पाने के लिए हम पेनकिलर घरेलू उपाय अपनाकर इसे दूर कर सकते हैं। इन घरेलू उपायों के कोई साइड इफेक्ट भी नहीं होते।

अदरक
अदरक एक दर्द निवारक दवा के रूप में भी काम करती है। यदि सिरदर्द हो रहा हो तो सूखी अदरक को पानी के साथ पीसकर उसका पेस्ट बना लें और इसे अपने माथे पर लगाएं। इसे लगाने पर हल्की जलन जरूर होगी, लेकिन यह सिरदर्द दूर करने में मददगार होती है।

सोडा
पेट में दर्द होने पर कप पानी में एक चुटकी खाने वाला सोड़ा डालकर पीने से पेट दर्द में राहत मिलती है। स्त्रियों के मासिक धर्म के समय पेट के नीचे होने वाले दर्द को दूर करने में खाने वाला सोड़ा पानी में मिलाकर पीने से दर्द दूर होता है। एसिडिटी होने पर एक चुटकी सोड़ा, आधा चम्मच भुना और पिसा हुआ जीरा, 8 बूंदे नींबू का रस और स्वादानुसार नमक पानी में मिलाकर पीने से एसिडिटी में राहत मिलती है।

अजवायन
सिरदर्द होने पर एक चम्मच अजवायन को भूनकर साफ सूती कपड़े में बांधकर नाक के पास लगाकर गहरी सांस लेने से सिरदर्द में राहत मिलती है। ये प्रक्रिया तब तक दोहराएं, जब तक आपका सिरदर्द ठीक नहीं हो जाता। पेटदर्द को दूर करने में भी अजवायन सहायक होती है। पेटदर्द होने पर आधा चम्मच अजवायन को पानी के साथ फांखने से पेटदर्द में राहत मिलती है।

बर्फ
सिरदर्द में बर्फ की सिंकाई करना बहुत फायदेमंद होता है। इसके अलावा स्पॉन्डिलाइटिस में भी बर्फकी सिंकाई लाभदायक होती है। गर्दन में दर्द होने पर भी बर्फ की सिंकाई लाभदायक होती है।

हल्दी
हल्दी कीटाणुनाशक होती है। इसमें एंटीसेप्टिक, एंटीबायोटिक और दर्द निवारक तत्व पाए गए हैं। ये तत्व चोट के दर्द और सूजन को कम करने में सहायक होते हैं। घाव पर हल्दी का लेप लगाने से वह ठीक हो जाता है। चोट लगने पर दूध में हल्दी डालकर पीने से दर्द में राहत मिलती है। एक चम्मच हल्दी में आधा चम्मच काला गर्म पानी के साथ फांखने से पेट दर्द व गैस में राहत मिलती है।

तुलसी के पत्ते
तुलसी में बहुत सारे औषधीय तत्व पाए जाते हैं। तुलसी की पत्तियों को पीसकर चंदन पाउडर में मिलाकर पेस्ट बना लें। दर्द होने पर प्रभावित जगह पर उस लेप को लगाने से दर्द में राहत मिलेगी। एक चम्मच तुलसी के पत्तों का रस शहद में मिलाकर हल्का गुनगुना करके खाने से गले की खराश और दर्द दूर हो जाता है। खांसी में भी तुलसी का रस काफी फायदेमंद होता है।

मैथी
एक चम्मच मेथी दाना में चुटकी-भर पिसी हुई हींग मिलाकर पानी के साथ फांखने से पेटदर्द में आराम मिलता है। मैथी डायबिटीज में भी लाभदायक होती है। मैथी के लड्डू खाने से जोड़ों के दर्द में लाभ मिलता है।

हींग
हींग दर्द निवारक और पित्तवर्द्धक होती है। छाती और पेटदर्द में हींग का सेवन लाभकारी होता है। छोटे बच्चों के पेट में दर्द होने पर हींग को पानी में घोलकर पकाने और उसे बच्चों की नाभि के चारों ओर उसका लेप करने से दर्द में राहत मिलती है।

सेब
सुबह खाली पेट प्रतिदिन एक सेब खाने से सिरदर्द की समस्या से छुटकारा मिलता है। चिकित्सकों का मानना है कि सेब का नियमित सेवन करने से रोग नहीं घेरते।

करेला
करेले का रस पीने से पित्त में लाभ होता है। जोडों के दर्द में करेले का रस लगाने से काफी राहत मिलती है।

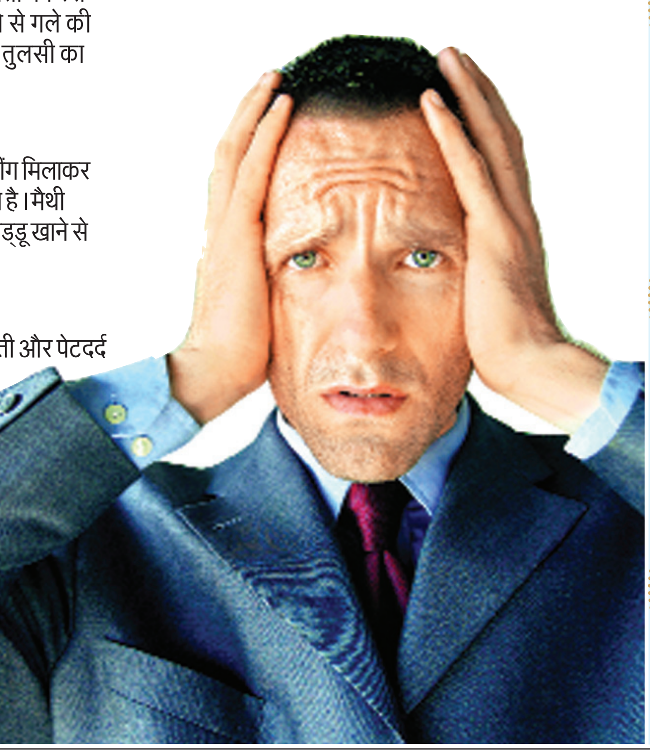

इयर रिंग्स से प्रॉब्लम में आजमाएं

कानों में बालियां और झुमके पहनना कौन लड़की नहीं चाहती। लेकिन कभी-कभी लगातार इयर रिंग्स पहनने से कान के छेद में खुजली, दाने या सूजन आ जाती है। जानती हैं इसकी वजह क्या होती है? आपके कान की बाली में मौजूद निकिल की वजह से ऐसा होता है। इसका एक खास इलाज है। अपने कान से बालियां निकालकर कान के छेद को हाइड्रोजन पैराऑक्साइड से धोएं। यही नहीं, कानों को एलर्जी से बचाने के लिए हमेशा सोने या चांदी की बालियां पहनें या फिर कान की तली में नेल पॉलिश का एक कोट लगाकर पहनें। इससे न तो आपको कान में घाव होगा और न ही दाने होंगे।

वोडाफोन आइडिया ने मेटा प्लेटफार्म्स का इस्तेमाल करने वाले वी के यूज़र्स को वैरिफिकेशन का सुरक्षित

मुंबई, एजेंसी। भारत के अग्रणी दूरसंचार सेवा प्रदाता, वोडाफोन आइडिया ने अ वी के यूज़र्स के लिए मेटा प्लेटफॉर्म्स व्हॉट्सऐप, फेसबुक और इंस्टाग्राम पर साइलेन्ट मोबाइल वैरिफिकेशन क्षमताएं लॉन्च करने की घोषणा की है, जिससे लाखों यूज़र सुरक्षित, सहज एवं पासवर्ड रहित डिजिटल अनुभव पा सकेंगे। साइलेन्ट मोबाइल वैरीफिकेशन एक सुरक्षित, नेटवर्क आधारित आथेंटिकेशन टेक्नोलॉजी है जो यूज़र के मोबाइल नंबर को बैकग्राउंड में ही वैरिफाय कर देती है। इसके लिए यूज़र को न तो वैरिफ़िकेशन क्रेडेंशियल मैनुअली डालने पड़ते हैं, न ही ऐप्स के बीच स्विच करना पड़ता है, और न ही वैरिफ़िकेशन मैसेज का इंतज़ार करना पड़ता है। जब भी वी का यूज़र वी मोबाइल नेटवर्क पर व्हॉट्सऐप, फेसबुक और इंस्टाग्राम का इस्तेमाल करता है, तो वैरिफ़िकेशन की रिक्वेस्ट सीधे टेलीकॉम नेटवर्क के ज़रिए वैरिफाय हो जाती है, जिससे यूज़र को एक तेज़ और बिना किसी रुकावट वाला अनुभव मिलता है।वी के यूज़र्स को नए यूज़र रजिस्ट्रेशन, मोबाइल नंबर वैरिफ़िकेशन, लॉग-इन और री-लॉग-इन, अकाउंट रिकवरी और सिक्योरिटी चैक के दौरान ऑथेंटिकेशन जैसी स्थितियों में एसएमवी-सपोर्टेड अनुभव मिल सकते हैं। लॉन्च के अवसर पर वोडाफ़ोन आइडिया लिमिटेड के सीईओ अभिजीत किशोर ने कहा : टेलीकॉम नेटवर्क, उपभोक्ताओं को सुरक्षित डिजिटल अनुभव प्रदान करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। आज लाखों उपभोक्ता अपने रोज़मर्रा के कामों के लिए वी के सुरक्षित टेलीकॉम नेटवर्क पर निर्भर हैं, इसी के मद्देनज़र हम इन अनुभवों का पैमाना बढ़ा रहे हैं। मेटा के साथ साझेदारी के द्वारा हम एसएमवी क्षमताएं बढ़ा रहे हैं जो साइबर सुरक्षा को बढ़ाकर धोखाधड़ी का जोखिम कम कर सकें।

आधार हाउसिंग फाइनेंस ने मध्य प्रदेश में पीएमएवाई के जरिये घर खरीदना आसान बनाया

भोपाल। आधार हाउसिंग फाइनेंस लिमिटेड, प्रधानमंत्री आवास योजना (पीएमएवाई) के तहत इंदौर में घर खरीदना बेहद आसान और किफायती बनाने के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है। सरकार की इस किफायती आवास योजना के प्रति जागरूकता बढ़ाने और होम लोन मिलने की प्रक्रिया को सरल करने के उद्देश्य से, कंपनी 5 और 6 जून को पूरे राज्य में पीएमएवाई स्पॉट सेंक्शन कैंप आयोजित कर रही है। ये कैंप योग्य ग्राहकों को इस योजना के फायदों, सब्सिडी की पात्रता और आसान होम लोन प्रक्रिया को समझने में मदद करेंगे, जिससे भोपाल के साथ-साथ मध्य प्रदेश के अन्य बड़े शहरों और छोटे कस्बों के ग्राहकों को सीधा फायदा मिलेगा। ऋषि आनंद, मैनेजिंग डायरेक्टर और सीईओ, आधार हाउसिंग फाइनेंस लिमिटेड ने कहा, आधार हाउसिंग फाइनेंस में, हम पूरे भारत में वंचित और जरूरतमंद परिवारों के लिए किफायती घर खरीदने की राह को और आसान बनाना चाहते हैं। कम आय वाले आवासों पर सरकार की लगातार केंद्रित नीतियों और पीएमएवाई को मिली नई रफ्तार ने पहली बार घर खरीदने वालों के लिए औपचारिक होम लोन पाना बहुत आसान बना दिया है। हमारे स्पॉट सेंक्शन कैंप के माध्यम से, हमारा उद्देश्य होम लोन की पहुंच को सरल बनाना, जागरूकता बढ़ाना और उभरते बाजारों में घर का सपना देखने वाले लोगों को उनके अपने घर के सफर में हर संभव मदद करना है।अनिल नायर, चीफ ऑपरेटिंग ऑफिसर, आधार हाउसिंग फाइनेंस लिमिटेड ने कहा, हमारे पीएमएवाई कैंपों में दी जाने वाली सब्सिडी के माध्यम से हमारा उद्देश्य पहली बार घर खरीदने वालों के वित्तीय बोझ को कम करना है, जिससे सीमित आय वाले लोगों के लिए भी अपना घर होना और आसान हो सके।

भारत का विदेशी मुद्रा भंडार 682 अरब डॉलर पर, 11 महीने के आयात के लिए पर्याप्तः आरबीआई

मुंबई, एजेंसी। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) के गवर्नर संजय मल्होत्रा ने शुक्रवार को कहा कि देश का विदेशी मुद्रा भंडार 682.3 अरब डॉलर के मजबूत स्तर पर है जो लगभग 11 महीनों के आयात के लिए पर्याप्त है। चालू वित्त वर्ष की दूसरी द्विमासिक मौद्रिक नीति की घोषणा करते हुए उन्होंने कहा कि विभिन्न नीतिगत पहल भुगतान संतुलन को मजबूत करने में मदद करेंगी। उन्होंने बताया कि इन उपायों में प्रमुख व्यापार साझेदारों के साथ हाल के समझौते, बीमा क्षेत्र में 100 प्रतिशत प्रत्यक्ष विदेशी निवेश (एफडीआई) की अनुमति, एथनॉल मिश्रण कार्यक्रम, ऊर्जा बदलाव को बढ़ावा, सीमावर्ती देशों के लिए एफडीआई नियमों में ढील, बाह्य यानी विदेशों से वाणिज्यिक उधार (ईसीबी) ढांचे का उदारीकरण और अन्य कदम शामिल हैं।

उन्होंने कहा, भारत का विदेशी मुद्रा भंडार 29 मई 2026 तक 682.3 अरब डॉलर के मजबूत स्तर पर था, जो लगभग 11 महीने के आयात और विदेशी ऋण (89.1 प्रतिशत) जैसे भंडार पर्याप्तता के मानकों के हिसाब से पर्याप्त है। गवर्नर ने कहा, हमारा विदेशी मुद्रा भंडार बाहरी झटकों से सुरक्षा प्रदान करता है। हमारे पास नियामकीय तथा बाजार-आधारित कई साधन हैं जिनसे आवश्यकता पड़ने पर प्रभावी कदम उठाए जा सकते हैं। इस संदर्भ में हम सतर्क हैं और व्यवस्थित बाजार स्थिति बनाए रखने के लिए जो भी आवश्यक होगा करने के लिए पूरी तरह तैयार हैं।

भारत का विदेशी मुद्रा भंडार 22 मई को समाप्त सप्ताह में 7.51 अरब डॉलर घटकर 681.38 अरब डॉलर रहा। इस वर्ष 27 फरवरी को समाप्त सप्ताह में यह भंडार 728.49 अरब डॉलर के सर्वकालिक उच्च स्तर पर पहुंचा था, लेकिन पश्चिम एशिया संघर्ष शुरू होने के बाद कई सप्ताह तक इसमें गिरावट आई। इसका कारण रुपये पर दबाव बढ़ा और भारतीय रिजर्व बैंक को डॉलर बेचकर विदेशी मुद्रा बाजार में हस्तक्षेप करना पड़ा। देश का विदेशी मुद्रा भंडार दो जनवरी, 2026 को समाप्त सप्ताह में 686.801 अरब डॉलर था।

मल्होत्रा ने कहा कि केंद्रीय बैंक अर्थव्यवस्था की उत्पादक आवश्यकताओं को पूरा करने और मौद्रिक नीति के प्रभावी प्रसारण के लिए बैंकिंग प्रणाली में पर्याप्त नकदी सुनिश्चित करेगा। उन्होंने कहा कि 2025-26 में वैश्विक आर्थिक उथल-पुथल के बीच भारत ने ऊंचे शुल्क और व्यापार से जुड़ी अनिश्चितताओं का सफलतापूर्वक सामना किया। गवर्नर ने कहा कि ऊर्जा कीमतों में बढ़ोतरी और व्यापार नीति से जुड़ी अनिश्चितताएं 2026-27 में भारत के चालू खाते के घाटे के बढ़ने का जोखिम उत्पन्न करती हैं। उन्होंने कहा कि सेवा व्यापार में अधिशेष और विदेश से आने वाले धन प्रेषण कुछ राहत प्रदान करेंगे।

सोना-चांदी में बड़ी गिरावट, गोल्ड 1,200 से अधिक टूटा

नईदिल्ली, एजेंसी। घरेलू वायदा बाजार में शुक्रवार को सोने और चांदी की कीमतों में जोरदार गिरावट देखने को मिली। रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया की मौद्रिक नीति घोषणा से पहले निवेशकों में सतर्कता रही, जबकि अंतरराष्ट्रीय बाजार में भी कमजोरी का असर घरेलू बाजार पर दिखाई दिया। बाजार जानकारों का मानना है कि जब तक पश्चिम एशिया में तनाव कम नहीं होता और ब्याज दरों को लेकर स्थिति स्पष्ट नहीं होती, तब तक सोना और चांदी में उतार-चढ़ाव बना रह सकता है। एमसीएक्स पर सोने के वायदा भाव की शुरुआत 949 रुपये या 0.59 फीसदी की गिरावट के साथ 1,58,598 रुपये प्रति 10 ग्राम पर हुई। सुबह 9:05 बजे तक सोना 1,217 रुपये या 0.76 फीसदी टूटकर 1,58,330 रुपये प्रति 10 ग्राम पर कारोबार कर रहा था। चांदी की कीमत 4,772 रुपये या 1.8 फीसदी की गिरावट के साथ 2,60,024 रुपये प्रति किलोग्राम पर खुली। कारोबार के दौरान चांदी 3,597 रुपये या 1.36 फीसदी टूटकर 2,61,199 रुपये प्रति किलोग्राम पर पहुंच गई। अंतरराष्ट्रीय बाजार में हाजिर सोना 0.5 फीसदी गिरकर 4,452.20 डॉलर प्रति औंस पर आ गया। इस सप्ताह अब तक सोने में करीब 1.8 फीसदी की गिरावट दर्ज की जा चुकी है। वहीं अमेरिकी गोल्ड फ्यूचर्स 0.6 फीसदी टूटकर 4,478.50 डॉलर प्रति औंस पर कारोबार कर रहे थे। चांदी की कीमत भी 1.4 फीसदी गिरकर 72.89 डॉलर प्रति औंस पर पहुंच गई।

अमेरिका-ईरान तनाव बढ़ने से बढ़ी चिंताः बाजार पर दबाव की सबसे बड़ी वजह पश्चिम एशिया में बढ़ता तनाव है। ईरान समर्थित हिजबुल्लाह ने लेबनान में नए सीजफायर के प्रस्ताव को खारिज कर दिया है। वहीं इजरायल ने भी सैनिकों की वापसी से इनकार कर दिया है। इससे अमेरिका और ईरान के बीच संभावित शांति समझौते की उम्मीदों को झटका लगा है। बढ़ते भू-राजनीतिक तनाव से महंगाई और ब्याज दरों में बढ़ोतरी की आशंकाएं भी मजबूत हुई हैं।

रिलायंस कंज़्यूमर ने लॉन्च किया 'ऐलन्स पोटैटो चिप्स' का लिमिटेड-एडिशन फुटबॉल कलेक्शन

आरसीपीएल भारत में लेकर आया फुटबॉल के फ्लेवर का रोमांच

मुंबई, एजेंसी। दुनिया भर में फुटबॉल प्रेमियों पर फुटबॉल का खुमार छाया हुआ है। ऐसे में रिलायंस कंज़्यूमर प्रोडक्ट्स लिमिटेड अपने लोकप्रिय ब्रांड 'ऐलन्स पोटैटो चिप्स' के विशेष लिमिटेड-एडिशन रेंज के साथ इस रोमांच को सीधे स्नैक प्रेमियों तक पहुंचा रहा है।

फुटबॉल की कुछ सबसे प्रतिष्ठित टीमों और देशों से प्रेरित इस नई कलेक्शन में चार अंतरराष्ट्रीय फ्लेवर शामिल हैं, जो स्पेन, अर्जेंटीना, ब्राज़ील और पुर्तगाल की भावना, स्वाद और ऊर्जा को दर्शाते हैं। 10, 20 और 50 की सुविधाजनक पैकिंग में उपलब्ध यह लिमिटेड-एडिशन रेंज भारत भर के उपभोक्ताओं के उत्सव को और अधिक स्वादिष्ट बनाने के उद्देश्य से पेश की गई है। इस लिमिटेड-एडिशन कलेक्शन को उपभोक्ताओं की बदलती पसंद और स्वाद को ध्यान में रखते हुए विकसित किया गया है। टमाटर आज भी भारत के सबसे पसंदीदा फ्लेवर प्रोफाइल में से एक है, जबकि चीज़-आधारित स्नैक्स की मांग

उपभोक्ताओं के बीच तेजी से बढ़ रही है। इसके साथ ही, तीखे और बोल्ड स्वादों की लोकप्रियता भी लगातार बढ़ रही है, जिससे चिली एंड लाइम और पीरी पीरी साल्सा जैसे फ्लेवर आज के साहसी स्वाद पसंद करने वाले उपभोक्ताओं के लिए बेहद प्रासंगिक बन जाते हैं।

फुटबॉल के सबसे बड़े मंच से प्रेरित आकर्षक पैकेजिंग और अंतरराष्ट्रीय पाक परंपराओं का जश्न मनाने वाले इन फ्लेवर के साथ, ऐलन्स लिमिटेड-एडिशन कलेक्शन उन प्रशंसकों के लिए आदर्श साथी साबित होगा जो हर गोल, हर शानदार बचाव और हर जश्न का आनंद दोस्तों और परिवार के साथ लेना चाहते हैं। यह लिमिटेड-एडिशन रेंज सीमित स्टॉक उपलब्धता तक देशभर के रिलायंस रिटेल स्टोर्स और जियोमार्ट पर उपलब्ध रहेगी।

सीजी पावर ने नासिक में चालू की एक्स्ट्रा हाई-वोल्टेज स्विचगियर विनिर्माण इकाई

मुंबई, एजेंसी। इंजीनियरिंग समूह और इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग उद्योग की अग्रणी कंपनी, सीजी पावर एंड इंडस्ट्रियल सॉल्यूशंस लिमिटेड (सीजी) ने आज महाराष्ट्र के नासिक स्थित पिंपलगांव गरुड़ेश्वर में अपनी एक्स्ट्रा हाई-वोल्टेज (ईएचवी) स्विचगियर विनिर्माण इकाई, एस3 यूनिट-2 चालू करने की घोषणा की। यह नासिक के अंबड में स्थित एस3 यूनिट-ढ्ढ विनिर्माण संयंत्र से अलग इकाई है, जहां 33केवी से 800केवी के ईएचवी सर्किट ब्रेकर बनाए जाते हैं। इस नए संयंत्र में 33 केवी से 245 केवी की रेंज के ईएचवी सर्किट ब्रेकर बनेंगे, जिससे सीजी की ईएचवी सर्किट ब्रेकर बनाने की क्षमता 80त्न तक बढ़ेगी। 500 केवी और 350 केवी हाई-वोल्टेज परीक्षण प्रयोगशाला समेत उन्नत विनिर्माण और परीक्षण बुनियादी ढांचे से लैस, इस इकाई को घरेलू और अंतर्राष्ट्रीय बाज़ारों में भरोसेमंद बिजली पारेषण (ट्रांसमिशन) उपकरणों की बढ़ती मांग को पूरा करने के लिए तैयार किया गया है। इस इकाई से, सीजी की यूटिलिटी, रेलवे, नवीकरणीय ऊर्जा, तेल एवं गैस, और ट्रांसमिशन बुनियादी ढांचा परियोजना जैसे महत्वपूर्ण क्षेत्रों को सेवा प्रदान करने की क्षमता का विस्तार होगा। इससे कंपनी के बढ़ते निर्यात व्यवसाय को भी मदद मिलेगी।

सीजी पावर एंड इंडस्ट्रियल सॉल्यूशंस लिमिटेड के समूह मुख्य कार्यकारी और प्रबंध निदेशक, अमर कौल ने कहा, एस3 इकाई-2 का चालू होना, हमारी विकास यात्रा की महत्वपूर्ण उपलब्धि है और इससे ग्रिड विस्तार, नवीकरणीय ऊर्जा एकीकरण और बुनियादी ढांचा विकास से उभरने वाले अवसरों में हमारा विश्वास रेखांकित होता है। गौरतलब है कि भारत और वैश्विक बाज़ारों में हाई-वोल्टेज ट्रांसमिशन उपकरणों की मांग लगातार बढ़ रही है, ऐसे में इस इकाई से हमारी बड़े पैमाने पर विश्व स्तरीय उत्पाद पेश करने की क्षमता बढ़ेगी। यह निवेश नवोन्मेष, गुणवत्ता और परिचालन उत्कृष्टता के ज़रिये ग्राहकों की ऊर्जा से जुड़ी बदलती जरूरतों को पूरा करने के प्रति हमारी प्रतिबद्धता को भी दृढ़ता प्रदान करता है। ज़िम्मेदार विनिर्माण के प्रति सीजी की प्रतिबद्धता के अनुरूप निर्मित इस इकाई में, ऊर्जा-कुशल प्रणाली, वर्षा जल संचयन एवं जल पुनर्चक्रण बुनियादी ढांचा और शून्य तरल निर्वहन (ज़ीरो लिक्विड डिस्चार्ज) की व्यवस्था शामिल है। इन पहलों से संसाधनों की दक्षता बढ़ने के साथ-साथ ऊर्जा की खपत और पर्यावरणीय प्रभाव में कमी आने की उम्मीद है।

जेएसडब्ल्यू वेंचर्स ने लीडरशिप टीम को किया मजबूत

मुंबई, एजेंसी। शुरुआती चरण की कंपनियों में निवेश करने वाली संस्थागत वेंचर कैपिटल फर्म जेएसडब्ल्यू वेंचर्स ने अपने फंड सेकंड के लॉन्च से पहले नेतृत्व टीम को मजबूत करते हुए वरिष्ठ उद्योग विशेषज्ञ विकास चांडक को पार्टनर नियुक्त किया है। विकास के पास कंज्यूमर, फिनटेक और एंटरप्राइज टेक्नोलॉजी क्षेत्रों में दो दशक से अधिक का अनुभव है। उन्होंने कई व्यवसायों को स्थापित करने, उनका विस्तार करने और उनके पुनर्गठन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। आईआईएम बेंगलुरु से एमबीए करने वाले विकास ने क्रेड, एतिहाद और आईसीआईसीआई बैंक जैसी प्रमुख कंपनियों के साथ काम किया है। जेएसडब्ल्यू वेंचर्स से जुड़ने से पहले विकास भारत के कुछ प्रमुख फिनटेक और उपभोक्ता व्यवसायों में रणनीति, उत्पाद विकास और बिजनेस संचालन का नेतृत्व कर चुके हैं। वह पिछले पांच वर्षों से सक्रिय एंजेल निवेशक भी रहे हैं। जेएसडब्ल्यू वेंचर्स में वे फंड की निवेश रणनीति, पूंजी जुटाने, निवेश, पोर्टफोलियो प्रबंधन तथा फिनटेक और एंटरप्राइज टेक्नोलॉजी क्षेत्र की निवेश प्राप्त कंपनियों से निकास (एग्जिट) से जुड़े कार्यों की संयुक्त जिम्मेदारी संभालेंगे। इस अवसर पर जेएसडब्ल्यू वेंचर्स के मैनेजिंग पार्टनर सचिन टैगरा ने कहा, विकास के पास व्यावसायिक समझ और टेक्नोलॉजी आधारित व्यवसायों को सफलतापूर्वक संचालित व विस्तार देने का बेहतर अनुभव है। यह हमारी पोर्टफोलियो प्रबंधन की सक्रिय कार्यशैली के लिए बेहद महत्वपूर्ण है। उनका अनुभव निवेश के मूल्यांकन को और बेहतर बनाएगा तथा हमारी पोर्टफोलियो कंपनियों को महत्वपूर्ण लाभ पहुंचाएगा। एक मजबूत पार्टनर के रूप में अपनी पहचान बनाई है। स्टार्टअप्स, बड़े उद्योगों और एक एंजेल इन्वेस्टर के रूप में दो दशकों से अधिक के काम के दौरान, मैंने खुद देखा है कि महत्वपूर्ण मोड़ों पर लिए गए निर्णय समय और बदलते दौर के साथ कितना बड़ा असर डालते हैं।

टाइटन वॉचेज़ ने ज़ीरो आवर 500एम प्रोफेशनल डाइवर्स ऑटोमेटिक वॉच के साथ गिनीज़ बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड्स में नाम दर्ज कराया

मुंबई, एजेंसी। समुद्र की सतह से बहुत नीचे, एक ऐसी दुनिया में जहाँ ज़बरदस्त दबाव, पूरी सटीकता और बेहद मुश्किल हालात होते हैं, भारत की सबसे प्रतिष्ठित घड़ी निर्माता कंपनी टाइटन वॉचेज़ ने शानदार उपलब्धि हासिल की है। अपनी तरह की पहली इस उपलब्धि में, ब्रांड ने पानी के भीतर सबसे ज़्यादा गहराई में प्रोडक्ट फोटोशूट करने के लिए 'गिनीज़ बुक ऑफ़ वर्ल्ड रिकॉर्ड्स' में नाम दर्ज कराया है। 52.1 मीटर की गहराई पर किए गए इस शूट में टाइटन ज़ीरो आवर 500 एम प्रोफेशनल डाइवर्स ऑटोमेटिक वॉचेज़ के 1000 घड़ियों के लिमिटेड एडिशन में से एक घड़ी को फिल्माया गया है। इस उपलब्धि ने एक बार फिर यह साबित कर दिया कि यह घड़ी बेहद मुश्किल हालात में भी काम करने के लिए पूरी तरह से भरोसेमंद और दमदार है। थाईलैंड के फुकेत स्थित राचा नोई द्वीप पर खुले समुद्र के विशाल विस्तार के बीच, जहाँ हर गोता सहनशक्ति और इंजीनियरिंग की सीमाओं को चुनौती देता है, पाँच सर्टिफाईड टेकनिकल गोताखोरों की एक टीम ने सटीकता और प्रदर्शन की सीमाओं को प्रदर्शित किया। सात मिनट के भीतर 50 मीटर की गहराई तक पहुँचते हुए और अंततः 52.1 मीटर की अधिकतम गहराई हासिल करते हुए, इन गोताखोरों ने खुले समुद्र की वास्तविक परिस्थितियों में, 20 मिनट की सीमित समय-सीमा के भीतर, कैमरों के एक पूरे ज़खीरे के साथ एक अत्यंत विशिष्ट पानी के नीचे का फ़ोटोशूट सफलतापूर्वक पूरा किया। इस उपलब्धि पर बात करते हुए, टाइटन कंपनी लिमिटेड में वॉचेज़ डिवीज़न के सीईओ कुरुविला मार्कोस ने कहा, ÷ज़ीरो आवर को इस अवधारणा पर बनाया गया था कि भारतीय घड़ी बनाने की कला दुनिया के सबसे मुश्किल मंचों पर भी मुकाबला कर सकती है। आईएसओ 6425 कम्प्लायन्स और पीएडीआई मान्यता से लेकर गिनीज़ बुक ऑफ़ वर्ल्ड रिकॉर्ड्स तक हमने जो भी मानक हासिल किए हैं - वे सभी इंजीनियरिंग के पक्के इरादे, नए आइडिया और कारीगरी के संयोजन पर रोशनी डालते हैं। वास्तव में हमने एक्शन के ज़रिए अपनी क्षमता को साबित किया है। आने वाले समय में भी हम अपनी क्षमताओं को बढ़ाते हुए इस गति को बनाए रखेंगे।

एचडीएफसी बैंक का परिवर्तन कार्यक्रम पराली जलाने से बचाने में बना मददगार

मुंबई, एजेंसी। विश्व पर्यावरण दिवस के मौके पर, एचडीएफसी बैंक ने अपने सीएसआर कार्यक्रम परिवर्तन के ज़रिए, सीआईआई फाउंडेशन के साथ मिलकर, अपनी फसल अवशेष प्रबंधन (सीआरएम) पहल में एक बड़ी उपलब्धि की घोषणा की। 2025 के सीज़न में, पंजाब और हरियाणा के कुल 3,78,425 एकड़ खेतों में से 88 फ़ीसदी खेतों को पराली जलाने से बचाया गया। पंजाब के लुधियाना और संगरूर ज़िलों, और हरियाणा के फतेहाबाद ज़िले के 380 से ज़्यादा गांवों के 86,000 किसानों तक पहुँचने वाला यह कार्यक्रम, उत्तर भारत में खेती से होने वाले वायु प्रदूषण से निपटने के लिए निजी क्षेत्र की एक व्यापक और असरदार कोशिश है। एचडीएफसी बैंक की सीएसआर प्रमुख नुसरत पठान ने इस उपलब्धि के बारे में बात करते हुए कहा, पराली जलाना सिर्फ़ एक कृषि आदत नहीं है, यह एक व्यवस्थागत चुनौती है जिसकी जड़ें अर्थव्यवस्था, पहुंच और जागरूकता में हैं। एचडीएफसी बैंक परिवर्तन की सीआईईई फाउंडेशन के साथ साझेदारी ने इन तीनों पहलुओं को एक साथ संबोधित किया है। सहकारी टूल बैंकों के माध्यम से किसानों तक मशीनरी की पहुंच बनाकर, लगातार सामुदायिक जुड़ाव के ज़रिए व्यवहार में बदलाव लाकर, और बायोगैस व कम्पोस्टिंग जैसे एक्स-सीटू (खेत के बाहर) समाधान पेश करके, हमने एक ऐसा मॉडल तैयार किया है जो किसानों के लिए वास्तविक बचत के साथ-साथ पर्यावरणीय परिणाम भी देता है। विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर, हम इस प्रभाव को और आगे बढ़ाने की अपनी प्रतिबद्धता को दोहराते हैं। धान की कटाई के बाद पराली जलाना, उस गंभीर वायु प्रदूषण के मुख्य कारणों में से एक है जो हर सर्दियों में पूरे उत्तर भारत को अपनी चपेट में ले लेता है। इससे आम जनजीवन अस्त-व्यस्त हो जाता है और दिल व फेफड़ों की पुरानी बीमारियाँ और भी बढ़ जाती हैं। लगभग 1/3 एकड़ खेत में पैदा होने वाली एक टन धान की पराली को जलाने से वातावरण में तीन किलोग्राम पार्टिकुलेट मैटर (बारीक कण) घुल जाते हैं, साथ ही ज़मीन से ज़रूरी पोषक तत्व भी खत्म हो जाते हैं। 2025 में पंजाब और हरियाणा में पराली जलाने की घटनाओं में 53 फीसदी की कमी आने के बावजूद, छोटे और सीमांत किसानों को आज भी मशीनें हासिल करने और दो फसलों के बीच के कम समय में फसल के अवशेषों का प्रबंधन करने में कई मुश्किलों का सामना करना पड़ रहा है।अक्टूबर 2023 में लुधियाना में शुरू हुआ और 2024 में संगरूर और फतेहाबाद तक फैला, यह तीन साल का कार्यक्रम सीआईआई फाउंडेशन द्वारा 380 गांवों में लागू किया जा रहा है।

सैमसंग ने एआई पावर वाले रोज़ाना के हेल्थ कंपैनियन के लिए नए गैलेक्सी वॉच फीचर्स लॉन्च किए

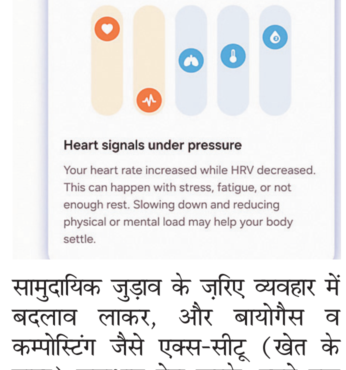

सेओल, एजेंसी। सैमसंग इलेक्ट्रॉनिक्स कंपनी लिमिटेड ने आज सैमसंग हेल्थ ऐप के लिए एक बड़े अपडेट की घोषणा की है, जो आने वाली गैलेक्सी वॉच को एक सक्रिय और समझदार हेल्थ पार्टनर में बदल देगा। 8 जून से सैमसंग इस ऐप अपडेट को रोल आउट करना शुरू कर देगा ताकि आगामी गैलेक्सी वॉच में मिलने वाले मुख्य हेल्थ फीचर्स की झलक दिखाई जा सके। यह अपडेट रात की नींद से लेकर दिनभर की गतिविधियों तक के जटिल बायोमेट्रिक डेटा को सरल और काम आने वाले सुझावों में बदलकर रोज़ाना के स्वास्थ्य प्रबंधन को बहुत आसान बना देता है। सैमसंग इलेक्ट्रॉनिक्स के मोबाइल एक्सपीरियंस बिजनेस में डिजिटल हेल्थ टीम के सीनियर वाइस प्रेसिडेंट और हेड, होन पाक ने कहा, सैमसंग हेल्थ ऐप अब गैलेक्सी वॉच द्वारा मापे गए हेल्थ डेटा को एआई आधारित जानकारियों से जोड़ने के लिए विकसित हो रहा है। इससे यूज़र्स अपनी शारीरिक और मानसिक स्थिति को अधिक आसानी से और बेहतर तरीके से समझ सकेंगे। सैमसंग इलेक्ट्रॉनिक्स कनेक्टेड गैलेक्सी इकोसिस्टम और डिजिटल हेल्थ इनोवेशन्स के आधार पर सक्रिय और व्यक्तिगत स्वास्थ्य प्रबंधन के अनुभवों का विस्तार करना जारी रखेगा।

कभी एक कप चाय खरीदने के नहीं होते थे पैसे, आज करोड़ों का कारोबार, छोटा सा आइडिया कर गया काम

नई दिल्ली: शशि भूषण रांची के रहने वाले हैं। उन्होंने हिम्मत और उद्यमशीलता की मिसाल पेश की है। कभी वह एक कप चाय खरीदने से पहले भी 100 बार सोचते थे। आज वह करोड़ों की एक्सपोर्ट कंपनी के मालिक हैं। इसका नाम येलॉन एक्सपोर्ट प्राइवेट लिमिटेड है। इस कंपनी के जरिये शशि ने ग्लोबल एक्सपोर्ट मार्केट में अपनी खास जगह बनाई है। यह कंपनी मसालों और हाइड्रेटेड (सूखे) सब्जियों के एक्सपोर्ट में माहिर है। इसकी नींव बहुत छोटे से आइडिया से पड़ी थी। आइए, यहां शशि भूषण की सफलता के सफर के बारे में जानते हैं।

शशि भूषण ने रांची से होटल मैनेजमेंट में ग्रेजुएशन किया है। उनके लिए थाईलैंड की एक कोर्स-विजिट के दौरान अंतरराष्ट्रीय बाजारों से शुरुआती परिचय बहुत अहम साबित हुआ। इसके बाद थाईलैंड और मलेशिया जैसे देशों की यात्राओं ने उन्हें बाजार में मौजूद एक कमी को पहचानने में मदद की।

शशि ने देखा कि मसाले बहुत ऊंची कीमतों पर बेचे जा रहे थे। अक्सर उनमें कोई खास वैल्यू एडिशन नहीं होता था। न ही उन्हें सही तरीकों से खरीदा जाता था। मांग और अवसर दोनों को पहचानकर उन्होंने जरूरी लाइसेंस लेने और निर्यात के कारोबार में उतरने का फैसला किया। यह छोटा सा आइडिया हिट हो गया।

आज शशि भूषण की कंपनी 25 से 30 तरह की हाइड्रेटेड सब्जयिों की पेशकश करती है। ये ऐसे प्रोडक्ट हैं जिन्हें पकाने के लिए बहुत कम तैयारी की जरूरत होती है। विदेशों की तेज-रफ्तार शहरी जीवनशैली में खास तौर पर इन्हें पसंद किया जाता है। भूषण को लगा कि लोगों के पास हमेशा सब्जियां खरीदने, धोने, काटने और पकाने का समय नहीं होता। हाइड्रेटेड सब्जियों के विकल्प के साथ बस पानी मिलाना होता है और वे तैयार हो जाती हैं।

उनके प्रोडक्ट रेंज में अदरक और लहसुन के पाउडर जैसी चीजें भी शामिल हैं। इनसे सिर्फ पांच मिनट में ही खाना तैयार किया जा सकता है। इसके अलावा इनमें सूखे टमाटर, पत्तागोभी, चुकंदर और गाजर से लेकर कई तरह की चटनियाँ और पिसे हुए मसाले भी हैं। इन्हें अंतरराष्ट्रीय बाजारों में भेजा जाता है।

स्थानीय किसानों से खरीदारी

शशि भूषण ये उत्पाद स्थानीय किसानों से खरीदते हैं। इससे एक ऐसी सप्लाई चेन बनती है जो न केवल ग्रामीण उत्पादकों को सहारा देती है। इसके बजाय विदेशों में बढ़ती मांग को भी पूरा करती है। विदेशों में ऐसे उत्पादों की बहुत मांग है। इन उत्पादों की लोकप्रियता का मुख्य कारण इस्तेमाल में आसानी है। हालांकि, भूषण का यहां तक का सफर आसान नहीं रहा है। एक साधारण पृष्ठभूमि से आने के कारण उन्हें अपनी पढ़ाई पूरी करने में काफी संघर्ष करना पड़ा।

फीफा विश्व कप

जर्मनी के मिरोस्लाव क्लोजे के नाम है सबसे ज्यादा मैच जीतने का रिकॉर्ड

नई दिल्ली । फीफा विश्व कप 2026 की शुरुआत 11 जून से हो रही है। विश्व कप के इस 23वें संस्करण की मेजबानी अमेरिका, कनाडा और मेक्सिको कर रहे हैं। इस बार सर्वाधिक 48 टीमें हिस्सा ले रही हैं और कुल 104 मैच खेले जाएंगे। फुटबॉल का इतिहास बेहतरीन खिलाड़ियों से भरा पड़ा है। कई ऐसे खिलाड़ी रहे हैं जिन्होंने विश्व कप में अपने दमदार प्रदर्शन से न सिर्फ अपनी टीमों को जीत दिलाई है, बल्कि पूरी दुनिया में अपना नाम बनाया है। फीफा विश्व कप में बतौर खिलाड़ी किसके नाम सर्वाधिक जीत दर्ज हैं।

जर्मनी के मिरोस्लाव क्लोजे के नाम फीफा विश्व कप में सबसे ज्यादा मैच जीतने का रिकॉर्ड है। क्लोजे ने जर्मनी के लिए 24 विश्व कप मैच खेले हैं जिसमें 17 जीत दर्ज की है। ब्राजील के काफू ने 20 मैचों में 16 जीत दर्ज की है। अर्जेंटीना के लियोनल मेसी ने 26 मैचों में 16 में जीत हासिल की है। काफू और मेसी संयुक्त रूप से दूसरे स्थान पर हैं। इसके बाद जर्मनी के वोल्फगैंग ओवरथ, ब्राजील के रोनाल्डो, जर्मनी के फिलिप लाम, बास्टियन श्वाइन्स्टाइगर और लोथार माथौस हैं। ओवरथ ने 19 मैचों में 15 जीत, रोनाल्डो ने 19 मैचों में 15 जीत, लाम ने 20 मैचों में 15 जीत, श्वाइन्स्टाइगर ने 20 मैचों में 15 जीत और माथौस ने 25 मैचों में 15 जीत हासिल की है। ब्राजील के लुसियो ने 17 मैचों में 14 जीत, जर्मनी के फ्रांज़ बेकेनबाउर ने 18 मैचों में 14 जीत, फ्रांस के ओलिवियर गिरौड ने 18 मैचों में 14 जीत, फ्रांस के एंटोनी ग्रीजमैन ने 19 मैचों में 14 जीत, जर्मनी के पेर मर्टेसैकर ने 19 मैचों में 14 जीत, फ्रांस के ह्यूगो लोरिस ने 20 मैचों में 14 जीत, इटली के पाओलो मालदिनी ने 23 मैच खेलते हुए 14 जीत हासिल की है।

'दाऊद IPL में फिक्सिंग चाहता था, मेरे बेटे का अपहरण कराया'

ललित मोदी का बड़ा खुलासा

नई दिल्ली। इंडियन प्रीमियर लीग के पूर्व कमिश्नर ललित मोदी ने अपने इंटरव्यू में कई गंभीर आरोप लगाए हैं। उन्होंने इस बात का खुलासा किया है कि दाऊद इब्राहिम की तरफ से उनको धमकियां मिली थीं। वहीं 62 वर्षीय मोदी ने यह भी बताया कि उनके ऊपर तीन जानलेवा हमले के प्रयास भी हुए थे। इतना ही नहीं लंदन में उनके बेटे का अपहरण भी करवाया गया था। एएनआई से बात करते हुए ललित मोदी ने बताया, 'यही सबसे बड़ा कारण है। उसने (दाऊद इब्राहिम ने) मेरे ऊपर तीन बार जानलेवा हमले के प्रयास करवाए थे। दाऊद ने खुद यह कहा था। वह तीन बार चूक गया। कारण यह था कि मैंने उसकी मैच फिक्स करवाने की बात नहीं मानी। अगर आप पहले तीन साल देखें जब तक मैंने मैनेजमेंट संभाला, तब तक कतई फिक्सिंग नहीं हुई। यही माफिया के द्वारा पसंद नहीं किया गया।'

ललित मोदी ने आगे कहा, 'लेकिन इसका प्रमुख कारण था कि उसने सोचा था कि मैं आईपीएल 2 (2009) से हट जाऊंगा। कई शर्तें लगी थीं कि आईपीएल 2009 नहीं होगा। बॉम्बे पुलिस के पास हर बात की रिकॉर्डिंग है। बॉम्बे पुलिस ने मुझें सिक्योरिटी भी दी थी।

सचिन नंबर 1, सहवाग से आगे यशस्वी

टेस्ट में एक कैलेंडर वर्ष में सबसे ज्यादा रन बनाने वाले टॉप-10 भारतीय

नई दिल्ली (एजेंसी)। आईपीएल 2026 के समाप्त होने के बाद अब भारतीय टीम अफगानिस्तान के खिलाफ एक मैच की टेस्ट सीरीज खेलने जा रही है। 6 जून से शुरू होने वाले इस टेस्ट मैच में भारत को जीत का फेवरेट माना जा रहा है। हालांकि अफगानिस्तान की भी कोशिश होगी कि वो भारत को कड़ी टक्कर दे, लेकिन ये टीम किस हद तक इसमें सफल हो पाती है इस पर निगाहें रहने वाली है। अब इस टेस्ट सीरीज से पहले आपको बता दें कि भारत की तरफ से टेस्ट में एक कैलेंडर वर्ष में सबसे ज्यादा रन बनाने वाले टॉप-10 भारतीय बैटर कौन हैं।

सचिन तेंदुलकर के नाम है सबसे ज्यादा रन

भारत की तरफ से टेस्ट क्रिकेट में अगर एक कैलेंडर वर्ष में सबसे ज्यादा रन बनाने वाले बल्लेबाजों की बात करें तो इसमें पहले स्थान पर सचिन तेंदुलकर हैं जिन्होंने साल 2010 में 1562 रन बनाए थे। वहीं इस लिस्ट में दूसरे नंबर पर यशस्वी जायसवाल हैं जिन्होंनें साल 2024 में 1478 रन बनाकर वीरेंद्र सहवाग को पीछे छोड़ा था। सहवाग इस लिस्ट में तीसरे और चौथे नंबर पर मौजूद हैं। सहवाग ने साल 2008 में 1462 रन बनाए थे जबकि साल 2010 में टेस्ट में सहवाग के बल्ले से कुल 1422 रन निकले थे। इस लिस्ट में सुनील गावस्कर 5वें नंबर पर हैं जिन्होंने साल 2002 में 1407 रन बनाए थे जबकि सचिन तेंदुलकर ने साल 2002 में 1392 रन बनाए थे और वो छठे स्थान पर भी हैं। गुंडप्पा विश्वनाथ इस सूची में सातवें नंबर पर हैं जिन्होंने साल 1979 में कुल 1388 रन बनाए थे। राहुल द्रविड़ 8वें स्थान पर हैं जिन्होंने साल 2002 में 1357 रन एक कैलेंडर वर्ष में बनाए थे जबकि विराट कोहली ने साल 2018 में 1322 रन बनाए थे और 9वें स्थान पर मौजूद हैं।

टेस्ट में एक कैलेंडर वर्ष में सबसे ज्यादा रन बनाने वाले भारतीय बैटर

- सचिन तेंदुलकर– 1562 रन, 2010
- वीरेंद्र सहवाग– 1462 रन, 2008
- सुनील गावस्कर– 1407 रन, 1979
- गुंडप्पा विश्वनाथ– 1388 रन, 1979
- विराट कोहली– 1322 रन, 2018
- यशस्वी जायसवाल– 1478 रन, 2024
- वीरेंद्र सहवाग– 1422 रन, 2010
- सचिन तेंदुलकर– 1392 रन, 2002
- राहुल द्रविड़– 1357 रन, 2002
- सुनील गावस्कर– 1310 रन, 1983

चंढीगढ़ में आज एकमात्र टेस्ट में भारत और अफगानिस्तान की भिड़ंत

नई दिल्ली । भारत और अफगानिस्तान के बीच एकमात्र टेस्ट मैच का आगाज शनिवार से होगा। दोनों टीमों के बीच यह मुकाबला मुल्लांपुर के महाराजा यादविंद्र सिंह अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट स्टेडियम में खेला जाएगा। शुभमन गिल की कप्तानी में भारतीय टीम इस मुकाबले में दमदार प्रदर्शन करने के इरादे से मैदान पर उतरेगी। वहीं, अफगानिस्तान भी क्रिकेट के सबसे लंबे फॉर्मेट में भारत को कड़ी टक्कर देना चाहेगी। भारत और अफगानिस्तान के बीच अब तक महज एक टेस्ट मैच खेला गया है। यह टेस्ट मैच साल 2018 में बेंगलुरु में खेला गया था। भारतीय टीम ने बेहतरीन प्रदर्शन करते हुए इस टेस्ट को एक पारी और 262 रनों से अपने नाम किया था। हालांकि, पिछले 8 वर्षों में अफगानिस्तान की टीम काफी

मजबूत हुई है। एकमात्र टेस्ट मैच के लिए देवदत्त पडिक्कल को भी टीम में शामिल किया गया है। पडिक्कल का प्रदर्शन आईपीएल 2026 और घरेलू क्रिकेट में काफी शानदार रहा। सिर्फ पडिक्कल ही नहीं बल्कि कई युवा खिलाड़ियों को इस सीरीज के लिए मौका दिया गया है। मानव सुथार को पहली बार भारतीय टीम में शामिल किया गया है। इसके साथ ही तेज गेंदबाज गुरनूर बरार को भी टीम में जगह दी गई है।

एकमात्र टेस्ट के लिए दोनों टीम

- **भारतीय टीम का स्क्वॉड :** शुभमन गिल (कप्तान), यशस्वी जायसवाल, केएल राहुल (उप-कप्तान), साई सुदर्शन, ऋषभ पंत (विकेटकीपर), देवदत्त पडिक्कल, नीतीश कुमार रेड्डी, वॉशिंगटन सुंदर, कुलदीप यादव, मोहम्मद सिराज, प्रसिद्ध कृष्णा, मानव सुथार, गुरनूर बराडर, हर्ष दुबे और ध्रुव जुरेल (विकेटकीपर)।
- **अफगानिस्तान टीम का स्क्वॉड :** हशमतुल्लाह शाहिदी (कप्तान), अफसर जजई (विकेटकीपर), इकराम अलीखिल (विकेटकीपर), अब्दुल मलिक, सेदिकुल्लाह अटल, रहमत शाह, रहमानुल्लाह गुरबाज, रहमानुल्लाह जादरान, अजमतुल्लाह उमरजई, शराफुदीन अशरफ, नांग्याल खारोताई, कैस अहमद, बिलाल सामी, जिया शरीफी और सलीम सफी।

साई सुदर्शन वर्ल्ड क्लास खिलाड़ी, हम उन्हें पर्याप्त मौके देंगे: गौतम गंभीर

चंडीगढ़ (एजेंसी)। टीम इंडिया के हेड कोच गौतम गंभीर ने साफ कर दिया है कि भारतीय टीम साई सुदर्शन को अभी पर्याप्त मौके देगी। गंभीर का कहना है कि

सुदर्शन एक वर्ल्ड क्लास खिलाड़ी हैं और वह हाल ही में आईपीएल 2026 में 700 से ज्यादा रन बनाकर आ रहे हैं। गंभीर के बयान के बाद यह लगभग तय हो गया है कि अफगानिस्तान के खिलाफ होने वाले एकमात्र टेस्ट मैच में नंबर तीन की पोजीशन पर सुदर्शन ही खेलते दिखाई देंगे। प्रेस कॉन्फ्रेंस में बात करते हुए गंभीर ने कहा, 'मेरा हमेशा से मानना है कि किसी भी खिलाड़ी को अपनी काबिलियत साबित करने के लिए पर्याप्त मौके मिलने चाहिए। साई सुदर्शन खराब फॉर्म में नहीं हैं और वह आईपीएल 2026 में 700 से अधिक रन बनाकर आ रहे हैं। अगर हम किसी खिलाड़ी को 4 या 5 पारियों के आधार पर जज करेंगे, तो हम टीम तैयार नहीं कर पाएंगे।' हेड कोच ने आगे कहा, 'ऐसा नहीं है कि हम अगर एक खिलाड़ी को 5 मुकाबले में आजमाएंगे, तो दूसरे को सिर्फ एक या दो मुकाबलों में मौका देंगे। हालांकि, अभी हम साई सुदर्शन के साथ जाना चाहते हैं और उन्हें पर्याप्त मौके देना चाहते हैं। वह एक वर्ल्ड क्लास खिलाड़ी हैं और मुझे पूरी उम्मीद है कि वह शानदार प्रदर्शन करके दिखाएंगे।'

तीसरी बार दूल्हा बनने जा रहे हैं आमिर खान! 5 जुलाई को गौरी स्प्रैट संग कर सकते हैं शादी

बॉलीवुड के 'मिस्टर परफेक्शनिस्ट' आमिर खान एक बार फिर अपनी निजी जिंदगी को लेकर चर्चा में हैं। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, आमिर खान अपनी गर्लफ्रेंड गौरी स्प्रैट के साथ तीसरी शादी करने जा रहे हैं। बताया जा रहा है कि दोनों 5 जुलाई को विवाह बंधन में बंध सकते हैं। आमिर के करीबी सूत्रों के अनुसार, यह शादी बेहद सादगीपूर्ण तरीके से की जाएगी। दोनों परिवार के सदस्यों और कुछ करीबी दोस्तों की मौजूदगी में घर पर ही रजिस्टर्ड मैरिज करेंगे। रिपोर्ट्स में यह भी दावा किया गया है कि शादी के बाद फिल्म इंडस्ट्री के लिए किसी भव्य रिसेप्शन का आयोजन नहीं किया जाएगा। हालांकि, इस संबंध में अभी तक कोई आधिकारिक घोषणा नहीं की गई है। रिश्ते को सार्वजनिक करने के बाद से गौरी स्प्रैट कई मौकों पर आमिर खान के साथ नजर आ चुकी हैं। गौरी एक सात वर्षीय बेटे की मां हैं। बताया जाता है कि आमिर और गौरी लगभग 25 वर्षों से एक-दूसरे को जानते हैं और लंबे समय तक दोस्त रहने के बाद दोनों ने अपने रिश्ते को नया नाम देने का फैसला किया।

टाइगर श्रॉफ और विद्युत जामवाल साथ करेंगे फिल्म, मिलेगा एक्शन का डबल डोज

'बागी' फ्रैंचाइज की फिल्मों के जरिए टाइगर श्रॉफ ने दर्शकों के बीच अपने लिए एक खास जगह बनाई है। वहीं 'कमांडो' फेम एक्टर विद्युत जामवाल भी अपने जबरदस्त एक्शन के लिए फिल्मों में जाने जाते हैं। अब यह दोनों ही एक साथ फैंस को बड़े पर्दे पर नजर आ सकते हैं। जानिए, यह दोनों किस फिल्म प्रोजेक्ट का हिस्सा बन रहे हैं। टाइगर श्रॉफ और विद्युत जामवाल ने एक पोस्ट इंस्टाग्राम पर फैंस के साथ शेयर की। इस पोस्ट में एआई इमेज से पोस्टर बनाया गया था, जिसमें दोनों एक्टर्स नजर आ रहे हैं। पोस्टर पर लिखा, 'दो लीजेंड, एक एपिक शोडाउन'। साथ ही टाइगर श्रॉफ वर्सेस विद्युत भी लिखा है। पोस्टर में दोनों एक्शन मोड में दिखाई दे रहे हैं। इस प्रोजेक्ट या फिल्म को टी-सीरीज पेश करेगा, इस बात का जिक्र भी पोस्टर पर किया गया है। इससे ज्यादा कोई जानकारी पोस्टर पर साझा नहीं की गई। फिल्म के नाम का भी जिक्र नहीं है। दोनों एक्टर्स के पोस्टर शेयर करने के बाद फैंस के बीच हलचल बढ़ गई।

सबसे अहम सीख फिल्म 'वीर-जारा' में काम करते हुए मिली

वेब सीरीज 'चिरैया' को लेकर चर्चा में आईं दिव्या दत्ता ने कहा- क्टरों के परिवार से होने के बावजूद हमेशा से पिक्चर साफ थी कि मुझे ऐक्टिंग इंडस्ट्री का रास्ता चुनना है। उन्होंने कहा- सबसे अहम सीख फिल्म वीर-जारा में शाहरुख खान के साथ काम करते हुए मिली।

कई कलाकार अपने किरदारों से पहचाने जाते हैं लेकिन दिव्या दत्ता उन चेहरों में से हैं, जो हर किरदार में खुद को थोड़ा-थोड़ा छोड़ती चली जाती हैं। लुधियाना की सादगी से लेकर सिनेमा की गहराइयों तक उनका सफर किसी शोर का नहीं बल्कि एक शांत भरोसे का रहा है, दिल की सुनने का भरोसा। उनके लिए अभिनय सिर्फ संवाद नहीं, खामोशियों को महसूस करने की कला है। फैसले हों या किरदार, वे आज भी उसी रास्ते पर चलती हैं, जहां दिमाग से पहले दिल जवाब देता है और शायद यही उन्हें अलग बनाता है। लखनऊ में शूट हुई वेब सीरीज 'चिरैया' के लिए शहर आई दिव्या दत्ता से खास बातचीत।

दिल से बड़ा मेरा कोई साथी नहीं

लुधियाना में पली-बढ़ी दिव्या दत्ता कहती हैं कि मैंने अपने घर से बहुत कुछ सीखा है लेकिन कई बातें वक्त के साथ समझ में आती हैं। फिल्मों और शोज को चुनते समय मैं सिर्फ दिल की सुनती हूं। मुझे लगता है कि जो काम मैं दिल से करूंगी, वही मुझे आगे बढ़ने का मौका देगा। मेरे फैसले पहले भी दिल से होते थे और आज भी वही तरीका है क्योंकि दिल से बड़ा कोई साथी नहीं होता है। यही वजह है कि डॉक्टरों के परिवार से होने के बावजूद हमेशा से पिक्चर साफ थी कि मुझे ऐक्टिंग इंडस्ट्री का रास्ता चुनना है। मैं खुद को खुशकिस्मत भी मानती हूं कि मां ने मुझे अपनी पसंद चुनने की पूरी आजादी दी थी।

माहौल इंसानी और सम्मानजनक हो

मैंने कई अनुभवी कलाकारों के साथ काम करते हुए बहुत कुछ सीखा है। हालांकि, मुझे सबसे अहम सीख फिल्म वीर-जारा में शाहरुख खान के साथ काम करते हुए मिली। उस वक्त मुझे कैमरा एंगल्स का ज्यादा आइडिया नहीं था। उन्होंने खुद मुझे सही जगह पर खड़े होने में मदद की। वह इतने बड़े सुपरस्टार हैं, उन्हें क्या जरूरत थी मेरे लिए आगे आने की पर वो आए। उन्होंने यह भी कहा था कि मैं हर जगह मौजूद नहीं रहूंगा तो तुम्हें चीजें अपने हिसाब से बेहतर करनी होंगी। मुझे यह बात हमेशा याद रही। आज अगर मैं सीनियर हो गई हूं तो कोशिश करती हूं कि नए लोगों की जितनी मदद कर सकूं, करूं। सबसे जरूरी बात यही है कि सेट पर लोग एक-दूसरे के साथ कंफर्टेबल महसूस करें। काम तभी अच्छे से होता है, जब माहौल इंसानी और सम्मानजनक हो।

भीतर का शांत जागरण है

चिरैया किसी लाउड विद्रोह की कहानी नहीं है बल्कि भीतर होने वाले एक शांत जागरण की बात करती है। हर दृश्य का अपना स्वभाव होता है। कभी कुछ कहना जरूरी होता है और कभी बिल्कुल शांत रहना। सब कुछ सीन के पूरे ढांचे पर निर्भर करता है। जैसे सीन की मांग होती है, वैसा ही भाव अपनाया जाता है। कहीं शब्द जरूरी होते हैं, कहीं खामोशी ही सबसे बड़ा संवाद बन जाती है। मुझे लगता है कि सवाल से ज्यादा जरूरी है उसे कहने का तरीका।बात किस शांति से, किस प्यार से और किस सम्मान के साथ कही जाती है, यही फर्क पैदा करता है। 'शादी कोई लाइसेंस नहीं है' जैसे संवाद सवाल जरूर उठाते हैं, लेकिन किसी को नीचा दिखाने के लिए नहीं बल्कि सोचने के लिए मजबूर करने के इरादे से।

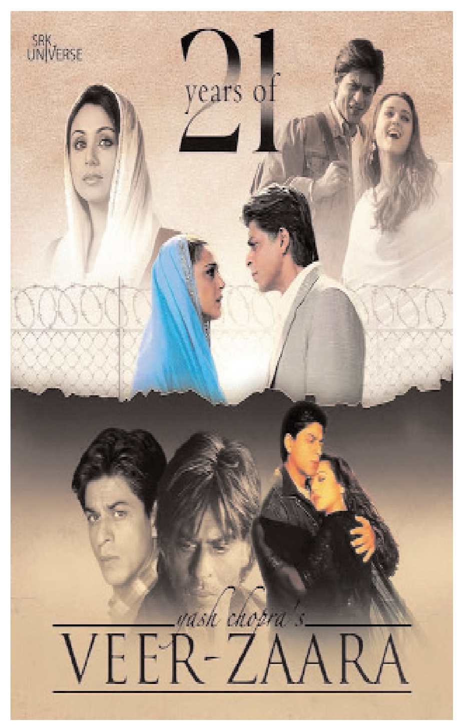

क्रिकेट को रूस में प्रोत्साहित करेगा फेडरेशन

भोपाल। फेडरेशन ऑफ मध्य प्रदेश चेम्बर्स ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री (एफएमपीसीसीआई) तथा स्मोलेंस्क रीजन क्रिकेट फेडरेशन, रूस के मध्य आज प्रस्तावित भोपालङ्कस्मोलेंस्क सिस्टर सिटी परियोजना के अंतर्गत एक एकीकृत क्रिकेट इकोसिस्टम के विकास हेतु एक महत्वपूर्ण समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए गए।

एमओयू पर एफएमपीसीसीआई के अध्यक्ष हिमांशु खरे तथा स्मोलेंस्क रीजन क्रिकेट फेडरेशन, रूस के अध्यक्ष एवगेनी अनातोलियेविच ज़ाखारचेंकोव द्वारा हस्ताक्षर किए गए। यह एमओयू प्रस्तावित भोपालङ्कस्मोलेंस्क सिस्टर सिटी परियोजना की पहली प्रमुख उपलब्धियों में से एक है। इस परियोजना हेतु आशय पत्र पर मई 2025 में भोपाल एवं स्मोलेंस्क के महापौरों द्वारा हस्ताक्षर किए गए थे, जिसके माध्यम से दोनों शहरों के बीच संस्कृति, शिक्षा, खेल, पर्यटन, व्यापार एवं आर्थिक विकास के क्षेत्रों में सहयोग बढ़ाने की प्रतिबद्धता व्यक्त की गई थी। भारत में तीव्र गति से विकसित हो रही खेल अर्थव्यवस्था तथा मध्य प्रदेश में खेल आधारित आर्थिक गतिविधियों की बढ़ती संभावनाओं को ध्यान में रखते हुए यह पहल क्रिकेट विकास, खेल उद्यमिता, कौशल विकास, तकनीकी नवाचार, खेल पर्यटन तथा अंतरराष्ट्रीय व्यापारिक अवसरों को बढ़ावा देने के उद्देश्य से की गई है।

इस पहल के अंतर्गत एफएमपीसीसीआई, स्मोलेंस्क रीजन क्रिकेट फेडरेशन के लिए नॉलेज एवं इकोसिस्टम डेवलपमेंट पार्टनर के रूप में कार्य करेगा तथा क्रिकेट एवं उससे जुड़े उद्योगों के विभिन्न हितधारकों के बीच सहयोग को प्रोत्साहित करेगा। इस अवसर पर एफएमपीसीसीआई के अध्यक्ष हिमांशु खरे ने कहा यह साझेदारी केवल क्रिकेट तक सीमित नहीं है, बल्कि यह दोनों क्षेत्रों के उद्योगों, शैक्षणिक संस्थानों, खेल विशेषज्ञों, उद्यमियों और युवाओं को जोड़ने का एक अनूठा अवसर है। भोपालङ्कस्मोलेंस्क सिस्टर सिटी परियोजना के माध्यम से हमारा लक्ष्य एक वैश्विक स्तर पर जुड़ा हुआ खेल इकोसिस्टम विकसित करना है, जो नवाचार, रोजगार, निवेश और अंतरराष्ट्रीय सहयोग को बढ़ावा दे।स्मोलेंस्क रीजन क्रिकेट फेडरेशन के अध्यक्ष एवगेनी अनातोलियेविच ज़ाखारचेंकोव ने कहा यह एमओयू स्मोलेंस्क और मध्य प्रदेश के बीच खेल सहयोग के एक नए अध्याय की शुरुआत है। भारत क्रिकेट का वैश्विक केंद्र है और हम उसके अनुभवों से सीखते हुए रूस में खिलाड़ियों, प्रशिक्षकों, संस्थानों और व्यवसायों के लिए नए अवसर विकसित करने की आशा रखते हैं। यह साझेदारी दोनों क्षेत्रों के बीच जन-से-जन संपर्क को मजबूत करेगी और दीर्घकालिक सहयोग का मार्ग प्रशस्त करेगी।

यह पहल स्टार्टअप्स, खेल पेशेवरों, शैक्षणिक संस्थानों, निर्माताओं, तकनीकी कंपनियों तथा निवेशकों के लिए नए अवसर सृजित करेगी तथा रोजगार सृजन, युवा सहभागिता, नवाचार और खेल आधारित आर्थिक विकास को गति प्रदान करेगी। यह एमओयू भोपालङ्कस्मोलेंस्क सिस्टर सिटी परियोजना की व्यापक परिकल्पना को और अधिक सशक्त बनाता है तथा भारत और रूस के बीच सांस्कृतिक, शैक्षणिक, खेल एवं आर्थिक सहयोग को नई ऊंचाइयों तक ले जाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। एफएमपीसीसीआई एवं स्मोलेंस्क रीजन क्रिकेट फेडरेशन ने संयुक्त रूप से शैक्षणिक संस्थानों, खेल संगठनों, कॉर्पोरेट क्षेत्र, उद्यमियों, निर्माताओं, स्टार्टअप्स तथा अन्य इकोसिस्टम भागीदारों को इस अंतरराष्ट्रीय पहल में सहभागी बनने का आमंत्रण दिया है।

सहयोग के प्रमुख क्षेत्र

- क्रिकेट उपकरण एवं खेल अवसंरचना निर्माताओं के लिए विक्रेता विकास एवं नेटवर्किंग
- क्रिकेट कोच, प्रशिक्षक, अकादमियों एवं खेल विशेषज्ञों के साथ सहयोग
- आईटी अवसंरचना, स्पोर्ट्स एनालिटिक्स एवं डिजिटल स्पोर्ट्स समाधानों का विकास एवं एकीकरण
- स्कूलों, महाविद्यालयों, विश्वविद्यालयों एवं कॉर्पोरेट संस्थानों के साथ साझेदारी
- खेल उद्यमिता, नवाचार एवं स्टार्टअप इकोसिस्टम को प्रोत्साहन
- क्रिकेट लीग, प्रतियोगिताओं, एक्सचेंज कार्यक्रमों एवं स्पोर्ट्स टूरिज्म गतिविधियों का आयोजन
- भारत एवं रूस के मध्य ज्ञान एवं अनुभवों का आदान-प्रदान
- खेल विनिर्माण, मीडिया, मर्चेंडाइजिंग, फिटनेस सेवाओं, प्रतिभा प्रबंधन एवं संबंधित क्षेत्रों में अवसरों का विकास

अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के उपलक्ष्य में योग धर्म साधना केंद्र आयोजित करेगा शिविर

भोपाल, नप्र। राजधानी के कोलार रोड स्थित स्वर्ण जयंती पार्क में योग धर्म साधना केंद्र द्वारा आगामी अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के उपलक्ष्य में 28 मई से 14 जून तक एक भव्य योग शिविर का आयोजन किया जा रहा है। इसी श्रृंखला में आगामी 7 जून को महिलाओं के कल्याण हेतु एक विशेष व्याख्यान माला का आयोजन किया जाएगा। इस गरिमामयी कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में सम्मिलित होने के लिए योग धर्म साधना केंद्र के एक विशेष प्रतिनिधिमंडल ने आज मध्य प्रदेश राज्य योग आयोग के आदरणीय अध्यक्ष श्री राघवेंद्र शर्मा जी के निवास पर उनसे सौजन्य भेंट की। प्रतिनिधिमंडल ने उन्हें केंद्र की विगत 18 वर्षों की निरंतर गतिविधियों, निःशुल्क सेवा कार्यों और वर्तमान में चल रहे प्रशिक्षण शिविर की विस्तृत जानकारी दी। साथ ही, उन्हें 7 जून को होने वाले विशेष सेमिनार में मुख्य अतिथि के रूप में पधारने का आदरपूर्वक आमंत्रण पत्र सौंपा।

आयोजन के लिए डेटा आधारित विमर्श की रूपरेखा तैयार करेंगे: मनोज मीक

राजधानी भोपाल के विकास पर संयुक्त सेमिनार करेगा क्रेडाई, कलेक्टर ने सौंपा एजेंडा तैयार करने का जिम्मा

कलेक्टर से मिला क्रडाई प्रतिनिधिमंडल

भोपाल, नप्र। राजधानी भोपाल के नियोजित विकास से जुड़े मुद्दों को लेकर क्रेडाई भोपाल का प्रतिनिधिमंडल गुरुवार को अध्यक्ष मनोज सिंह मीक के नेतृत्व में नवनियुक्त कलेक्टर भोपाल प्रियंक मिश्रा से मिला। प्रतिनिधिमंडल ने कहा कि भोपाल में लंबे समय से नया मास्टर प्लान लागू नहीं होने के कारण उपयोगी लैंड यूज़ सीमित हो गए हैं। इसका असर वैध कॉलोनी विकास, अफोर्डेबल हाउसिंग, संगठित डेवलपर्स और आम निवेशकों पर पड़ रहा है।

शहर की परिधि और ग्रामीण क्षेत्रों में बिना सक्षम स्वीकृति छोटे प्लॉटिंग प्रोजेक्ट, फार्म हाउस योजनाएं और अवैध कॉलोनियां तेजी से बढ़ रही हैं। इससे नागरिकों को भविष्य में सड़क, पेयजल, सीवेज, बिजली, उद्यान, सामुदायिक सुविधाओं और कानूनी स्वामित्व से जुड़े गंभीर संकटों का सामना करना पड़ सकता है।क्रेडाई ने कलेक्टर से आग्रह किया कि जिले में इस तरह की अवैध कॉलोनियों का विशेष सर्वे करवाकर रोक लगाई जाए। टाउन एंड कंट्री प्लानिंग, राजस्व विभाग, नगर निगम और संबंधित निकायों की संयुक्त टीम बनाकर नियमित निरीक्षण की व्यवस्था हो। अवैध परियोजनाओं के विज्ञापन, विक्रय और पंजीयन में शामिल व्यक्तियों व संस्थाओं के विरुद्ध वैधानिक कार्रवाई की जाए। आम नागरिकों की सुरक्षा के लिए स्वीकृत कॉलोनियों की सार्वजनिक सूची और अवैध कॉलोनियों की शिकायत के लिए विशेष पोर्टल या हेल्पलाइन नंबर जारी करने का भी सुझाव दिया गया।

बैठक में डिजिटल भू-नक्शों और वास्तविक सीमांकन में अंतर से पैदा हो रहे भूमि विवादों का मुद्दा भी उठाया गया। प्रतिनिधिमंडल ने कहा कि डिजिटल नक्शों की त्रुटियों से जमीनों के सीमांकन, नामांतरण, लेआउट, बैंक फाइनेंस और परियोजना स्वीकृति में अनावश्यक देरी हो रही है। कलेक्टर ने डिजिटल सीमांकन व्यवस्था को बेहतर करने और संबंधित स्तर पर सुधारात्मक कार्यवाही की बात कही। कलेक्टर भोपाल ने राजधानी के समुचित विकास के लिए सभी संबंधित विभागों, सामाजिक, व्यापारिक और औद्योगिक संगठनों, प्रभावशाली नागरिकों तथा विशेषज्ञों की भागीदारी से एक संयुक्त सेमिनार आयोजित करने का सुझाव दिया। इस सेमिनार में नगर निगम, स्मार्ट सिटी, नगरीय विकास विभाग, टाउन एंड कंट्री प्लानिंग, वन विभाग, जनगणना, राजस्व विभाग और अन्य संबंधित एजेंसियों की उपस्थिति में भोपाल के विकास, सुधार और समाधान से जुड़े विषयों पर डेटा आधारित विचार-विमर्श किया जाएगा। क्रेडाई को प्रशासन के साथ मिलकर विषय-बिंदु तैयार करने और सेमिनार की रूपरेखा बनाने की जिम्मेदारी दी गई। बैठक में एयरपोर्ट के समक्ष राजा भोज की विद्वता, सौंदर्य और व्यक्तित्व के अनुरूप प्रतिमा स्थापित करने के प्रस्ताव पर भी चर्चा हुई। मनोज मीक ने कलेक्टर को राजा भोज का ग्रंथ 'समरांगण सूत्रधार' भेंट किया और उसमें वर्णित नगर नियोजन, जल प्रबंधन और राजधानी निर्माण से जुड़े संदर्भों से अवगत कराया। प्रतिनिधिमंडल ने राजा भोज की नवीनतम अर्थपूर्ण प्रतिमा भी कलेक्टर को भेंट की, जो उनके नगर नियोजन, जल प्रबंधन और सांस्कृतिक दृष्टिकोण को प्रतीकात्मक रूप से सजीव करती है।

राज्य के क्रमिक नगरीय विकास को शोकेस करने तथा क्रेडाई के कार्यालय हेतु भूमि आवंटन के लंबित प्रकरण पर भी चर्चा हुई। यह प्रस्ताव वर्ष 2024-25 में नगरीय विकास विभाग के उच्च स्तर से आगे बढ़ाया गया था और प्रकरण कलेक्टर कार्यालय में प्रक्रियाधीन है। कलेक्टर ने इस विषय को एडीएम श्री सुमित पांडे के माध्यम से परीक्षण कराने का आश्वासन दिया। क्रेडाई को वृक्षारोपण के लिए उपयुक्त भूमि उपलब्ध कराने पर भी सकारात्मक चर्चा हुई। मनोज मीक ने कहा कि भोपाल के विकास को अब अलग-अलग विभागीय मुद्दों के रूप में नहीं देखा जा सकता। मास्टर प्लान, मेट्रोपॉलिटन रीजन, वैध कॉलोनाइजेशन, डिजिटल भू-नक्शा, राजधानी की सकारात्मक पहचान, राजा भोज की विरासत और नागरिक सुविधाओं को एक समग्र राजधानी एजेंडा के रूप में जोड़ना होगा। हम सेमिनार के लिए डेटा आधारित विमर्श की रूपरेखा तैयार करेंगे। प्रतिनिधिमंडल में क्रेडाई भोपाल के सचिव सुनील गुप्ता, शिवनव प्रधान, रौनक सहिता और आकाश झिंगन शामिल रहे।

भोपाल मंडल में किन्नरों के विरुद्ध रेलवे सुरक्षा बल का विशेष सघन अभियान, 346 पर कार्रवाई

भोपाल, नप्र।

रेल यात्रियों से लगातार प्राप्त हो रही शिकायतों तथा रेलवे परिसरों एवं ट्रेनों में यात्रियों की सुरक्षा, सुविधा एवं निर्बाध यात्रा सुनिश्चित करने के उद्देश्य से रेल सुरक्षा बल, भोपाल मंडल द्वारा विशेष सघन अभियान चलाया गया। यह अभियान डीआरएम श्री पंकज त्यागी के मार्गदर्शन एवं वरिष्ठ मंडल सुरक्षा आयुक्त डॉ. अभिषेक के निर्देशन में मंडल के सभी आरपीएफ पोस्टों द्वारा संचालित किया गया।

अभियान के दौरान रेलवे स्टेशनों एवं ट्रेनों में यात्रियों को अनावश्यक रूप से परेशान कर धन की मांग करने, जबरन वसूली करने तथा यात्रा में व्यवधान उत्पन्न करने जैसी गतिविधियों की रोकथाम हेतु व्यापक स्तर पर जांच एवं निगरानी की गई। इसी क्रम में वर्ष 2026 के पांच माह में कार्रवाई के दौरान ऐसे कुल 346 किन्नरों को पकड़ा गया, जिनके विरुद्ध रेलवे अधिनियम की प्रासंगिक धाराओं के अंतर्गत विधिसम्मत कार्रवाई करते हुए 2 लाख 15 हजार 7 सौ पैतीस रूपये जुर्माना वसूल किया गया जबकि केवल मई माह में 39 किन्नरों के विरुद्ध करवाई कर 29 हजार 1 सौ अस्सी रूपये जुर्माना राशि वसूल किया गया। रेल सुरक्षा बल द्वारा मंडल के सभी पोस्टों को निर्देशित किया गया है कि वे ऐसे मामलों में सतत निगरानी रखें, नियमित जांच अभियान संचालित करें तथा यात्रियों से प्राप्त शिकायतों पर त्वरित एवं प्रभावी कार्रवाई सुनिश्चित करें। रेलवे प्रशासन यात्रियों को सुरक्षित, सुविधाजनक एवं भयमुक्त यात्रा वातावरण उपलब्ध कराने के लिए प्रतिबद्ध है। वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक श्री सौरभ कटारिया ने बताया कि यात्रियों की सुरक्षा एवं सुविधा को प्रभावित करने वाली गतिविधियों के विरुद्ध ऐसे विशेष अभियान आगे भी निरंतर जारी रहेंगे। रेल सुरक्षा बल यात्रियों से भी अपील करता है कि किसी भी प्रकार की असुविधा, जबरन धन मांगने अथवा संदिग्ध गतिविधि की सूचना तत्काल रेलवे हेल्पलाइन 139 अथवा निकटतम आरपीएफ कर्मी को दें, ताकि शीघ्र कार्रवाई की जा सके।

हिंदी पत्रकारिता के द्विशताब्दी वर्ष पर दिये सम्मान

पांच राज्यों के 44 साहित्यकार, संपादक, पत्रकार हुए सम्मानित

भोपाल, नप्र। एक सराहनीय पहल करते हुए सामाजिक साहित्यिक आध्यात्मिक संस्था दृष्टि, गुना ने हिंदी पत्रकारिता के द्विशताब्दी वर्ष के उपलक्ष्य में साहित्यिक पत्रिका समागम और सम्मान समारोह आयोजित किया। बुधवार,तीन जून को हुए कार्यक्रम में साहित्य अकादमी,संस्कृति विभाग भोपाल के निदेशक डॉ. विकास दवे मुख्य अतिथि थे। भोपाल के साहित्यकार दिनेश प्रभात, श्री घनश्याम मैथिल ÷अमृत÷, श्री नरेंद्र दीपक ,अशोक मनवानी, ऋषि श्रृंगारी,डॉ राम वल्लभ आचार्य,सुनील चतुर्वेदी,कुमार सुरेश, दीपक पगारे और विनीता प्रजापति भी सम्मानित हुए।

फिरोजाबाद निवासी वरिष्ठ साहित्यकार डॉ. रामसनेही लाल शर्मा 'यायावर' ने अध्यक्षता की। कार्यक्रम के मुख्य वक्ता थे खंडवा निवासी प्रख्यात ललित निबंधकार डॉ. श्रीराम परिहार । नीलम कुलश्रेष्ठ ने सरस्वती वंदना प्रस्तुत की। स्वस्ति वाचन डॉ. शोभा सिंह ने तथा विषय प्रवेश डॉ. सतीश चतुर्वेदी 'शाकुन्तल' ने किया।

कई दशक से गरिमामय आयोजनों को संपन्न करवाने वाली गुना की प्रतिष्ठित संस्था दृष्टि के अध्यक्ष अनिरुद्ध सिंह सेंगर ने संस्था का परिचय दिया। इस अवसर पर हिंदी पत्रकारिता के द्विशताब्दी वर्ष पर प्रकाशित स्मारिका 'वैभव' सहित मधुर कुलश्रेष्ठ के उपन्यास 'अदृश्य' तथा संतोष परिहार की कृति 'जो हो न सका' का लोकार्पण भी अतिथियों ने किया। मुख्य अतिथि डॉ. विकास दवे ने कहा कि हिंदी पत्रकारिता के दो सौ वर्ष केवल इतिहास नहीं बल्कि भारतीय चिंतन, संस्कृति और समाज के विकास की गौरवगाथा हैं। आज आवश्यकता है कि युवा पीढ़ी पत्रकारिता के मूल्यों और सामाजिक सरोकारों को समझे तथा साहित्य और पत्रकारिता के बीच मजबूत सेतु का निर्माण करे।

अध्यक्षीय संबोधन में डॉ. श्रीराम परिहार ने कहा कि साहित्यिक पत्रिकाएं साहित्य की आत्मा हैं। विपरीत परिस्थितियों में भी पत्र-पत्रिकाओं का प्रकाशन करने वाले संपादक और साहित्यकार वास्तव में सांस्कृतिक चेतना के प्रहरी हैं। डॉ. रामसनेही लाल शर्मा 'यायावर' ने कहा कि हिंदी पत्रकारिता ने भारतीय समाज को जागृत करने और साहित्यिक चेतना को जन-जन तक पहुंचाने में ऐतिहासिक भूमिका निभाई है। साहित्यिक पत्रिकाएं आज भी वैचारिक संवाद और सृजनशीलता की महत्वपूर्ण वाहक हैं। कार्यक्रम में मध्य प्रदेश, उत्तर प्रदेश, राजस्थान, महाराष्ट्र, पंजाब के 44 साहित्यकार, संपादक और पत्रकारों को विभिन्न सम्मानों से सम्मानित किया गया।

उदन्त मार्तण्ड लोक संवाद सम्मान

संवाद सम्मान से सम्मानित होने वाले साहित्यकारों में डॉ. जवाहर लाल द्विवेदी (राघौगढ़), डॉ. सतीश चतुर्वेदी 'शाकुन्तल' (गुना), डॉ. अवधेश चंसौलिया (ग्वालियर), दयाल परमार (छबड़ा), रमेश कटारिया (ग्वालियर), डॉ. शोभा सिंह (गुना), डॉ. अशोक गोयल (गुना), मधुर कुलश्रेष्ठ (गुना), श्रीमती नीलम कुलश्रेष्ठ (गुना), डॉ. मनोज फगवाड़वी (पंजाब), घनश्याम मैथिल (भोपाल), सुश्री माया बधेका (उज्जैन), डॉ. योग्यता भार्गव (अशोकनगर), डॉ. लोकेश शर्मा (ग्वालियर), डॉ. विनीता प्रजापति (भोपाल), गोविंद श्रीवास्तव 'अनुज' (शिवपुरी), शंकर राव मोरे (इंदौर), कुमार सुरेश (भोपाल), विनोद कुमार जैन (भोपाल), श्रीमती संगीता गुप्ता (ग्वालियर), गोविंद शर्मा, डॉ. अन्नपूर्णा सिसौदिया (अशोकनगर), डॉ. कमलेश थापक (चित्रकूट), महेश बोहरे (राघौगढ़), सुनील चतुर्वेदी (भोपाल), डॉ. धराश्री महान्ति (भुवनेश्वर), ऋषि श्रृंगारी (भोपाल), डॉ. राम वल्लभ आचार्य (भोपाल), सुश्री मनीषा प्रधान (रीवा) एवं संतोष परिहार (बुरहानपुर) शामिल थे।

'हिंदी पत्रकारिता द्विशताब्दी सम्मान

हिन्दी पत्रकारिता सम्मान से सम्मानित होने वालों में वरिष्ठ पत्रकार एवं संपादक हरीश पाठक (मुंबई), पंडित विजय द्विवेदी (जालौन), डॉ. महेंद्र अग्रवाल (शिवपुरी) संपादक नई ग़ज़ल, नरेंद्र दीपक (भोपाल) संपादक अन्तरा, प्रमोद भार्गव (शिवपुरी) संपादक शब्दिता संवाद, नीरज छिलवार (वर्धा) प्रधान संपादक चौखट, संदीप सृजन (उज्जैन) संपादक शाश्वत सृजन, दिनेश प्रभात (भोपाल) संपादक गीत गागर, दीपेंद्र शर्मा (धार) संपादक यशधारा, राजेश रावल (उज्जैन) संपादक संस्कृति संवाद, दीपक पगारे (भोपाल) कला पत्रकार स्वदेश ज्योति, अशोक मनवानी (भोपाल) संयुक्त निदेशक सूचना प्रकाशन विभाग मध्यप्रदेश शासन, अशोक अश्रु (आगरा) संपादक संचेतना संगम तथा देवेन्द्र श्रीवास्तव (बस्ती) संपादक नव किरण शामिल थे। कार्यक्रम संचालन अनिरुद्ध सिंह सेंगर ने किया। प्रथम सत्र का आभार प्रदर्शन प्रेम सिंह 'प्रेम' एवं द्वितीय सत्र का आभार मिथलेश सेंगर ने माना। कार्यक्रम में काफी संख्या में साहित्यकार, गणमान्य जन एवं प्रबुद्ध श्रोता उपस्थित थे।

बाल एवं युवा शिक्षण शिविरमें धार्मिक ज्ञान के साथ भारतीय संस्कृति संस्कारों की भी शिक्षा

भोपाल, नप्र। मुमुक्षु मंडल के तत्वाधान में 18 वां बाल एवं युवा शिक्षण शिविर में संस्कृति संस्कारों का शंखनाद भोपाल दिगंबर जैन मुमुक्षु मंडल के तत्वाधान में 18 वा बाल एवं युवा शिक्षण शिविरमें धार्मिक ज्ञान के साथ भारतीय संस्कृति संस्कारों के साथ समाज ओर देश के प्रति उतरदायित्व निभाने का पहला संदेश दिया गया, साथ ही सरल सात्विक जीवन जीने की कला सिखाई जा रही हे, शिविर प्रभारी मोहित बड़कुल ने बताया, 8 दिवसीय शिक्षण शिविर में निरंतर धर्म अध्यात्म संस्कृति संस्कारों के साथ सात्विक जीवन शैली को जीने की कला सिखाई जाएगी , शिक्षण के लिए बहार से विद्वान पधारे हे, जिनमें प्रमुख प. अशोक मांगुलकर प. रितेश शास्त्री इंदौर हे , शिविर में प्रत्येक आयु वर्ग के लोग शामिल हे मुख्य उद्देश परस्पर सहयोग की भावना के साथ भारत की अमूल्य संपदा संस्कृति संस्कारों की रक्षा करना हे,, इस अवसर पर मुमुक्षु मंडल के अध्यक्ष अशोक जैन मंत्री देवेंद्र बड़कुल राजीव मोदी अनुभव जैन आशुतोष जैन संजीव जैन सहित अनेक लोग मौजूद थे।

भोपाल में 11 परिसरों में पकड़ी गई बिजली चोरी

भोपाल। मध्य क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी के भोपाल शहर संभाग पूर्व अंतर्गत चांदबढ़ जोन में बिजली चोरी की शिकायतों एवं स्मार्ट मीटरों से प्राप्त संकेतों के आधार पर विशेष जांच अभियान में कार्रवाई की गई। विजिलेंस ऐप में दर्ज मामलों के आधार पर 11 परिसरों में बिजली चोरी पकड़ी गई। जांच में कुल 11 परिसरों में विद्युत पोल से सीधे तार जोड़कर अवैध रूप से बिजली का उपयोग करते हुए विद्युत चोरी पाई गई। सभी मामलों में नियमानुसार पंचनामा तैयार कर विद्युत अधिनियम 2003 के प्रावधानों के तहत कार्रवाई की जा रही है। कंपनी ने बताया कि स्मार्ट मीटर एवं डिजिटल निगरानी प्रणालियों के माध्यम से विद्युत चोरी पर लगातार नजर रखी जा रही है। विद्युत चोरी की रोकथाम एवं राजस्व संरक्षण के लिए ऐसे विशेष जांच अभियान आगे भी निरंतर जारी रहेंगे। कंपनी ने उपभोक्ताओं से अपील की है कि वे वैध विद्युत कनेक्शन का उपयोग करें तथा किसी भी प्रकार की विद्युत चोरी या अनियमितता से बचें। विद्युत चोरी न केवल कानूनन अपराध है(

वन स्टे वन ग्लोबल डेस्टिनेशन के रूप में विकसित होगा खजुराहो

पर्यटन मंत्रालय की योजना के प्लान तैयार करने परामर्श बैठक सम्पन्न

भोपाल, नप्र। विश्व पर्यटन नगरी खजुराहो को पर्यटन मंत्रालय, भारत सरकार की वन स्टे वन ग्लोबल डेस्टिनेशन योजना के अंतर्गत विकसित करने के लिए तैयार किए जा रहे प्लान के संबंध में हितधारक परामर्श बैठक का आयोजन झंकार होटल में किया गया। बैठक की अध्यक्षता कलेक्टर पार्थ जैसवाल ने की। बैठक में क्षेत्रीय विधायक अरविंद पटैरिया, नगर परिषद खजुराहो के अध्यक्ष अरुण अवस्थी, नगर परिषद राजनगर के अध्यक्ष जितेन्द्र वर्मा, एसडीएम विशा माधवानी, तहसीलदार धीरज गौतम, मध्यप्रदेश पर्यटन विभाग भोपाल की अधिकारी शिल्पा शर्मा, प्रशांत सिंह बघेल, सहायक यंत्री विवेक चौबे सहित पर्यटन, पुरातत्व, नगरीय निकाय एवं अन्य संबंधित विभागों के अधिकारी, पर्यटन गाइड, होटल प्रतिनिधि और ट्रैवल एजेंट उपस्थित रहे। बैठक में वन स्टे वन ग्लोबल डेस्टिनेशन योजना के अंतर्गत तैयार किए जा रहे डेस्टिनेशन मैनेजमेंट ऑर्गेनाइजेशन (डीएमओ) के संबंध में विभिन्न हितधारकों से सुझाव एवं परामर्श प्राप्त किए गए। इस दौरान खजुराहो की राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय कनेक्टिविटी को और बेहतर बनाने, शहर की सुंदरता एवं हरित क्षेत्र बढ़ाने, पर्यटकों को खजुराहो के आध्यात्मिक महत्व से परिचित कराने, रात्रिकालीन पर्यटन गतिविधियों को बढ़ावा देने, पर्यटकों के प्रति बेहतर व्यवहार सुनिश्चित करने तथा आसपास के पर्यटन स्थलों एवं गांवों को पर्यटन सर्किट से जोड़ने जैसे विषयों पर विस्तृत चर्चा हुई।

मालभाड़ा क्षमता वृद्धि, यात्री सुविधाओं के उन्नयन एवं संरक्षा सुदृढ़ीकरण पर फोकस

महाप्रबंधक ने किया रेलवे अधोसंरचना विकास का सघन निरीक्षण

भोपाल, नप्र।

जबलपुर मण्डल में गुरुवार 4 जून 2026 को पश्चिम मध्य रेल के महाप्रबंधक श्री दिलीप कुमार सिंह ने मालभाड़ा अवसंरचना के विकास, यात्री सुविधाओं के उन्नयन तथा परिचालन संरक्षा को और अधिक सुदृढ़ बनाने के उद्देश्य से सिंगरौली-कटनी साऊथ रेलखंड और सिंगरौली क्षेत्र का व्यापक एवं सघन निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने कोयला परिवहन नेटवर्क से जुड़े प्रमुख लोडिंग केंद्रों, रेलवे स्टेशनों तथा प्रगति पर चल रही अधोसंरचना विकास परियोजनाओं का जायजा लेते हुए संबंधित अधिकारियों को कार्यों को निर्धारित समय-सीमा में पूर्ण करने के निर्देश दिए।

महाप्रबंधक ने सिंगरौली क्षेत्र के प्रमुख कोयला लोडिंग केंद्रों बरगवां, गोंदावली, मझौली, देवराग्राम, गजराबहरा एवं सरईग्राम गुड्स शेडों का विस्तृत निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने रैक लोडिंग की वर्तमान क्षमता, उपलब्ध संसाधनों, लॉजिस्टिक चुनौतियों तथा परिचालन व्यवस्था की समीक्षा की। साथ ही चालू वित्तीय वर्ष के शेष अवधि के लिए कोयला लोडिंग बढ़ाने संबंधी कार्ययोजना पर अधिकारियों के साथ विस्तृत चर्चा की, ताकि देश के विभिन्न ताप विद्युत संयंत्रों एवं उद्योगों को निर्बाध कोयला आपूर्ति सुनिश्चित की जा सके। निरीक्षण के दौरान महाप्रबंधक ने ब्यौहारी एवं बरगवां स्टेशनों का दौरा कर 'अमृत भारत स्टेशन योजना' के अंतर्गत चल रहे पुनर्विकास एवं आधुनिकीकरण कार्यों की प्रगति का भी अवलोकन किया। उन्होंने निर्माण कार्यों की गुणवत्ता बनाए रखते हुए सभी यात्री सुविधाओं को निर्धारित समय-सीमा में पूर्ण करने के निर्देश दिए। बरगवां में महाप्रबंधक ने रनिंग रूम का निरीक्षण करते हुए उपस्थित रनिंग स्टाफ से संवाद किया। उन्होंने कर्मचारियों की सुविधाओं एवं कार्यस्थल पर उपलब्ध संसाधनों के संबंध में आवश्यक दिशा-निर्देश भी दिए। देवराग्राम में महाप्रबंधक की अध्यक्षता में टेहरी हाइड्रो डेवलपमेंट कॉरपोरेशन अधिकारियों के साथ एक महत्वपूर्ण साइट बैठक आयोजित की गई।

दो माह में ट्रेनों में टिकट चेकिंग अभियान के दौरान 1.32 लाख मामले पकड़े गए

मई में 68 हजार से अधिक मामलें पकड़े, 4.92 करोड़ जुर्माना राशि अर्जित

भोपाल, नप्र।

मंडल रेल प्रबंधक श्री पंकज त्यागी के मार्गदर्शन एवं वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक श्री सौरभ कटारिया के निर्देशन व वाणिज्य विभाग की टीम के आपसी समन्वय से वर्तमान वित्तीय वर्ष के 02 माह अप्रैल एवं मई में टिकट जांच के दौरान बिना टिकट, अनुचित टिकट लेकर यात्रा करने वाले एवं बिना बुक गये सामान सहित कुल 1 लाख 32 हजार 2 सौ 24 मामलों से 9.52 करोड़ रुपये अर्जित किये। जिसमे बिना टिकट के 63,056 मामले, अनुचित टिकट के 68,784 मामलें एवं 384 बिना बुक गये सामान के मामलें शामिल है। जबकि केवल मई माह में टिकट चेकिंग अभियान के दौरान बिना टिकट के 31,949 मामलें, अनुचित टिकट के 36,315 मामलें एवं 127 बिना बुक गये सामान के मामलें पकड़े गए जिससे भोपाल मंडल को केवल मई में कुल 68,391 मामलों से कुल 4.92 करोड़ रूपए का राजस्व प्राप्त हुआ। इससे भोपाल रेल मंडल के आय में बढ़ोत्तरी हुई। जो कि वाणिज्य विभाग के टिकट चेकिंग कर्मचारियों द्वारा किया गया सराहनीय कार्य है । वरिष्ठ मण्डल वाणिज्य प्रबन्धक श्री सौरभ कटारिया नें यात्रियों से अपील की है कि उचित टिकट लेकर ही यात्रा करें ताकि यात्रा के दौरान किसी प्रकार की असुविधा न हो।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, सुमेर सिंह यादव (यदुवंशी) द्वारा एमआई ऑफसेट वर्क्स, बरखेडी भोपाल (मप्र)प्रिंटिंग प्रेससे मुद्रित तथा बीडीए प्लॉट नं. 184 पंचशील नगर भोपाल से प्रकाशित। संपादक-सुमेर सिंह यादव
(सभी विवादों का न्याय क्षेत्र भोपाल रहेगा ।) Email : sumer.yaduwanshi@gmail.com, Mo. 9893699950